राघव चड्ढा की देशवासियों से... 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

इसी साल शुरू होगी रणवीर... 11

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 02, अंक - 35 | गाजियाबाद / शनिवार 09 मई 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

जाति तब खत्म होगी जब समाज बदलेगा

● आरएसएस चीफ मोहन भागवत ने दिया बड़ा बयान ● कहा-जनसंख्या नियंत्रण के लिए लोगों का सहयोग जरूरी

मैसूरु (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि जनसंख्या नियंत्रण नीति और यूनिफॉर्म सिविल कोड जैसे कानून लोगों के सहयोग के बिना सफल नहीं हो सकते। उन्होंने कहा कि जाति आधारित राजनीति तभी खत्म होगी, जब समाज जाति के आधार पर सोचना बंद करेगा। भागवत गुरुवार को कर्नाटक के मैसूरु में महाविद्यापीठ में सोशल हार्मनी ऐज ए कैटलिस्ट फॉर नेशनल डेवलपमेंट विषय पर लेक्चर के बाद इंटरेक्टिव सेशन में लोगों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने समानता को नारों से नहीं, बल्कि व्यवहार में अपनाने की अपील की।

आरएसएस सरकार नहीं, बल्कि यह मात्र सामाजिक संगठन है

जनसंख्या नियंत्रण और यूसीसी पर सवाल के जवाब में भागवत ने कहा कि संघ सरकार नहीं, बल्कि सामाजिक संगठन है। उन्होंने कहा कि किसी भी कानून को सफल बनाने के लिए लोगों को शिक्षित करना और उनकी भागीदारी जरूरी है। उन्होंने इमरजेंसी के दौरान जनसंख्या नियंत्रण उपायों का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय जबरन नसबंदी कराई गई, जिससे लोगों में गुस्सा हुआ और बाद में सरकार को हार का सामना करना पड़ा। भागवत ने कहा कि जनसंख्या नीति बनाते समय जनसांख्यिकीय संतुलन जरूरी है।

लोकतंत्र में फैसले धीरे-धीरे होते हैं

उन्होंने कहा, राज्य-दर-राज्य यह आगे बढ़ रहा है। शायद एक दिन पूरे देश में लागू हो जाए। लोकतंत्र में फैसले धीरे-धीरे होते हैं, क्योंकि एक व्यक्ति नहीं, बल्कि 142 करोड़ लोग मिलकर फैसला करते हैं। जाति व्यवस्था पर बोलते हुए भागवत ने कहा कि पहले समाज बदलेगा, तभी राजनीति बदलेगी। उन्होंने लोगों से कहा कि केवल जाति भूलने की बात न करें, बल्कि ऐसा व्यवहार करें जैसे जाति है ही नहीं। उन्होंने अंतरजातीय संबंध और विवाह को बढ़ावा देने की बात कही और 1942 में महाराष्ट्र में हुए एक अंतरजातीय विवाह का उदाहरण दिया, जिसे बीआर आंबेडकर और एमएस गोलवलकर ने आशीर्वाद दिया था।

धर्म बनाकर आपस में झगड़ा करना ठीक नहीं

भागवत ने कहा कि धार्मिक सद्भाव पर उन्होंने कहा कि सभी धर्म अंतत: सत्य की ओर ले जाते हैं, भले ही उनके तरीके अलग हों। उन्होंने कहा कि अलग-अलग रास्ते आखिरकार एक ही मंजिल तक पहुंचते हैं, जैसे नदियां समुद्र में मिलती हैं। धर्म बनाकर आपस में झगड़ा करना ठीक नहीं है। धर्मों को समझना चाहिए कि मंजिल एक है और मानवता के लिए सहयोग और समन्वय जरूरी है। आचरण में धर्म होना चाहिए। संयम, अनुशासन और नैतिकता धर्म का आधार हैं। भारत बार-बार अपनी आजादी इसलिए खोता रहा, क्योंकि समाज में विभाजन थे। देश के विकास और सामाजिक सद्भाव के लिए एकता और भाईचारा जरूरी है। भारतीय समाज की अवधारणा पश्चिम से अलग है। यहां समाज भावनात्मक जुड़ाव और साझा उद्देश्य से बनता है, जबकि पश्चिम में यह आपसी लाभ और समझौते पर आधारित होता है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद का हवाला देते हुए कहा कि हर देश का एक संदेश, मिशन और लक्ष्य होता है। भारत की राष्ट्र की अवधारणा जमीन और लोगों के बीच गहरे संबंध पर आधारित है।

संक्षिप्त समाचार

तमिलनाडु में रास्ता साफ विजय बनाएंगे सरकार

वीसीके,सीपीएम,सीपीआई ने किया टीवीके-कांग्रेस गठबंधन का समर्थन

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में किसकी सरकार बनने जा रही है। इस सवाल का जवाब मिल गया। अभिनेता से नेता बने थलपति विजय की पार्टी टीवीके को सरकार गठन के लिए अहम समर्थन मिल गया है। कांग्रेस के समर्थक के बाद अब वीसीके, सीपीएम और सीपीआई जैसे दलों ने भी उन्हें समर्थन देने का फैसला किया है। इससे राज्य में नई सरकार बनने का रास्ता लगभग साफ माना जा रहा है। 234 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत के लिए जरूरी आंकड़े के करीब पहुंच चुके टीवीके गठबंधन ने राजनीतिक समीकरण बदल दिए हैं। विपक्षी दलों के समर्थन के बाद विजय पहली बार सत्ता के बेहद करीब पहुंच गए हैं और उन्होंने सरकार गठन का दावा पेश कर दिया है।

पास किया 118 का जादुई आंकड़ा

बता दें कि तमिलनाडु में अब टीवीके चीफ थलपति विजय की सरकार बनने का रास्ता साफ हो गया है। 2-2 विधायकों वाले वीसीके, सीपीएम, सीपीआई ने कांग्रेस-टीवीके गठबंधन को समर्थन देने का फैसला किया है। साथ ही बीजेपी ने भी मतदान से दूर रहने के संकेत दिए हैं। इसके बाद विजय के लिए बहुमत हासिल करने का मार्ग प्रशस्त हो चुका है। राज्यपाल ने उन्हें 10 मई तक का समय दिया था।

नई कैबिनेट बनते ही बिहार में बवाल

● पटना में टीआरई-4 अभ्यर्थियों पर हुआ लाठीचार्ज ● परीक्षा नियमावली में बदलाव के विरोध में प्रदर्शन

पटना (एजेंसी)। बिहार में बीपीएससी टीआरई-4 शिक्षक भर्ती के विज्ञापन का इंतजार कर रहे अभ्यर्थियों के सब्र का बांध शुक्रवार को टूट गया। इसके बाद पटना के जेपी गोलंबर पर पुलिस की लाठी से उनका सामना हुआ। पुलिस ने लाठीचार्ज कर अभ्यर्थियों को खदेड़ दिया। नई कैबिनेट के शपथ लेने के 24 घंटे बाद ही टीआरई-4 के अभ्यर्थी सड़क पर उतर गए। पटना कॉलेज परिसर में हजारों की संख्या में जुटे अभ्यर्थियों ने राज्य सरकार और बीपीएससी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विरोध मार्च निकाला। छात्रों का मुख्य आरोप है कि आयोग ने अप्रैल के मध्य में विज्ञापन जारी करने का आश्वासन दिया था, लेकिन मई बीतने को है और अब तक कोई आधिकारिक अधिसूचना नहीं आई है। ये प्रदर्शन बाकरगंज और मछुआ टोली होते हुए आगे बढ़ा। स्थिति को देखते हुए पटना एसएसपी कार्तिकेय शर्मा खुद मुस्तैद दिखे। प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए वाटर कैनन का भी इंतजाम दिखा।

टीआरई-4 के विज्ञापन में देरी से छात्र नाराज

अभ्यर्थियों का कहना है कि बीपीएससी परीक्षा नियंत्रक ने 16 अप्रैल को एक पॉडकास्ट के माध्यम से तीन-चार दिनों के भीतर विज्ञापन जारी करने का दावा किया था। आज 8 मई बीत जाने के बाद भी पोर्टल पर कोई अपडेट नहीं है। लगभग 46,595 पदों पर होने वाली इस बहाली को लेकर छात्रों ने सरकार पर धोखेबाजी का आरोप लगाया है। हालांकि, बिहार के नव नियुक्त शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने कहा कि टीआरई-4 की वैकेंसी बिल्कुल नहीं फंसेगी, उसे लेकर बैठक चल रही है। जल्द ही फैसला लिया जाएगा। लाठीचार्ज के बाद भी बेरोजगार युवक और युवतियों की भीड़ डटी है। एसडीएम रितिका मिश्रा और सिटी मजिस्ट्रेट आदित्य श्रीवास्तव कह रहे हैं कि एक प्रतिनिधिमंडल वरिष्ठ अधिकारियों से बातचीत के लिए आगे आए। लेकिन आंदोलनकारियों का कहना है कि बिना छात्र नेता दिलीप कुमार के बात नहीं हो सकती। दिलीप कुमार पुलिस के कब्जे में हैं, जिस वजह से गतिरोध और तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है।

विजय से 'दोस्ती' पर डीएमके ने तोड़ा कांग्रेस से गठबंधन

● लोकसभा में अलग बैठेंगे सांसद, कानिमोझी ने लिखा पत्र

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद कांग्रेस द्वारा विजय की अगुवाई वाली टीवीके का समर्थन करने पर डीएमके ने गद्दारी करने का आरोप लगाया था। पार्टी ने कहा था कि कांग्रेस ने पीठ में छुरा घोंपा। एक्टर विजय को समर्थन देने के मुद्दे पर अब डीएमके और कांग्रेस के बीच तल्खी और बढ़ गई है। यह तल्खी अब चेन्नई से दिल्ली पहुंच गई है। डीएमके की सांसद कनिमोझी करुणानिधि ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर कहा है

कि मैं लोकसभा में द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के सांसदों के बैठने की व्यवस्था में सही बदलाव करने का अनुरोध करती हूं। बदले हुए राजनीतिक हालात को देखते हुए और क्योंकि इंडियन नेशनल कांग्रेस के साथ हमारा गठबंधन खत्म हो गया है, इसलिए हमारे सदस्यों के लिए सदन में उनके साथ मौजूदा बैठने की व्यवस्था में बने रहना सही नहीं होगा। तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं मिला है। एक्टर थलपति विजय की अगुवाई वाली टीवीके सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी हैं। टीवीके को 108 सीटें मिली हैं, जबकि डीएमके को 59 और एआईएडीएमके को 47।

इंडिया गठबंधन में बड़ी घटक थी डीएमके

डीएमके के इंडिया गठबंधन से बाहर जाने पर विपक्षी एकता कमजोर हो गई है। कनिमोझी द्वारा लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखने के बा अब कांग्रेस और डीएमके में दरार साफ हो गई है। पहले कनिमोझी ने कहा था कि दिल्ली में कांग्रेस के साथ रहेगी लेकिन चेन्नई में डीएमके और एआईएडीएमके के साथ आने की चर्चाओं के बीच यह बड़ा डेवलपमेंट सामने आया है। डीएमके के लोकसभा में 22 सांसद हैं, राज्यसभा में उसके सदस्यों की संख्या 10 है।

एक देश ने आबादी से 8 गुना ज्यादा जमा कर ली वैक्सीन

● जयशंकर का भारतीयों से भरे देश से इशारों में अमेरिका पर बड़ा तंज

पारामारिबो (एजेंसी)। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सुरीनाम में कहा है कि आज दुनिया संसाधनों का इस्तेमाल हथियार की तरह कर रही है। तेजी से बदलते वैश्विक व्यवस्था के बारे में आगाह करते हुए विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि दुनिया वित्त, संसाधनों, तकनीक और कनेक्टिविटी के अभूतपूर्व हथियारीकरण को देख रही है। क्योंकि देश अपने रणनीतिक लक्ष्यों को हासिल करने के लिए मेहनत कर रहा।

एक देश ने जमा रखी थी आठ गुना ज्यादा वैक्सीन

सूरीनाम के समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए भारतीय विदेश मंत्री ने भारत की वैक्सीन डिप्लोमेसी का जिक्र करते हुए एक विकसित देश पर पर तंज कसा। हालांकि उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया। उन्होंने वैक्सीन वितरण में भारी असमानता की तरफ इशारा किया।

केसी वेणुगोपाल का केरल सीएम बनना तय!

● राहुल गांधी के हैं खास,एआईसीसी पर्यवेक्षकों को दी अपनी राय

तिरुवनन्तपुरम (एजेंसी)। केरल का मुख्यमंत्री कौन होगा। इस सवाल का जवाब अभी तक कांग्रेस नहीं दे पाई है। हालांकि सूत्रों की मानें तो केसी वेणुगोपाल ही केरल के अगले सीएम होंगे। वेणुगोपाल अभी अलाप्पुझा से सांसद हैं और अभी कांग्रेस के महासचिव के तौर पर काम कर रहे हैं। अपनी संगठनात्मक काबिलियत के लिए मशहूर वेणुगोपाल ने हाल के सालों में पार्टी के ढांचे को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई है। उन्हें राहुल गांधी का करीबी भी माना जाता है, जिसका असर आखिरी फैसले पर पड़ सकता है। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का मानना है कि उनका अनुभव उन्हें सबसे बड़े पद के लिए मजबूत दावेदार बनाती है।

63 में से 47 विधायक केसी वेणुगोपाल के साथ

पार्टी सूत्रों के अनुसार, एसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल मुख्यमंत्री पद की दौड़ में सबसे आगे निकलते दिखाई दे रहे हैं। गुरुवार को एसीसी के केंद्रीय पर्यवेक्षकों के साथ हुई बैठकों में कांग्रेस के 63 निर्वाचित विधायकों में से 47 ने वेणुगोपाल के नाम का समर्थन किया। इनमें केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सन्नी जोसेफ भी शामिल हैं।

जिस जहाज पर हंतावायरस फैला, उस पर 2 भारतीय

● अब तक 3 की मौत,डॉक्टर बोले-यह कोरोना की तरह तेजी से नहीं फैलता

प्राया (एजेंसी)। अटलांटिक महासागर में क्रूज शिप होंडियस पर 2 भारतीय नागरिक शामिल है। यह वही शिप हैं, जिस पर हंतावायरस फैला है। एजेंसी के मुताबिक अब तक जहाज पर हंतावायरस संक्रमण के पांच मामलों की पुष्टि हुई है और 3 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, नीदरलैंड की लीडेन यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर में भर्ती हंतावायरस मरीज का इलाज कर रहीं डॉक्टर करिन एलेन वेल्डकैंप ने कहा कि यह वायरस कोरोना जैसा नहीं है। उन्होंने बातचीत में कहा कि हंतावायरस का इंसान से इंसान में फैलना आसान नहीं है। इसका ट्रांसमिशन कोरोना की तुलना में काफी मुश्किल है। डच फ्लैग वाला यह जहाज स्पेन जा रहा है। यह 10 मई तक स्पेन के कैनरी आईलैंड तक पहुंच सकता है, जहां जहाज पर मौजूद सभी यात्रियों की जांच होगी।

मरीजों को आइसोलेशन में रखा जा रहा

डॉक्टर करिन एलेन वेल्डकैंप ने कहा, ऐसे मामलों में संक्रमित मरीजों को अलग आइसोलेशन रूम में रखा जाता है। ट्रेंड स्टाफ उनकी देखभाल करता है। मरीजों को तब तक आइसोलेशन में रखा जाता है, जब तक उनमें लक्षण दिखाई देते हैं। हालत सुधरने के बाद उनका टेस्ट किया जाता है। अगर रिपोर्ट नेगेटिव आती है तो आइसोलेशन हटाया जा सकता है। हंतावायरस से संक्रमित लोगों को 40 दिनों के लिए क्वारंटाइन में रखा गया है।

ट्रम्प की टैरिफ पॉलिसी को अमेरिकी कोर्ट ने बताया अवैध

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के एक फेडरल ट्रेड कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के लगाए गए 10 फीसदी ग्लोबल टैरिफ को अवैध घोषित कर दिया है। कोर्ट ने गुरुवार को 2-1 के बहुमत से फैसला सुनाते हुए कहा कि यह टैरिफ 1974 के व्यापार कानून के तहत सही नहीं थे। प्रशासन के पास कांग्रेस की अनुमति के बिना इतने बड़े पैमाने पर आयात शुल्क (इम्पोर्ट ड्यूटी) लगाने का अधिकार नहीं है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड ने अपने फैसले में कहा कि इसी साल की शुरुआत में लगाए गए ये टैरिफ कानून अमान्य हैं। ट्रम्प ने फरवरी में एक एग्जीक्यूटिव ऑर्डर के जरिए इन ग्लोबल टैरिफ को लागू करने की घोषणा की थी।

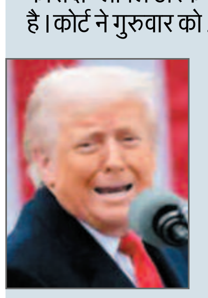

शुभेंदु होंगे वेस्ट बंगाल के नए सीएम

● चुने गए बीजेपी विधायक दल के नेता ● आज लेंगे बंगाल के सीएम पद की शपथ

कोलकाता (एजेंसी)। बीजेपी नेता शुभेन्दु अधिकारी पश्चिम बंगाल के नए मुख्यमंत्री होंगे। शुक्रवार को कोलकाता में बीजेपी विधायक दल की बैठक में उन्हें नेता चुना गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और ओडिशा के सीएम मोहन माझी को मौजूदगी में उनके नाम का ऐलान किया है। सुवेंदु अधिकारी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में नंदीग्राम और भवानीपुर से जीते हैं। उन्होंने भवानीपुर में ममता बनर्जी को हराया है। पश्चिम बंगाल बीजेपी अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने शुभेन्दु अधिकारी के नाम का प्रस्ताव रखा। जिसे विधायकों ने मान लिया।

तीन दशक बाद संभालेंगे सीएम का पद

शुभेन्दु अधिकारी का जन्म 15 दिसंबर, 1970 को हुआ था। शुभेन्द अधिकारी के पिता शिशिर अधिकारी पूर्व केंद्रीय मंत्री रह चुके हैं। शुभेन्दु अधिकारी को राजनीति विरासत में मिली है। उन्होंने पंचयत से लेकर पार्लियामेंट तक सफर तय किया। वह 2005 में पहली बार विधायक बने थे। इसके बाद 2009 और फिर 2014 में तामलुक से लोकसभा के सदस्य चुने गए। नंदीग्राम में भूमि अधिग्रहण विरोधी आंदोलन में उनकी भूमिका ने उन्हें बंगाल की राजनीति में मेदिनीपुर का बादशाह बना दिया। दिसंबर 2020 में वह तृणमूल कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हो गए। 2021 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को नंदीग्राम सीट से हराकर सबको चौंका दिया। इसके बाद वह मई 2021 से 2026 तक वे पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रहे। अब वह पश्चिम बंगाल में शीर्ष पद को संभालेंगे।

स्वास्थ्य मंत्री बने निशांत कुमार ने कहा, पूरी ईमानदारी और निष्ठा से निभाऊंगा जिम्मेदारी

पटना (एजेंसी)। पूर्व सीएम नीतीश कुमार के बेटे और जेडीयू नेता निशांत कुमार ने शुक्रवार को बिहार के नए स्वास्थ्य मंत्री के रूप में पदभार ग्रहण किया। पद संभालने के बाद उन्होंने राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने का संकल्प लिया। इसी दौरान पत्रकारों से बातचीत में निशांत कुमार ने कहा, 'मैं पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाने का प्रयास करूंगा। बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में काम करूंगा।' इस अवसर पर जेडीयू सांसद संजय कुमार झा ने भी निशांत कुमार के राजनीति में आने और मंत्री बनने पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने बेटे को 21 वर्षों तक राजनीति से दूर रखा, लेकिन पार्टी कार्यकर्ताओं की जरूरत को देखते हुए उन्होंने राजनीति में कदम रखा। उन्होंने विश्वास जताया कि निशांत कुमार के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग में बेहतर काम होगा। बिहार सरकार में गुरुवार को हुए बड़े मंत्रिमंडल विस्तार में 32 मंत्रियों को शामिल किया गया था। यह विस्तार एनडीए सरकार बनने के बाद प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से किया गया।

ऑनलाइन दवा बिक्री के खिलाफ केमिस्टों की हड़ताल, 20 मई को महाराष्ट्र समेत देशभर में मेडिकल स्टोर रहेंगे बंद

मुंबई (एजेंसी)। आगामी 20 मई को महाराष्ट्र समेत देशभर में मेडिकल स्टोर बंद रहेंगे। दरअसल अखिल भारतीय औषध विक्रेता संगठनों द्वारा ऑनलाइन दवाओं की कथित अवैध बिक्री और बड़ी कॉर्पोरेट कंपनियों के बढ़ते दबदबे के विरोध में राष्ट्रव्यापी बंद का आह्वान किया गया है। इस हड़ताल का असर राज्य के सभी शहरों और ग्रामीण इलाकों में देखने को मिलेगा। संगठनों का कहना है कि बिना उचित जांच-पड़ताल और नियमों के इंटरनेट के माध्यम से दवाओं की बिक्री की जा रही है, जिससे न केवल छोटे मेडिकल दुकानदारों का कारोबार प्रभावित हो रहा है बल्कि मरीजों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ रही है। संगठन के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि इस मुद्दे पर केंद्र सरकार और संबंधित अधिकारियों को कई बार ज्ञापन दिए गए, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। संगठन के अध्यक्ष जगन्नाथ शिंदे ने कहा कि प्रशासन की अनदेखी के कारण मजबूर होकर दवा विक्रेताओं को आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा है। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन दवा बिक्री पर सख्त नियम लागू करने और छोटे व्यापारियों की सुरक्षा की मांग को लेकर यह बंद किया जा रहा है। हालांकि, हड़ताल के दौरान गंभीर मरीजों को परेशानी न हो, इसके लिए जीवनरक्षक और अत्यावश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की व्यवस्था की गई है। संगठन ने लोगों से अपील की है कि वे जरूरत की दवाएं पहले से खरीदकर रखें ताकि किसी प्रकार की असुविधा न हो।

राहुल गांधी आय से अधिक संपत्ति मामला-हाई कोर्ट ने बंद कमरे में सीलबंद कराई केस फाइल

लखनऊ (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में कांग्रेस सांसद एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से जुड़े आय से अधिक संपत्ति मामले में अहम सुनवाई की। मामले की संवेदनशीलता और दस्तावेजों की प्रकृति को देखते हुए अदालत ने न केवल सुनवाई 12 मई तक टाल दी, बल्कि पूरी केस फाइल को सीलबंद कर सुरक्षित अभिरक्षा में रखने का आदेश भी दिया। साथ ही कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि अगली सुनवाई के दौरान ही सीलबंद फाइल खोली जाएगी। इस मामले को लेकर अदालत ने प्रक्रिया में विशेष सावधानी बरतते हुए इसे इन-चैंबर (बंद कमरे) में सुना, जिससे इसकी गंभीरता और बढ़ गई है। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में मामले की सुनवाई जस्टिस राजेश सिंह चौहान और जस्टिस जफीर अहमद की पीठ ने की। सुनवाई के दौरान केंद्र और राज्य सरकार से जुड़ी एजेंसियों के अधिवक्ताओं ने अदालत से कहा कि उन्हें संबंधित विभागों से लिखित निर्देश प्राप्त करने के लिए अतिरिक्त समय की आवश्यकता है। इस पर अदालत ने सहमति जताते हुए अगली सुनवाई की तारीख 12 मई निर्धारित कर दी। अदालत ने स्पष्ट किया कि तब तक सभी संबंधित पक्ष आवश्यक निर्देश प्राप्त कर लें। विदित हो कि यह याचिका कर्नाटक के भाजपा कार्यकर्ता एस. विग्नेश शिशिर की ओर से दायर की गई है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि राहुल गांधी ने अज्ञात स्रोतों से बड़ी संपत्ति अर्जित की है, जिसकी विस्तृत जांच होनी चाहिए। याचिका में केंद्र सरकार के साथ-साथ सीबीआई, प्रवर्तन निदेशालय, केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड और सीरियस फ्रॉड इन्वेस्टिगेशन ऑफिस को भी पक्षकार बनाया गया है। याचिकाकर्ता ने इन सभी एजेंसियों से व्यापक जांच कराने की मांग की है। याचिकाकर्ता एस. विग्नेश शिशिर इससे पहले भी राहुल गांधी के खिलाफ कथित दोहरी नागरिकता से जुड़े मामले में याचिका दाखिल कर चुके हैं। मौजूदा याचिका में उन्होंने आय से अधिक संपत्ति का मुद्दा उठाते हुए विस्तृत जांच की मांग की है। अब इस पूरे मामले में अगली सुनवाई 12 मई को होगी। उसी दिन सीलबंद फाइल अदालत के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी और उसके बाद आगे की कानूनी प्रक्रिया पर निर्णय लिया जाएगा।

ऑनलाइन गेमिंग कंपनी गेम्सक्राफ्ट पर ईडी का बड़ा एक्शन, तीन संस्थापक गिरफ्तार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ऑनलाइन रियल मनी गेमिंग सेक्टर से जुड़ी बड़ी कंपनी गेम्जक्राफ्ट टेक्नोलॉजीज के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ा एक्शन लिया है। मनी लॉन्ड्रिंग और कथित धोखाधड़ी के मामले में कंपनी के तीन संस्थापकों दीपक सिंह, पृथ्वीराज सिंह और विकास तनेजा को गिरफ्तार किया गया है। ईडी की यह कार्रवाई ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म्स से जुड़े कई गंभीर आरोपों के बाद सामने आई है। ईडी सूत्रों के मुताबिक, गेम्सक्राफ्ट और उससे जुड़ी अन्य संस्थाओं के खिलाफ देश के अलग-अलग हिस्सों में कई एफआईआर दर्ज थीं। इन शिकायतों में लोगों को गुमराह करने, ऑनलाइन गेमिंग के जरिए आर्थिक नुकसान पहुंचाने और अवैध तरीके से धन जुटाने जैसे आरोप लगाए गए हैं।

बोहरा समुदाय में छोटी बच्चियों की खतना पर सुप्रीम कोर्ट में बहस, जस्टिस हैरान

-महिला ने कहा- इस प्रथा को पॉक्सो ऐक्ट के तहत अपराध घोषित किया जाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुस्लिमों के दाऊदी बोहरा समुदाय में छोटी बच्चियों का खतना किए जाने की प्रथा पर सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को बहस हुई। इस प्रथा पर सवाल उठाते हुए एक दाऊदी बोहरा महिला ने कहा कि इसके तहत बच्चियों के जननांग के एक हिस्से को काटा जाता है। इस दौरान उन्हें बेहद पीड़ा से गुजरना होता है। यह ट्रॉमा ऐसा होता है कि उन्हें पूरी जिंदगी इससे होने वाली शारीरिक और मानसिक पीड़ा से गुजरना होता है। उन्होंने कहा कि खतना के दौरान हजारों नसें क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। महिला ने कहा कि इससे स्वास्थ्य को खतरा होता है और उनकी गरिमा से भी समझौता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक महिला ने कहा कि इस प्रथा को तो पॉक्सो ऐक्ट के तहत अपराध घोषित किया जाना चाहिए। दाऊदी बोरा समुदाय की महिला की ओर से पेश वकील ने चीफ जस्टिस की अध्यक्षता वाली बेंच से कहा कि खतना की यह प्रथा 7 साल की बच्चियों के साथ होती है। उन्होंने कहा कि जब 7 साल की बच्ची के साथ इसे अंजाम दिया जाता है तो फिर सहमति का तो सवाल ही नहीं उठता है। उन्होंने कहा कि बच्ची की सहमति की बात नहीं हो सकती और उसके परिजन सामाजिक दबाव में रहते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि यदि वे विरोध करेंगे तो उनके सामाजिक बहिष्कार का खतरा रहता है।

वकील ने कहा कि परिजन चुप रहते हैं क्योंकि यदि उनका बहिष्कार हुआ तो फिर वे ऐसी स्थिति में आ जाते हैं, जहां उनको समाज से बॉयकॉट कर दिया जाता है। समाज के साथ उनके आर्थिक और सामाजिक रिश्ते खत्म हो जाते हैं। इस विषय को भले ही सामाजिक प्रथा कहा जा रहा है, लेकिन जिस तरह से एक बच्ची को पीड़ा झेलनी पड़ती है वह मामला संवैधानिक और आपराधिक दायरे में चला जाता है। ऐसे में इस पर उसी आलोक में विचार किया जाना चाहिए। इस मामले की सुनवाई करने वाली बेंच में चीफ जस्टिस सूर्यकांत के अलावा जस्टिस बीवी नागरत्ना, जस्टिस एमएम सुंदरेश, जस्टिस अमानुल्लाह, जस्टिस अरविंद कुमार समेत 9 जज शामिल हैं। इस मामले की सुनवाई में जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने हैरानी भी जताई कि आखिर इसके खिलाफ कोई कानून क्यों नहीं बना है। ऐसे में कोई कानून जरूर बनना चाहिए, जिससे इस पर रोक लग सके। कोर्ट ने कहा कि ऐसे मामले में कानून बनाकर रोक लगाने का अधिकार तो सरकार के पास ही है।

फ्लाइट में महुआ मोइत्रा के सामने चोर, चोर टीएमसी चोर और जय श्री राम जैसे नारे लगे

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की करारी हार के बाद राज्य की राजनीतिक तपिश अब विमानों के भीतर भी महसूस हो रही है। कृष्णानगर से लोकसभा सांसद महुआ मोइत्रा ने आरोप लगाया है कि इंडिगो की एक फ्लाइट में उनके साथ बदसलूकी की गई। कृष्णानगर से लोकसभा सांसद मोइत्रा ने एक्स पर कुछ वीडियो शेयर किए, जिसमें कुछ लोगों को चोर, चोर टीएमसी चोर, तृणमूल ईर शोब चोर और जय श्री राम जैसे नारे लगाते हुए सुना जा सकता है। टीएमसी की मोइत्रा ने इस नारेबाजी को नागरिकों का गुस्सा नहीं बताया और एक परेशानी कहा, जिसने विमान में उनकी सुरक्षा का उल्लंघन किया। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के खिलाफ अपने सख्त रुख के लिए मशहूर महुआ ने इंडिगो से इन लोगों के नाम सार्वजनिक करने और उन्हें नो फ्लाई लिस्ट में डालने को कहा, साथ ही उन्होंने नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू को भी इस बारे में टैग किया। मोइत्रा ने पोस्ट में कहा यह बीजेपी की संस्कृति है। किसी को हैरानी क्यों हो रही है? मैंने इसे नजरअंदाज किया और हवाई अड्डे से अपनी बैठक में चली गई। फिर लोगों ने मुझे यह वीडियो भेजा जिसे संघी लोग वायरल कर रहे थे। तभी मैंने इस पर आवाज उठा दी। टीएमसी नेता ने नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) में औपचारिक शिकायत दर्ज की है, जिसमें उन्होंने कहा कि चार-पांच युवकों ने इस तरह के नारे लगाए जो सीधे तौर पर उन्हें और उनकी पार्टी को निशाना बना रहे थे। उन्होंने कहा कि उन पर मौखिक हमला हुआ और उन्हें परेशान किया गया, और साथ ही यह भी जोड़ा कि उनके पास इस मौखिक दुर्व्यवहार से बचने का कोई रास्ता नहीं था। उन्होंने दावा किया कि इंडिगो के किसी भी अधिकारी ने बीच-बचाव नहीं किया, और उन्होंने एयरलाइन के कर्मचारियों के खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी करने की मांग की। इंडिगो ने अभी तक उनके आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। उन्होंने अपनी शिकायत में कहा ये नारे और उद्घोष मेरी पार्टी (अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस), मेरी पार्टी के नेताओं और मुझ पर व्यक्तिगत रूप से निशाना साधे रहे थे। एक बंद विमान के अंदर मुझ पर मौखिक हमला कर मुझे परेशान किया गया, और चूंकि मुझे विमान से उतरने की प्रक्रिया शुरू होने तक इंतज़ार करना पड़ा, इसलिए मेरे पास इस मौखिक दुर्व्यवहार से बचने का कोई रास्ता नहीं थाजो सीधे तौर पर मुझ पर किया जा रहा था।

तमिलनाडु में राज्यपाल की भूमिका पर चिदंबरम ने उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में तमिलनाडु की नई सरकार के गठन को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। इसी बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम ने राज्यपाल की संवैधानिक भूमिका को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि यदि विधानसभा चुनाव में किसी भी पार्टी या गठबंधन को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलता, तब राज्यपाल का कर्तव्य होता है कि वह सदन में सबसे बड़ी पार्टी के नेता को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करे। कांग्रेस नेता चिदंबरम ने कहा कि यह केवल राजनीतिक परंपरा ही नहीं, बल्कि संसदीय व्यवस्था का स्थापित नियम भी है। उन्होंने लिखा कि निर्वाचित विधायकों की संख्या के आधार पर सबसे बड़े दल के नेता को पहले सरकार गठन का मौका मिलना चाहिए। इसके बाद वह विधानसभा में बहुमत साबित कर सकता है। कांग्रेस नेता ने अपने बयान में सुप्रीम कोर्ट के 1994 के ऐतिहासिक फैसले का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि शीर्ष अदालत ने भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया में विधानसभा को ही बहुमत परीक्षण का सही मंच माना है। चिदंबरम ने उन तमिलनाडु की राजनीतिक पार्टियों की भी सराहना की, जिन्होंने इस सिद्धांत को सार्वजनिक रूप से स्पष्ट किया और उसका समर्थन किया।

दरअसल, तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में इस बार किसी भी दल को पूर्ण बहुमत हासिल नहीं हुआ है। अभिनेता-राजनेता विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। पार्टी ने 108 सीटें जीती हैं, लेकिन सरकार बनाने के लिए उसे अभी भी करीब 10 विधायकों के समर्थन की जरूरत है।

बहुमत का आंकड़ा नहीं होने की वजह से राज्यपाल ने अभी तक विजय को सरकार गठन का न्योता नहीं दिया है। हालांकि, कांग्रेस ने टीवीके को समर्थन देने का औपचारिक ऐलान किया है। इसके बाद तमिलनाडु की राजनीति में सरकार गठन को लेकर गतिविधियां और तेज हो गई हैं।

अखिलेश को झटका, सपा के कई दिग्गज नेता सुभासपा में शामिल

लखनऊ (एजेंसी)। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) ने आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर अपना कुनबा बढ़ाने और संगठन विस्तार के अभियान को तेज कर दिया है। इसी कड़ी में गुरुवार को पार्टी को उस वक्त बड़ी मजबूती मिली, जब समाजवादी पार्टी और बुनकर मजदूर विकास समिति से जुड़े लगभग 30 महत्वपूर्ण पदाधिकारियों, ग्राम प्रधानों और सक्रिय कार्यकर्ताओं ने सुभासपा का दामन थाम लिया। पार्टी के राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता अरुण राजभर की उपस्थिति में आयोजित एक औपचारिक कार्यक्रम में इन सभी नेताओं को पार्टी की सदस्यता दिलाई गई।

पार्टी में शामिल होने वाले प्रमुख चेहरों में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव जावेद आलम का नाम सबसे ऊपर है, जिनका सुभासपा में आना विपक्षी खेमे के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। उनके साथ ही बुनकर मजदूर विकास समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष शहाबुद्दीन अंसारी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. मोहम्मद नाजिम अंसारी और युवा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ताजुद्दीन अंसारी ने भी पार्टी की विचारधारा पर भरोसा जताया। सदस्यता लेने वाले अन्य नेताओं में दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष खालिद सैफी, राष्ट्रीय सचिव अयूब अंसारी, प्रदेश प्रभारी कारी लाइक अंसारी और कई जिला अध्यक्ष शामिल हैं। ये नेता दिल्ली, गाजियाबाद, बिजनौर, शाहदरा, प्रतापगढ़, अमरोहा और लखनऊ जैसे विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिससे सुभासपा का प्रभाव कई जिलों में बढ़ने की उम्मीद है।

इस अवसर पर अरुण राजभर ने विपक्षी दलों, विशेषकर समाजवादी पार्टी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने सपा के पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के नारे पर तंज कसते हुए इसे केवल राजनीतिक स्वार्थ का जरिया बताया। राजभर ने कहा कि सपा का यह नारा जनता की भलाई के लिए नहीं, बल्कि उनकी अपनी राजनीतिक जरूरतों के हिसाब से बदलता रहता है। उन्होंने सीधा हमला बोलते हुए कहा कि उनके लिए पीडीए का असली अर्थ पार्टी ऑफ डिंपल एंड अखिलेश है, जो केवल परिवारवाद तक सीमित है। राजभर ने दावा किया कि जिस तरह से विभिन्न क्षेत्रों और समुदायों के नेता सुभासपा से जुड़ रहे हैं, उससे यह स्पष्ट है कि जनता और जमीन से जुड़े कार्यकर्ता अब बदलाव चाहते हैं। संगठन में हुए इस बड़े विस्तार से पार्टी कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह है और इसे आगामी चुनावी जंग के लिए सुभासपा की एक बड़ी रणनीतिक जीत के रूप में देखा जा रहा है।

अपहरण के मामलों ने बढ़ाई चिंता, देश में 10 साल में 10 लाख मामले सामने आए

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित सिविल सेवा परीक्षा कोचिंग सेंटर की निदेशक शुभ्रा रंजन का 3 मई को मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में बंदूक की नोक पर अपहरण कर लिया गया था और 1.89 करोड़ रुपए से ज्यादा की फिरौती मांगी गई थी। इस तरह के अपराध का यह अकेला मामला नहीं है। पिछले एक दशक में 10 लाख से ज्यादा अपहरण के मामले सामने आए हैं। जानकारी के मुताबिक यही नहीं, वर्ष 1953 से 2024 के बीच अपहरण और अगवा करने के 20 लाख से ज्यादा मामले दर्ज किए गए, जो भारतीय दंड संहिता के तहत दर्ज कुल मामलों का करीब 1.7 फीसदी है। कुल मामलों में से 54 फीसदी 2013 से 2024 के बीच सामने आए हैं। इस अवधि में केवल 0.7 फीसदी मामले ही फिरौती से जुड़े हैं। वर्ष 1953-62 के दशक के बाद से अपहरण के मामलों में लगातार वृद्धि हुई है। आईपीसी मामलों में इनकी हिस्सेदारी 1973-82 के दशक से बढ़ रही है। आंकड़ों के मुताबिक अपहरण के मामलों में फिरौती बड़ी वजह नहीं रही है। सबसे अधिक मामले लोगों को जबरन उठाने यानी अपहरण से जुड़े हैं, जो कुल मामलों के आधे से भी ज्यादा हैं। इसके बाद शादी के लिए महिलाओं के अपहरण के मामले आते हैं, जबकि फिरौती के लिए अपहरण या अगवा करने के मामलों की हिस्सेदारी इनमें बहुत कम है। अपहरण के मामलों में शीर्ष छह राज्यों में से बिहार 2024 में सबसे नीचे रहा। पिछले कुछ सालों में यह राज्य महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश के बाद तीसरे नंबर पर रहा है।

राघव चड्ढा की देशवासियों से अपील, एकजुट रहे... भारत आतंकवाद, क्रूरता और बर्बर मानसिकता के खिलाफ लड़ाई लड़ रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में शुक्रवार को राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने पाकिस्तान और आतंकवाद को लेकर कड़ा बयान दिया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जारी अपने वीडियो संदेश में उन्होंने देशवासियों से एकजुट रहने की अपील की और भारतीय सेना के साहस तथा पराक्रम की जमकर सराहना की।

'जय हिंद साथियों' से अपने संदेश की शुरुआत कर बीजेपी नेता चड्ढा ने कहा कि पड़ोसी बदले नहीं जा सकते, लेकिन अगर पड़ोसी पाकिस्तान जैसा हो, तब सही रास्ते पर लाने के लिए कठोर कदम उठाना जरूरी होता है। उन्होंने कहा कि भारत इस समय सिर्फ पाकिस्तान से नहीं, बल्कि आतंकवाद, क्रूरता और बर्बर मानसिकता के खिलाफ लड़ाई लड़ रहा है।

बीजेपी नेता चड्ढा ने कहा कि सेना इस बार आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई कर रहे हैं और आतंक की जड़ों को खत्म करने का संकल्प लिया गया है। उन्होंने सीमा पर तैनात जवानों और उनके परिवारों के प्रति समर्थन जताकर कहा कि पूरे देश को उनके साथ ÷चट्टान की तरह÷ खड़ा रहना चाहिए।

उन्होंने हाल ही में हुए पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र कर कहा कि निहत्थे नागरिकों की हत्या मानवता पर एक बड़ा कलंक है। इस घटना ने पूरे देश को हिला दिया है। चड्ढा ने दावा किया कि भारत ने इसका जवाब 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए देना शुरू कर दिया है और भारतीय वायुसेना तथा मिसाइल सिस्टम पाकिस्तान पर लगातार दबाव बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत का एयर डिफेंस सिस्टम दुश्मन की मिसाइलों और ड्रोन को प्रभावी ढंग से नष्ट कर रहा है।

अपने बयान में उन्होंने देश में हुए कई बड़े आतंकी हमलों का उल्लेख किया, जिनमें 2008 मुंबई आतंकी, पुलवामा अटैक, उरी अटैक, भारतीय संसद हमला और 1993 बॉम्बे बम विस्फोट शामिल हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना इन हमलों के जिम्मेदार आतंकियों और उनकी सोच को जड़ से खत्म करने के लिए पूरी ताकत से जुटी हुई है।

शशि थरूर अपनी पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा के लिए दिल्ली हाईकोर्ट पहुंचे

-कोर्ट से अपील- डीपफेक वीडियो और एआई-मॉर्फ्ड कंटेंट को तुरंत हटाए जाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने अपने पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा के लिए दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया है। थरूर ने आरोप लगाया है कि उनकी सहमति के बिना उनके नाम, छवि और व्यक्तित्व का बेजा इस्तेमाल किया जा रहा है। इस मामले की सुनवाई शुक्रवार को जस्टिस मिनी पुष्कर्णा की पीठ करेगी।

कांग्रेस नेता ने अपनी याचिका में कई आरोपियों के खिलाफ कोर्ट से राहत मांगी है। इसमें कई अज्ञात लोग भी शामिल हैं। थरूर ने कोर्ट से अपील की है कि इंटरनेट और अन्य प्लेटफॉर्म से कई डीपफेक वीडियो और एआई-मॉर्फ्ड कंटेंट को तुरंत हटाया जाए। बता दें थरूर की ओर से यह याचिका लॉ फर्म ट्राईलीगल के पार्टनर और वकील निखिल नरेंद्रन के जरिए दायर की गई है। थरूर अब उन अभिनेताओं, क्रिकेटरों और अन्य मशहूर हस्तियों की लंबी सूची में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने पिछले कुछ सालों में अपने पब्लिक और पर्सनैलिटी राइट्स की रक्षा के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। इससे पहले बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन और अनिल कपूर भी कोर्ट से इसी तरह का इंजंक्शन हासिल कर चुके हैं। कोर्ट ने विज्ञापनों, मर्चेंडाइज और एआई-जनरेटेड कंटेंट में इन सितारों के नाम, आवाज, तस्वीर और हुबहू पहचान के बिना इजाजत इस्तेमाल पर सख्त पाबंदी लगाई थी। अब शशि थरूर ने भी अपने अधिकारों को महफूज रखने और अपने नाम-पहचान के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए यही कानूनी रास्ता अपनाया है। केरल के तिरुवनंतपुरम से लोकसभा सांसद शशि थरूर पूर्व राजनयिक और प्रसिद्ध लेखक भी हैं। राजनीति में कदम रखने से पहले, उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में करीब तीन दशकों तक अपनी सेवाएं दीं और अंडर-सेक्रेटरी-जनरल के प्रतिष्ठित पद तक पहुंचे। भारत सरकार में वे विदेश मंत्रालय और मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री का कार्यभार भी संभाल चुके हैं।

बंगाल में राइटर्स बिल्डिंग से चलेगी नई सरकार! 1777 में बनी थी यह इमारत

-इस पर अंतिम फैसला नए सीएम ही लेंगे, नबान्न नहीं होगा ठिकाना

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के साथ ही सरकार के कामकाज का केंद्र भी बदलने वाला है। निवर्तमान सीएम ममता बनर्जी के 15 साल के कार्यकाल में 13 साल तक सत्ता का केंद्र रहा नबान्न अब नई सरकार का ठिकाना नहीं होगा। राज्य में चुनाव जीतने के बाद बीजेपी राज्य सचिवालय को हावड़ा से वापस कोलकाता स्थित ऐतिहासिक राइटर्स बिल्डिंग में शिफ्ट करने की योजना बना रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बुधवार को बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने नबान्न में कार्यवाहक मुख्य सचिव दुष्यंत नारियाला से मुलाकात की। समिक ने उन्हें सूचित किया है कि नए सीएम के शपथ लेने के बाद सचिवालय को शिफ्ट कर दिया जाएगा। बीजेपी के मुताबिक नए मुख्यमंत्री के शनिवार सुबह ब्रिगेड परेड ग्राउंड में शपथ लेने की उम्मीद है। इसके बाद नए नेता मध्य कोलकाता स्थित राइटर्स बिल्डिंग से अपना कार्यभार संभालेंगे। हालांकि, बीजेपी ने अभी तक अपने सीएम चेहरे का ऐलान नहीं किया है।

रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी हमेशा से इसके ऐतिहासिक और प्रतीकात्मक महत्व को देखते हुए सचिवालय को वापस राइटर्स बिल्डिंग में ले जाने की इच्छुक रही है। इस कदम का समर्थन करते हुए समिक भट्टाचार्य ने कहा कि हम 2021 से ही कह रहे हैं कि हम राइटर्स बिल्डिंग से सरकार चलाएंगे। मैंने इस साल चुनाव प्रचार के दौरान भी यह घोषणा की थी। हालांकि, इस पर अंतिम फैसला नए सीएम ही लेंगे। 250 से ज्यादा सालों तक राइटर्स बिल्डिंग सत्ता का केंद्र रही है। पहले ईस्ट इंडिया कंपनी, फिर ब्रिटिश इंडिया और आजादी के बाद पश्चिम बंगाल सरकार ने अक्टूबर 2013 तक यहीं से कामकाज किया।

रिपोर्ट के मुताबिक 2011 में पहली बार शपथ लेने के बाद ममता बनर्जी ने भी राइटर्स बिल्डिंग से ही कार्यभार संभाला था, लेकिन बाद में उन्होंने अपना सचिवालय अस्थायी तौर पर गंगा पार हावड़ा के शरत चटर्जी स्ट्रीट स्थित नबान्न में शिफ्ट कर लिया था। ममता सरकार ने तब पुरानी इमारत में आग और आपदा से जुड़ी चिंताओं का हवाला देते हुए इसके जीर्णोद्धार के लिए करीब 200 करोड़ रुपए आवंटित किए थे। ममता ने तब इसे बारूद का ढेर बताते हुए कहा था कि सुरक्षा के लिहाज से अस्थायी जगह तलाशी जा रही है। हालांकि, इमारत का काम पूरा न होने के कारण सरकार की वहां कभी वापसी नहीं हो सकी।

नवीनीकरण के तहत लोक निर्माण विभाग ने इमारत की मूल ई संरचना के बीच बने दो एनेक्सी भवनों को ध्वस्त कर दिया था, लेकिन इसके बाद काम धीमा पड़ गया। राइटर्स बिल्डिंग में मूल रूप से करीब 3 लाख वर्ग फुट का कार्यक्षेत्र था, जो तोड़े जाने के बाद घटकर 2.5 लाख वर्ग फुट रह गया। हालांकि यह जगह सीएमओ समेत कम से कम 8-10 विभागों के लिए पर्याप्त है। पीडब्ल्यूडी अधिकारियों का कहना है कि अगर नई सरकार तुरंत वापस लौटना चाहती है, तो उसके लिए केवल ब्लॉक 1 और 2 ही उपलब्ध कराए जा सकते हैं। नया सीएमओ दूसरी मंजिल पर काम कर सकता है, जहां जीर्णोद्धार का काम पूरा हो चुका है। मूलरूप से सीएमओ पहली मंजिल पर था, जिसकी मरम्मत में अभी 6 महीने और लग सकते हैं। इस बीच, कोलकाता पुलिस कमिश्नर अजय नंद ने सुरक्षा व्यवस्था और नवीनीकरण कार्य का जायजा लेने के लिए बुधवार को राइटर्स बिल्डिंग का दौरा किया था।

बता दें वर्ष 1777 में बनी राइटर्स बिल्डिंग को थॉमस लियोन ने डिजाइन किया था। इसका निर्माण गवर्नर जनरल वॉरेन हेस्टिंग्स के कार्यकाल में किया गया था। 1857 के स्वतंत्रता संग्राम से तीन साल पहले ईस्ट इंडिया कंपनी ने इसे खरीद लिया था, जिसके बाद यह क्लर्कों के कार्यालय के रूप में इस्तेमाल होने लगी। 1906 के आसपास इस लाल रंग की शानदार इमारत को इसका खास ग्रीको-रोमन लुक मिला। डलहौजी स्क्वायर पर स्थित यह इमारत भारत और बंगाल के इतिहास की मूक गवाह रही है, लेकिन अब सरकार के यहां लौटने से पहले इसे एक गंभीर कायाकल्प की जरूरत है।

नगर निगम का कब्जामुक्त अभियान लगातार जारी, नंदग्राम में 11 करोड़ की भूमि हुई भूमाफियाओं के चुंगल से मुक्त

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देश पर नगर निगम की टीम लगातार भूमाफियाओं के चुंगल से जमीनों को कब्जामुक्त करवा रही है। इस बार नंदग्राम क्षेत्र के वार्ड संख्या 11 और वार्ड संख्या 6 में निगम की 11 करोड़ की भूमि को कब्जा मुक्त कराया गया, जिसमें संपत्ति प्रभारी पल्लवी सिंह, संपत्ति अधीक्षक रामशंकर, सुरेंद्र कौशिक व टीम उपस्थिति रही। खसरा नंबर 228 के अंतर्गत आने वाले वार्ड संख्या 11 में 1200 वर्ग मीटर भूमि और वार्ड संख्या 6 में 200 वर्ग मीटर भूमि पर कब्जा था। मौके पर बने हुए ईंटों के निर्माण को जेसीबी के माध्यम से हटाया गया। मौके स्थिति नियंत्रित है इसके लिए महिला पुलिस बल का भी सहयोग लिया गया। वरिष्ठ संपत्ति प्रभारी अपर नगर आयुक्त जंग बहादुर यादव ने बताया कि गाजियाबाद नगर निगम का संपत्ति विभाग आंतरिक वार्डों में भी अभियान चला रहा है। नंदग्राम में जमीन को खाली कराया गया है, जिस पर गाजियाबाद नगर निगम द्वारा जनहित में सामुदायिक केंद्र बनाया जाएगा। गाजियाबाद नगर निगम लगातार शहर में महा अभियान के रूप में जमीन को कब्जा मुक्त करने का कार्य कर रहा है, जिसमें कब्जा मुक्त करने के उपरांत जनहित योजनाओं को सफल बनाने के लिए निगम की भूमि का सदुपयोग भी किया जा रहा है। नंदग्राम वार्ड संख्या 11 वार्ड संख्या 6 में अभियान चलाया गया। उक्त भूमि को खाली करने का कार्य सफल हुआ, जिसके साथ ही निर्माण विभाग टीम को भी आगे की कार्यवाही करने के निर्देश नगर आयुक्त द्वारा दिए गए है।

हापुड़: हिस्ट्रीशीटर राशिद की चाकू से गोदकर हत्या मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

हापुड़ (शिखर समाचार)। बुलंदशहर रोड स्थित मोहल्ला अलीनगर में गुरुवार सुबह हिस्ट्रीशीटर राशिद लंबू की चाकुओं से गोदकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि एक अन्य आरोपी की तलाश में दबिश दी जा रही है। जानकारी के अनुसार मोहल्ला अलीनगर निवासी राशिद लंबू पुत्र इलियास गुरुवार सुबह दूध लेकर घर लौट रहा था। इसी दौरान गली नंबर तीन में मोहल्ले के कुछ लोगों से उसकी कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपियों ने राशिद को घेर लिया और उस पर चाकुओं से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आरोपियों ने राशिद पर कई वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक आरोपी फरार हो चुके थे। परिजन घायल राशिद को तुरंत गढ़ रोड स्थित एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। राशिद की मौत की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। वहीं मोहल्ले में भारी भीड़ जमा हो गई और लोगों में आरोपियों के प्रति आक्रोश देखने को मिला। घटना की सूचना मिलते ही अतिरिक्त निरीक्षक ओमप्रकाश सिंह और हापुड़ देहात थाना प्रभारी नीरज कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से खून के नमूने और अन्य साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस ने मौके की वीडियोग्राफी भी कराई। पुलिस के अनुसार हत्या के आरोप में मोहल्ला अलीनगर निवासी तीन सगे भाइयों राशिद, सुलेमान और सूफियान पुत्र रफीक को गिरफ्तार कर लिया गया है। एक अन्य आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मृतक राशिद पुत्र इलियास कोतवाली हापुड़ का हिस्ट्रीशीटर था। उसके खिलाफ हत्या, मारपीट और अन्य गंभीर धाराओं में 32 आपराधिक मुकदमे दर्ज थे। उसका हिस्ट्रीशीट नंबर 138 ए था।

हाउस टैक्स में बड़ी राहत, नई कर व्यवस्था से शहरवासियों को मिलेगा लाभ

शामली (शिखर समाचार) नगर पालिका परिषद शामली की बोर्ड बैठक में शहरवासियों को हाउस टैक्स में बड़ी राहत देने का फैसला लिया गया। नई कर व्यवस्था के तहत स्वकर निर्धारण प्रणाली में संशोधन करते हुए टैक्स दरों को लगभग आधा कर दिया गया है। साथ ही अगले पांच माह तक समय पर टैक्स जमा करने पर 10 प्रतिशत की छूट जारी रहेगी, जबकि आगामी सात माह तक किसी भी प्रकार का अधिभार नहीं लगाया जाएगा। इस निर्णय से शहर के हजारों मकान मालिकों को सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है।पालिका सभागार में वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम बोर्ड बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता पालिका अध्यक्ष अरविन्द संगल ने की। बैठक में 30 में से 25 सभासद उपस्थित रहे, जिनमें तीन नामित सभासद भी शामिल थे। हाउस टैक्स बढ़ोतरी को लेकर शहर में चल रही चचाओं के बीच चेयरमैन द्वारा पिछले कई माह से अधिकारियों और शासन स्तर पर लगातार वार्ता की जा रही थी। इसी क्रम में 26 मार्च 2026 को आयोजित बोर्ड बैठक में स्वकर निर्धारण प्रणाली में संशोधन का प्रस्ताव पारित किया गया था, जिसकी शुक्रवार को पुनः पुष्टि की गई। बोर्ड ने नई कर व्यवस्था के अनुसार टैक्स बिल तैयार करने का प्रस्ताव पारित करते हुए कर अधीक्षक योगेश कुमार और राजस्व निरीक्षक चन्द्रकिशोर पटेल को तत्काल नए बिल जारी करने के निर्देश दिए।

नई व्यवस्था के अनुसार शहर के वार्डों को श्रेणी 'अ' और 'ब' में विभाजित किया गया है। इसके अलावा वार्डों को सड़कों के आधार पर चार भागों में बांटकर नई दरें निर्धारित की गई हैं। बोर्ड ने यह भी निर्णय लिया कि किसी भी करदाता पर अधिभार नहीं लगाया जाएगा।

बैठक में सभासदों और अधिकारियों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ इस प्रस्ताव का स्वागत किया। बैठक का संचालन ईओ विनोद कुमार सोलंकी ने किया। इस दौरान हाजी साजिद, अजीत निर्वाल, अरविन्द खटीक, राजीव गोयल, फिरदौस, अजय निर्वाल उर्फ बोबी, प्रमोद जांगिड, हसीन अंसारी, तोहिद रहमानी और डॉ. राजेन्द्र संगल सहित कई सभासद मौजूद रहे।

सिम्भावली साइबर सेल ने ठगी के शिकार जयवीर के 14,667 रुपये कराए वापस

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। सिम्भावली थाना पुलिस की साइबर सेल ने तत्परता दिखाते हुए साइबर ठगी के शिकार युवक के 14,667 रुपये वापस कराए हैं। थाना प्रभारी सुरेश कुमार ने बताया कि ग्राम हाईकोर्ट राजपुर निवासी जयवीर सिंह के मोबाइल पर 8 मई को एक अज्ञात व्यक्ति का कॉल आया। आरोपी ने खुद को रिश्तेदार बताते हुए कहा कि परिवार का एक सदस्य अस्पताल में भर्ती है और तत्काल रुपयों की आवश्यकता है। बातों में उलझाकर आरोपी ने जयवीर से 14,667 रुपये अपने खाते में ट्रांसफर करा लिए। ठगी का एहसास होने पर पीड़ित ने सिम्भावली थाना साइबर सेल से शिकायत की। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए रकम वापस करा दी। कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक सुरेश कुमार, उपनिरीक्षक संजय शर्मा, उपनिरीक्षक राहुल चौहान और कांस्टेबल आकाश दीप का विशेष सहयोग रहा।

गढ़मुक्तेश्वर में युवक की हत्या का आरोपी गिरफ्तार, तलवार बरामद

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। थाना गढ़मुक्तेश्वर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ग्राम कल्याणपुर निवासी रितिक की धारदार हथियार से हत्या करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त तलवार भी बरामद की है।

पुलिस के अनुसार अपराध की रोकथाम एवं वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना गढ़मुक्तेश्वर में दर्ज मुकदमा संख्या 218/26 धारा 103(1) बीएनएस व 3(2)(5) एससी/एसटी एक्ट में नामजद आरोपी धीरज प्रजापति निवासी ग्राम कल्याणपुर को नहर पुल के पास से गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने बताया कि आरोपी ने एक दिन पूर्व रितिक की धारदार हथियार से वार कर हत्या कर दी थी। गिरफ्तारी के बाद आरोपी के खिलाफ अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक देवेंद्र सिंह बिष्ट, उपनिरीक्षक अंकित कुमार सहित थाना गढ़मुक्तेश्वर पुलिस टीम शामिल रही।

निर्माण कार्य में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं : डीएम आलोक यादव

शामली (शिखर समाचार) आलोक यादव ने शुक्रवार को लगभग 2218.86 लाख रुपये की लागत से निमार्णाधीन विकास भवन का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यदायी संस्था से प्रोजेक्ट ड्राइंग के अनुसार कराए जा रहे निर्माण कार्य की जानकारी प्राप्त की और कार्य को निर्धारित समय सीमा में तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए। डीएम ने स्पष्ट कहा कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए तथा किसी भी प्रकार का घटिया निर्माण स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने निर्माण कार्य की थर्ड पार्टी जांच कराने के निर्देश देते हुए कार्यदायी संस्था को प्रतिदिन निर्माण प्रगति रिपोर्ट उपलब्ध कराने के लिए कहा। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने विकास भवन के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय तल का अवलोकन किया। उन्होंने प्रवेश द्वार पर रंगाई-पुताई कराने और परिसर में साफ-सफाई व्यवस्था बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। इसके साथ ही भवन में बनाए जा रहे विभिन्न कार्यालयों, सभागार तथा लाइटिंग व्यवस्था का निरीक्षण कर आवश्यक सुधार सुनिश्चित करने को कहा। डीएम ने मुजफ्फरनगर विकास प्राधिकरण द्वारा निर्मित पार्क के सामने से विकास भवन का नया प्रवेश द्वार बनाए जाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने बाह्य विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण कराने पर जोर दिया। इस अवसर पर सीडीओ विनय कुमार तिवारी, पीडी डीआरडीए प्रेमचंद, डीपीआरओ संदीप अग्रवाल, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग राजकुमार सहित उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण निगम के अधिकारी एवं अभियंता उपस्थित रहे।

नगीना: हमजापुर कठहैर में 12 दिन के भीतर दूसरा गुलदार पिंजरे में कैद, ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार) क्षेत्र के गांव हमजापुर कठहैर में गुलदार का आतंक लगातार बना हुआ है। बीती रात वन विभाग द्वारा लगाए गए पिंजरे में एक और गुलदार कैद हो गया। खास बात यह है कि इसी गांव में 12 दिन पहले भी एक गुलदार पकड़ा गया था, जिससे इलाके में दो गुलदारों की सक्रियता की आशंका जताई जा रही थी। ग्रामीणों के अनुसार बेनीपुर कोपा और हमजापुर कठहैर क्षेत्र में पिछले कई दिनों से गुलदार की आवाजाही देखी जा रही थी। ग्रामीणों ने वन विभाग को सूचना देकर इलाके में दो गुलदारों के सक्रिय होने की आशंका जताई थी। ग्रामीणों के भय को देखते हुए वन क्षेत्राधिकारी प्रदीप शर्मा के निर्देश पर किसान प्रमोद के खेत में पिंजरा लगाया गया था। बताया गया कि करीब 12 दिन पहले इसी स्थान पर पहला गुलदार पकड़ा गया था। इसके बाद बीती रात लगभग 11 बजे दूसरा गुलदार भी उसी पिंजरे में फंस गया। शुक्रवार सुबह ग्रामीण राम सिंह, योगेंद्र सिंह, मंजुला, शमशाद और नफीस ने पिंजरे में गुलदार को देखा तो गांव में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने तत्काल वन विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही वन क्षेत्राधिकारी प्रदीप शर्मा, वन दरोगा धर्मेंद्र कुमार, विशाल प्रताप और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने सुरक्षा के बीच पिंजरे सहित गुलदार को कब्जे में लेकर कृषि अनुसंधान केंद्र नगीना पहुंचाया। वन दरोगा धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि पकड़े गए गुलदार की सूचना उच्चाधिकारियों को दे दी गई है। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश मिलने के बाद गुलदार को सुरक्षित जंगल या चिड़ियाघर भेजने की कार्रवाई की जाएगी। लगातार दूसरे गुलदार के पकड़े जाने के बाद ग्रामीणों ने फिलहाल राहत की सांस ली है, हालांकि क्षेत्र में अभी भी दहशत का माहौल बना हुआ है।

ज्येष्ठ गंगा दशहरा मेले की तैयारियों का डीएम व एसपी ने लिया जायजा

गढ़मुक्तेश्वर/हापुड़ (शिखर समाचार)। आगामी ज्येष्ठ गंगा दशहरा एवं गंगा मेले की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी कविता मीना और पुलिस अधीक्षक ने बृजघाट गंगा तट का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। अधिकारियों ने मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा, स्वच्छता और सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी कविता मीना ने कहा कि ज्येष्ठ गंगा दशहरा स्नान पर्व पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगा स्नान के लिए पहुंचेंगे, इसलिए सभी विभाग समय रहते अपनी तैयारियां पूर्ण कर लें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी भी श्रद्धालु को असुविधा न हो तथा सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह चाक चौबंद रखी जाए। जिलाधिकारी ने विशेष रूप से निर्देश दिए कि कोई भी श्रद्धालु गहरे पानी में स्नान करने का प्रयास न करे। इसके लिए घाटों पर पर्याप्त निगरानी रखी जाए तथा चेतावनी संबंधी सूचनाएं भी प्रदर्शित की जाएं। नगर पालिका परिषद गढ़मुक्तेश्वर को घाटों, मार्गों और मेला क्षेत्र में निरंतर साफ सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए गए। साथ ही पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और शौचालयों की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। उन्होंने नाव संचालकों को निर्देशित किया कि सभी नावों में श्रद्धालुओं को जीवन रक्षक जैकेट पहनाकर ही बैठाया जाए। घाटों पर अधिक भीड़ एकत्रित न होने देने तथा श्रद्धालुओं की आवाजाही व्यवस्थित रखने के लिए पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी, पुलिस प्रशासन तथा नगर पालिका के कर्मचारी मौजूद रहे।

शालीमार गार्डन पुलिस ने मुठभेड़ में दो झपटमारों को किया गिरफ़्तार, 1 के पैर में लगी गोली

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना शालीमार गार्डन पुलिस ने मुठभेड़ में दो झपटमारों को गिरफ्तार करने का दावा किया है। मुठभेड़ में एक झपटमार वरून के पैर में गोली लगी और उसके साथी मोहम्मद आमिर को भी गिरफ्तार किया गया। वरून को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने इनके पास से असलाह,चोरी की मोटरसाइकिल और आभूषण बरामद किए । एसीपी शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह ने बताया कि डीएवी कट के पास पुलिस चेकिंग कर रही थी। चेकिंग के दौरान एक बाइक पर 2 संदिग्ध आते हुए दिखाई दिए। पुलिस ने जब उन्हें रुकने का इशारा किया तो बाइक लेकर भागने लगे। हड़बड़ाहट के कारण कुछ दूरी पर ही बाइक फिसल गई और दोनों गिर गए। खुद को पुलिस से घिरता हुआ देखकर पुलिस टीम पर फायर करने लगे। पुलिस ने भी फायरिंग की तो वरून के पैर में गोली लगी और मोहम्मद आमिर मौके का फायदा उठाकर भागने लगा। लेकिन पुलिस टीम ने सतर्कता दिखाते हुए कुछ ही दूरी पर उसे भी दबोच लिया। उन्होंने बताया कि वरून के खिलाफ 28 और मोहम्मद आमिर के खिलाफ 14 अपराधिक मुकदमे दर्ज है। वहीं इनका अन्य अपराधिक इतिहास भी खंगाला जा रहा है। पुलिस पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वह कार से दिल्ली सहित उत्तरप्रदेश के कई शहरो में गए है । फिर किसी भी शहर की पार्किंग में गाड़ी खड़ी कर देते थे। गाड़ी खड़ी करने के बाद उसी क्षेत्र से बाइक चोरी करते और फिर लोगों को चिन्हित करके मोबाइल व चेन स्नेचिंग करते थे।

शाहपुर बम्हेटा में टाटा पिकअप की चपेट में आया मासूम, उपचार के दौरान हुई मौत

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। वेव सिटी थाना क्षेत्र के शाहपुर बम्हेटा गांव में एक दर्दनाक हादसा में घर के पास खेल रहा साढ़े तीन वर्षीय मासूम टाटा पिकअप की चपेट में आ गया। टाटा पिकअप की चपेट में आते ही मौके पर लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई और उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल में डॉक्टर ने उपचार के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस को इस सम्बन्ध में शिकायत दी गई है और पुलिस आरोपी चालक की तलाश में जुटी हुई है। घटना से गांव के लोगों में आक्रोश है और वह आरोपी की जल्द गिरफ़्तारी की मांग कर रहे है। घटना से जुडा एक सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है, जिसमें बच्चा टाटा पिकअप की चपेट में आता हुआ दिखाई दे रहा है। शाहपुर बम्हेटा में नरेंद्र अपने परिवार के साथ किराये पर रहता है। उनका साढ़े तीन वर्षीय बेटा घर के पास खेल रहा था। इसी दौरान वह टाटा पिकअप की चपेट में आ गया। इस घटना के बाद मासूम की बहन ने चालक पर गंभीर आरोप लगाए है। उसने बताया कि चालक इसे लगातार परेशान करता था, जब उसने इस बात का विरोध किया तो बदला लेने के लिए चालक ने उसके भाई की हत्या कर दी। आरोपी पर सख्त कार्यवाही होनी चाहिए। एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने बताया कि बच्चे के एक्सीडेंट की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुँच गई थी। बच्चे की उपचार के दौरान अस्पताल में मृत्यु हो गई है। बच्चे का पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि परिजनों की शिकायत पर अग्रिम कार्यवाही की जा रही है। वहीं आरोपी चालक की तलाश जारी है।

आवारा कुत्तों को लेकर खतौली में बढ़ी बहस

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। नगर में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या को लेकर बहस तेज हो गई है। एक ओर श्यामपुरी कॉलोनी की महिलाओं ने आवारा कुत्तों से राहत दिलाने की मांग की है, वहीं पशु प्रेमी संस्था एलआईसी एनिमल वेलफेयर ने कानून के तहत वैज्ञानिक समाधान अपनाने पर जोर दिया है। जानसठ रोड स्थित श्यामपुरी कॉलोनी की महिलाओं का कहना है कि आवारा कुत्तों के कारण बच्चों और बुजुर्गों का बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। कई बार कुत्तों के झपटने से लोग डर के माहौल में जी रहे हैं। इसी समस्या को लेकर महिलाओं ने नगरपालिका पहुंचकर ज्ञापन सौंपा और कार्रवाई की मांग की। पालिका कर्मियों ने उन्हें समाधान का आश्वासन दिया। दूसरी ओर पशु प्रेमी संस्था एलआईसी एनिमल वेलफेयर के संस्थापक अध्यक्ष पुनीत अरोड़ा ने कहा कि भारतीय पशु कल्याण बोर्ड के नियमों के अनुसार आवारा कुत्तों को दूसरे स्थान पर छोड़ना गलत है। उन्होंने कहा कि समस्या का स्थायी समाधान नसबंदी (एबीसी) और एंटी रेबीज टीकाकरण अभियान से ही संभव है। संस्था ने आरोप लगाया कि कई बार प्रशासन को ज्ञापन देने के बावजूद अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। पुनीत अरोड़ा ने चेतावनी दी कि यदि जल्द अभियान शुरू नहीं हुआ तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। वहीं नगर में कुछ लोग इसे पशु प्रेम के नाम पर राजनीति चमकाने का प्रयास भी बता रहे हैं। फिलहाल आवारा कुत्तों का मुद्दा नगर में चर्चा का विषय बना हुआ है और लोग प्रशासन से जल्द समाधान की उम्मीद कर रहे हैं।

आनंदा डेयरी अधिकारी से 25 लाख की रंगदारी मांगने का मामला दर्ज

हापुड़ (शिखर समाचार)। पिलखुवा क्षेत्र के गांव खैरपुर खैराबाद स्थित आनंदा डेयरी के सुरक्षा प्रशासन अधिकारी सुशांत पांडेय से कुख्यात नीरज गिरोह के बदमाशों ने 25 लाख रुपये की रंगदारी मांगी है। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सुशांत पांडेय ने बताया कि उन्हें एक धमकी भरा पत्र मिला, जिसमें परिवार को सुरक्षित रखने के बदले 25 लाख रुपये मेरठ के कंकरखेड़ा स्थित पते पर पहुंचाने को कहा गया। रकम न देने पर पूरे परिवार को जान से मारने और शव गायब करने की धमकी दी गई। पत्र में डेयरी चेयरमैन को भी नुकसान पहुंचाने की बात लिखी गई थी।

पीड़ित के अनुसार 19 अप्रैल की सुबह दहपा शिव मंदिर जाते समय फगौता रोड पर बाइक सवार दो युवकों ने तमंचा लगाकर खुद को नीरज गिरोह का सदस्य बताया और रकम न देने पर हत्या की धमकी दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

अधिवक्ता को मोबाइल पर धमकी, तीन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

दादरी (शिखर समाचार)। बादलपुर कोतवाली क्षेत्र के सादोपुर गांव में एक अधिवक्ता को मोबाइल फोन पर धमकी देने और घर में घुसकर उनकी माता के साथ गाली गलौज करने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने एक महिला समेत तीन आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार ने बताया कि सादोपुर निवासी कुलदीप कुमार जिला न्यायालय में अधिवक्ता हैं और परिवार के साथ गांव में रहते हैं। आरोप है कि गांव के ही मिथुन, किरण और मनोज ने मोबाइल फोन पर गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। साथ ही सात मई को घर में घुसकर उनकी माता के साथ अभद्रता और गाली-गलौज की गई। पीड़ित पक्ष के पास घटना की वीडियो और ऑडियो रिकॉर्डिंग भी मौजूद है। पुलिस के अनुसार मामले में तीनों आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच की जा रही है।

भाजपा महिला पदाधिकारी को अश्लील संदेश भेजने का मामला महिला आयोग पहुंचा, आरोपी नेता पर रिपोर्ट दर्ज

मोदीनगर (शिखर समाचार)। भाजपा जिला कमेटी की एक महिला पदाधिकारी को मोबाइल फोन पर कथित अश्लील संदेश भेजने का मामला अब राज्य महिला आयोग तक पहुंच गया है। आयोग के हस्तक्षेप के बाद पुलिस हरकत में आई और आरोपी भाजपा नेता के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई।

मोदीनगर के एक गांव निवासी महिला भाजपा जिला महिला कमेटी में पदाधिकारी हैं। आरोप है कि तीन दिन पहले भाजपा जिला उपाध्यक्ष नितिन मित्तल की ओर से उनके मोबाइल फोन पर अश्लील संदेश भेजे गए। इसको लेकर महिला ने भाजपा नेताओं के साथ कोतवाली पहुंचकर कार्रवाई की मांग करते हुए हंगामा भी किया था, लेकिन पुलिस ने उस समय रिपोर्ट दर्ज नहीं की थी। बताया गया कि बाद में महिला अन्य भाजपा नेताओं के साथ राज्य महिला आयोग की सदस्य डॉ. हिमानी अग्रवाल से मिलीं और पूरा मामला बताया। इस पर आयोग सदस्य ने एसीपी से वार्ता कर रिपोर्ट दर्ज न होने पर नाराजगी जताई। इसके बाद पुलिस ने नितिन मित्तल के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया। एसीपी भास्कर वर्मा ने बताया कि मामले की गहन जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आईजीआरएस रैंकिंग में लगातार तीसरी बार नंबर वन बनी मोदीनगर तहसील

मोदीनगर (शिखर समाचार)। आईजीआरएस रैंकिंग में मोदीनगर तहसील ने लगातार तीसरी बार प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल किया है। तहसील को 100 में 100 अंक प्राप्त हुए हैं। प्रदेश की 351 तहसीलों में मोदीनगर तहसील ने शीर्ष स्थान प्राप्त कर अपनी कार्यशैली का बेहतर प्रदर्शन किया है। बृहस्पतिवार को जारी अप्रैल माह की आईजीआरएस रैंकिंग रिपोर्ट में मोदीनगर तहसील पूरे प्रदेश में नंबर वन रही। इससे पहले भी लगातार दो बार तहसील प्रथम स्थान पर रह चुकी है।

उप जिलाधिकारी अजीत कुमार सिंह और तहसीलदार रजत सिंह ने बताया कि अप्रैल माह में आईजीआरएस और संपूर्ण समाधान दिवस के माध्यम से कुल 152 शिकायतें प्राप्त हुई थीं। इनमें से 151 शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण कर दिया गया। एक शिकायत न्यायालय से संबंधित होने के कारण न्यायालय में लंबित है।

रैंकिंग में प्रथम स्थान मिलने पर अधिकारियों ने तहसील के सभी कर्मचारियों और अधिकारियों का आभार जताया।

दभेड़ी टोल प्लाजा पर फायरिंग और मारपीट, पांच आरोपियों पर मुकदमा दर्ज

शामली (शिखर समाचार) दिल्ली-सहारनपुर मार्ग स्थित दभेड़ी टोल प्लाजा पर कर्मचारियों के साथ मारपीट, धमकी और फायरिंग का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित कर्मचारियों की तहरीर पर पांच आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

टोल प्लाजा कर्मचारी मोहित राणा पुत्र जगरोशन निवासी ग्राम अंबेहटा याकूबपुर ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 27 अप्रैल को रोकी पुत्र बबला निवासी ग्राम उन्हेड़ी, जिला यमुनानगर हरियाणा शराब के नशे में टोल प्लाजा पर पहुंचा था। आरोप है कि उसने कर्मचारियों के साथ अभद्रता करते हुए जान से मारने की धमकी दी थी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी और बाद में दोनों पक्षों में समझौता हो गया था। पीड़ित कर्मचारियों के अनुसार पुरानी रंजिश के चलते 6 मई की रात करीब 12 बजे रोकी अपने चार साथियों के साथ दोबारा टोल प्लाजा पर पहुंचा और कर्मचारियों के साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोपियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग भी की, जिससे कर्मचारी मोहित राणा, कुलदीप, संदीप और अनुज ने भागकर जान बचाई। घटना टोल प्लाजा पर लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जलालाबाद चौकी प्रभारी अरविंद कुमार ने बताया कि एक सप्ताह पहले भी दोनों पक्षों के बीच विवाद हुआ था, उसी रंजिश में यह घटना हुई है।

पनकी प्लांट के कूड़े से पीएनजी बनाएगा सीयूजीएल

नगर निगम कार्यकारिणी समिति की बैठक में परियोजना को दी हरी झंडी

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में सीयूजीएल पनकी के ग्राम भऊ सिंह स्थित कूड़ा निस्तारण प्लांट में ताजे कूड़े से पीएनजी गैस बनाएगा। बुधवार को नगर निगम कार्यकारिणी समिति की बैठक में सीयूजीएल की इस परियोजना को हरी झंडी दी गई। अब 11 मई को होने वाली नगर निगम सदन की बैठक में यह प्रस्ताव रखा जाएगा और वहां से स्वीकृति मिलने के बाद इसे शासन भेजा जाएगा। कूड़े से बनने वाली पीएनजी गैस से शहरवासियों के घरों में चूल्हे जलेंगे। इससे पहले कार्यकारिणी समिति के सदस्य सीयूजीएल के नागपुर में स्थित इसी तरह के प्लांट का निरीक्षण करने जाएंगे।

बैठक में नामकरण के तीन प्रस्ताव भी पास हुए। दोपहर में शुरू हुई नगर निगम कार्यकारिणी समिति की बैठक में कूड़ा निस्तारण प्लांट में कूड़े के निस्तारण के लिए सीयूजीएल के वेस्ट टू एनर्जी प्लांट लगाने का प्रस्ताव रखा गया। स्वच्छ भारत मिशन के अधिशासी अभियंता की तरफ से प्रस्तुत प्रस्ताव में बताया गया कि बीती 28 फरवरी को हुई कार्यकारिणी समिति की पिछली बैठक में रखे गए इस प्रस्ताव पर समिति ने चार शर्तें लगाते हुए प्रस्ताव को समिति की अगली बैठक में रखने के निर्देश दिए थे।

शर्तों के साथ प्रस्ताव पारित

इनमें जमीन को बंधक नहीं बनाने, सीयूजीएल की तरफ से परियोजना की लागत का 10 प्रतिशत धन परफार्मेंस गारंटी नगर निगम में जमा करने, कोई भी अनुदान या सब्सिडी मिलने पर उसे नगर निगम के खाते में जमा करने और थर्ड पार्टी के बजाय सीधे सीयूजीएल के साथ एग्रीमेंट करने की शर्त शामिल थी। बुधवार को हुई समिति की बैठक में सीयूजीएल की तरफ से शर्तों के संबंध में दिए गए जवाब प्रस्तुत दिए। पहली शर्त के संबंध में कंपनी का कहना है कि वह परियोजना के लिए आवंटित जमीन का पट्टे के रूप में अधिकार रखेगी। दूसरी शर्त में छूट मांगी गई है।

नागपुर स्थित कूड़े से गैस बनाने वाले प्लांट का निरीक्षण किया जाएगा

तीसरी शर्त के जवाब में सीयूजीएल का कहना कि परियोजना के लिए केंद्र या राज्य सरकार से किसी तरह की छूट का लाभ नहीं लिया जा रहा है। इसलिए नगर निगम में किसी तरह की धनराशि जमा करने का प्रावधान लागू नहीं होगा जबकि चौथी शर्त पर सहमति जताई है।

करीब 10 मिनट में ही संपन्न हुई बैठक के बाद महापौर ने बताया कि सीयूजीएल के प्रस्ताव को कार्यकारिणी समिति ने सीयूजीएल के प्रस्ताव को स्वीकृत कर दिया है। अब इसे 11 मई को सदन की बैठक में रखा जाएगा। बैठक में नामकरण के तीन प्रस्ताव इस शर्त के साथ स्वीकृत किए गए कि यदि पहले संबंधित स्थलों का नामकरण न हुआ तो इन प्रस्तावों के तहत नामकरण कर दिया जाए। महापौर ने बताया कि सदन की बैठक से पहले नागपुर स्थित कूड़े से गैस बनाने वाले प्लांट का निरीक्षण किया जाएगा।

बदल जाएंगे चौराहों और पार्कों के नाम

- परेड चौराहा, लालइमली चौराहा, फजलगंज चौराहा या दादानगर चौराहे में से किसी एक का नाम भारतीय मजदूर संघ चौराहा किया जाएगा।
- सत्यम विहार, केशवनगर में विकसित किए जा रहे पार्क का नाम कपिल वाटिका किया गया।
- छपेड़ा चौराहे का नामकरण कर सुभाष चौक करना।
- नगर निगम को भी होगी हर साल 25 करोड़ की बचत
- कूड़ा निस्तारण प्लांट में रोज करीब 1350 मीट्रिक टन कूड़ा पहुंचता है। प्लांट के संचालन में नगर निगम के हर साल करीब 25 करोड़ रुपये खर्च होते हैं। सीयूजीएल के कूड़ा निस्तारण करने से नगर निगम का यह खर्च बचेगा।

बैंकॉक से लाए 2.76 करोड़ का ऑर्गेनिक गांजा, पांच गिरफ्तार

लखनऊ , एजेंसी। थाईलैंड के बैंकॉक से फ्लाइट के जरिये ऑर्गेनिक गांजे की तस्करी करने के पांच आरोपियों को मंगलवार रात हुसैनगंज पुलिस ने चारबाग के पास गिरफ्तार किया। पकड़ा गया एक आरोपी मंगलवार सुबह ही बैंकॉक से गांजा लेकर लखनऊ आया था। इसकी कीमत 2.76 करोड़ रुपये बताई गई है।

एसीपी हजरतगंज विकास जायसवाल ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर यह कार्रवाई हुई। आरोपियों को चारबाग स्थित बाल विद्या मंदिर के पास एसयूवी में पकड़ा गया। उनकी पहचान गोरखपुर बासगंज मऊ खुर्द निवासी प्रियांशु तिवारी, गोरखपुर गोला लाही द्वाड़ी निवासी राहुल शर्मा, गुजरात निवासी बृजेश राठौर, कोलकाता निवासी रविकांत और गोरखपुर कुरबा बाजार लाजुनपुर निवासी दीपक त्यागी के रूप में हुई। तलाशी में उनके पास 2 किलो 700 ग्राम ऑर्गेनिक गांजा, पांच किलो गांजा और आठ मोबाइल फोन मिले।

दिल्ली ले जाने की फिराक में थे एसओ हुसैनगंज शिवमंगल सिंह ने बताया कि आरोपी रविकांत बैंकॉक में रहता है। वह चार मई को लखनऊ फ्लाइट से पहुंचा। उसने बैंकॉक में ही साथी बृजेश राठौर को गांजा लखनऊ लाने के लिए दिया था। बृजेश पांच मई को विमान से लखनऊ आया और हवाई अड्डे पर राहुल से मिला। दीपक त्यागी के माध्यम से गांजा दिल्ली में बेचा जाना था। सभी आरोपी प्रियांशु की एसयूवी से गांजा लेकर दीपक त्यागी को बैस में बैठाने जा रहे थे तभी पुलिस ने धर-दबोचा। आरोपियों ने बताया कि वे लोग बैंकॉक में 10 लाख रुपये किलो के हिसाब से गांजा खरीदते थे और उसे भारत लाकर एक करोड़ रुपये किलो के हिसाब से बेचते थे।

हवाई अड्डे पर चेकिंग के दौरान बृजेश के पास गांजा क्यों नहीं पकड़ा गया, यह बड़ा सवाल है। एयरपोर्ट से आरोपियों ने गांजा बाहर कैसे निकाला, इसकी जांच जारी है। एसओ हुसैनगंज ने बताया कि आरोपी इस बारे में ज्यादा कुछ नहीं बता सके।

पुनीत की मौत मामले में खुलासा, अफेयर का शक

बंधक बनाकर पिटाई, खौफ में छत से गिरे थे युवक-युवती

मेरठ, एजेंसी। नोएडा के चौड़ा रघुनाथपुर गांव में युवक-युवती के छत से गिरने के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। जांच में सामने आया है कि दोनों को घर में बंधक बनाकर पीटा गया था और डर के कारण भागने के प्रयास में वे छत से नीचे गिर गए। हादसे में मेरठ के उल्देपुर निवासी पुनीत चौहान की मौत हो गई, जबकि युवती दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रही है। पुलिस ने इस मामले में आरोपी दंपती को गिरफ्तार कर लिया है।

सोशल मीडिया से हुई थी पहचान

पुलिस के अनुसार पुनीत चौहान की पहचान चौड़ा गांव निवासी हितेश राणा की पत्नी चंचल से सामाजिक माध्यम के जरिए हुई थी। दोनों पहले से एक-दूसरे को जानते थे और समय के साथ बातचीत बढ़ती चली गई।

हितेश अक्सर काम के सिलसिले में घर से बाहर रहता था। इसी दौरान उसे पत्नी और पुनीत के बीच बढ़ती नजदीकियों की जानकारी मिली। परिवार की ओर से भी हितेश को इस बारे में बताया गया था, जिसके बाद उसने पत्नी को पुनीत से दूरी बनाने के लिए कहा था। इसके बावजूद दोनों के बीच संपर्क जारी रहा।

बातचीत के बहाने बुलाया, फिर कमरे में किया बंद

पुलिस जांच में सामने आया कि रविवार रात चंचल ने पुनीत को बातचीत के बहाने घर बुलाया था। पुनीत अपनी महिला मित्र विद्या के साथ रात करीब दस बजे वहां पहुंचा। आरोप है कि घर पहुंचते ही हितेश ने दोनों को कमरे में बंद कर दिया और पुनीत की हॉकी स्टिक से पिटाई की गई। सोमवार तड़के दोनों ने पानी मांगा और मौका मिलते ही हितेश को धक्का देकर छत के रास्ते भागने का प्रयास किया।

परिवार ने लगाया हत्या का आरोप

पुनीत के पिता कृष्ण चौहान ने इस घटना को सुनियोजित हत्या बताया है। उनकी शिकायत पर सेक्टर-24 कोतवाली पुलिस ने हत्या समेत कई गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर कार्रवाई की जा रही है।

संदिग्ध आतंकियों से मांगा गया था वर्दीधारियों को गोली मारते वीडियो, आईएसआई एजेंट ने बरगलाया था

लखनऊ, एजेंसी। यूपी एटीएस के हत्थे चढ़े संदिग्ध आतंकी कृष्णा मिश्रा और दानियाल अशरफ की जांच में मोबाइल फोन से वीडियो कॉल रिकॉर्डिंग, वॉइस नोट और चैट बरामद हुए हैं। इनमें देश विरोधी बातचीत के साक्ष्य मिले हैं।कृष्णा मिश्रा के मोबाइल में ऐसे वीडियो भी मिले हैं, जिनमें वर्दीधारियों को गोली मारने की बात कही गई है। यही नहीं, गोली मारते हुए वीडियो भी मांगा गया था। आरोपियों ने बताया कि वे मौके की तलाश कर रहे थे, जैसे ही मौका मिलता, वर्दी वालों की हत्या करते।

आईएसआई एजेंट ने बरगलाया... हीरो बनोगे पैसा भी कमाओगे– दानियाल के पास से 9 एमएम पिस्टल और कारतूस, जबकि कृष्णा के पास से तमंचा व कारतूस बरामद हुआ है। एटीएस पता कर रही है कि आखिर ये हाथियार किसने उपलब्ध कराए।

पूछताछ में दोनों ने बताया कि वे सोशल मीडिया के जरिये पाकिस्तानियों के संपर्क में आए थे। आईएसआई एजेंट ने उनसे कहा था कि जो वह कह रहे हैं, करते जाओ, तो भारत में तुम्हें हीरो बना देंगे। पैसा भी खूब मिलेगा।

30 दिनों में 65 लाख श्रद्धालुओं ने किए दर्शन, तेजी से बढ़ रहा धार्मिक पर्यटन; कनेक्टिविटी

वाराणसी , एजेंसी। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में मार्च में करीब 65 लाख श्रद्धालुओं ने बाबा विश्वनाथ के दर्शन कर नया कीर्तिमान स्थापित किया। काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर के कारण मंदिर तक पहुंच आसान हुई है, जिससे देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है।

शासन के ओर से मंदिर परिसर में साफ-सफाई, सुरक्षा और मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता दी गई है। आधुनिक शौचालय, पेयजल व्यवस्था, सुचारु कतार प्रबंधन और डिजिटल निगरानी जैसी सुविधाओं के कारण श्रद्धालुओं का अनुभव बेहतर हुआ है। पर्यटन विशेषज्ञों का कहना है कि जिले में धार्मिक पर्यटन काफी तेजी से बढ़ा है। सड़कों का चौड़ीकरण, बेहतर परिवहन सेवाएं, घाटों का सौंदर्यीकरण और आकर्षक प्रकाश व्यवस्था ने शहर की छवि को नया आयाम दिया है। इसके साथ ही गंगा नदी में शुरू हुई क्रूज सेवाओं ने पर्यटकों को काशी की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को नए अंदाज में देखने का अवसर दिया है। धार्मिक पर्यटन के बढ़ने से अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिली है। होटल, गेस्ट हाउस, दुकानों और अन्य व्यवसायों में तेजी आई है।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर के विकास से मंदिर क्षेत्र का विस्तार हुआ है और श्रद्धालुओं को अधिक सुगम, व्यवस्थित और दिव्य दर्शन का अनुभव मिल रहा है। काशी आस्था, आध्यात्म और आधुनिक पर्यटन का अद्भुत संगम बन चुकी है।

गंगा घाटों का सौंदर्यीकरण, आधुनिक लाइटिंग, स्वच्छता व्यवस्था और बेहतर कनेक्टिविटी ने शहर को वैश्विक पहचान दिलाई है। साथ ही रोपवे परियोजना, मल्टीलेवल पार्किंग, स्मार्ट सिटी के तहत विकसित ढांचा और रिवरफ्रंट डेवलपमेंट जैसे कार्यों ने काशी को एक समग्र पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित किया है।

भगवा दल के मुखिया के कई मुखौटे, जिले के राजा को फर्क नहीं, नौकरशाही में बदलाव की आहट

लखनऊ , एजेंसी। यूपी में भगवा संगठन में बदलाव की चर्चा जोरों पर हैं। ऐसे में कुछ नेता खुद को संगठन के मुखिया का खास बताकर घूम रहे हैं। वहीं, एक जिले में एक कारोबारी के घर चोरी की घटना को छोटे अफसरों ने फर्जी बता दिया। दूसरी तरफ, नौकरशाही में बदलाव को लेकर अफसरों ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है पर उन्हें शंका है कि इसमें मंत्रिमंडल विस्तार की तरह और ज्यादा समय न लग जाए।

सूबे के भगवा संगठन में बदलाव की चर्चाओं के बीच कई ऐसे पदाधिकारी हैं जो खुद को संगठन के मुखिया का मुखौटा बताते फिर रहे हैं। ऐसे ही एक नेताजी हैं जो पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच खुद को मुखिया का सबसे खास नुमाइंदा बताते फिर रहे हैं। साथ ही सबको यह संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं कि मुखिया उनसे ही रायशुमारी कर सूची तैयार कर रहे हैं। यही नहीं, वह अपने मौजूदा ओहदे के महफूज होने का दावा भी करते फिर रहे हैं। लोगों को आश्वस्त कर रहे हैं कि मेरा ओहदा बरकरार रहेगा वैसे भी सारे वैसे ही होंगे, जैसे अब तक होते आए हैं।

जिले का राजा कायदे-कानून से ऊपर होता है। इसकी बानगी राजधानी के पड़ोसी जिले में देखने को मिली जहां एक कारोबारी के घर चोरी की घटना को छोटे अफसरों ने फर्जी बता दिया। उनकी बात सही मानकर राजा ने जांच ठंडे बस्ते में डाल दी। कारोबारी ने कई जगह फरियाद की लेकिन राजा ने सबको समझा दिया। अब कारोबारी परेशान है कि इलाकाई चोर तो उसे आगे भी लूटते रहेंगे और सुनवाई भी नहीं होगी। बेचारा केवल इतनी गुहार लगा रहा है कि केवल चोर को चिह्नित कर बता दिया जाए। कम से कम आगे सतर्क तो रहेंगे।

मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर लंबे समय से चर्चाएं चल रही हैं। बीच-बीच में हफ्ते-दो हफ्ते बाद की मंत्रिमंडल विस्तार की तिथियां भी दी जाती रही हैं।

1600 करोड़ के खेल में फरार पप्पू छुरी गिरफ्तार

पुलिस ने जाजमऊ से दबोचा, कोलकाता से उठाए जाने की चर्चा

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में चकेरी पुलिस ने 1600 करोड़ रुपये के बड़े घोटाले के आरोपी महफूज उर्फ पप्पू छुरी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, महफूज को जाजमऊ क्षेत्र से घेराबंदी कर पकड़ा गया है। वह काफी समय से कानून की नजरों से बचकर भाग रहा था।हालांकि, चर्चा है कि पुलिस ने उसे पहले कोलकाता से उठाया था और बाद में जाजमऊ क्षेत्र से उसकी आधिकारिक गिरफ्तारी दिखाई गई है। आरोपी महफूज पर 1600 करोड़ रुपये के वित्तीय हेरफेर और घोटाले से जुड़े गंभीर आरोप हैं। पुलिस अब महफूज से पूछताछ कर रही है।

ये था पूरा मामला

श्यामनगर में डेढ़ माह पहले बाइक सवार युवकों ने मारपीट के बाद लूट की सूचना पुलिस को दी थी। पुलिस के पहुंचने पर युवक शिकायत से मुकर गए थे। सीसीटीवी कैमरे की जांच में लूट की बात सही निकली। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार किया।

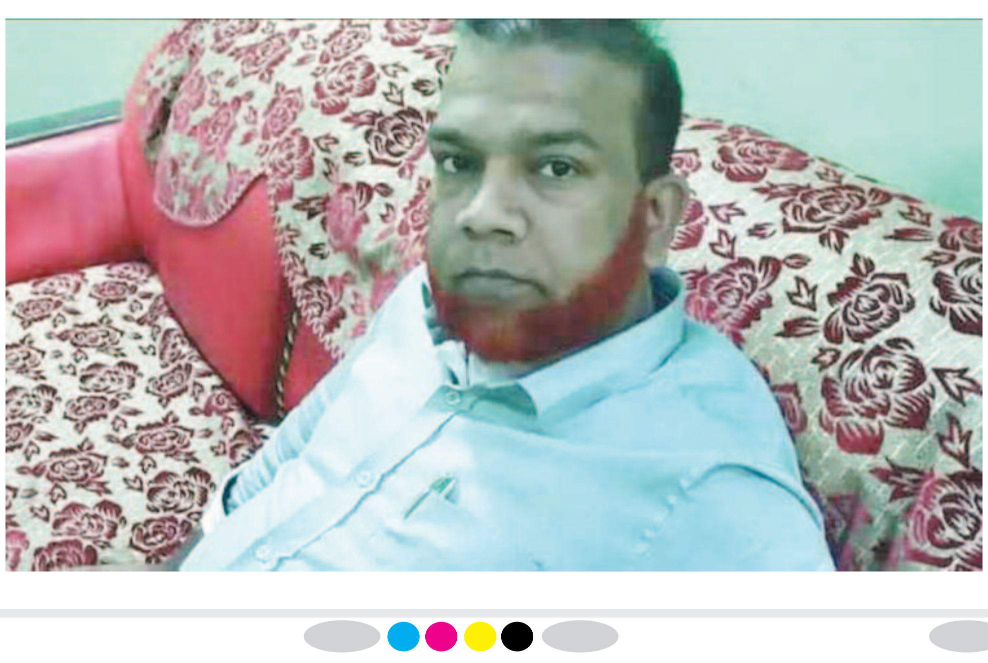

शिकायतकर्ताओं से पूछताछ की गई, तो उन्होंने रुपये महफूज आलम के होने की जानकारी दी।

68 खाते खंगाले, तो 1600 करोड़ का लेनदेन मिला

पुलिस ने जब महफूज व उसके रिश्तेदारों के 68 खाते खंगाले, तो 1600 करोड़ का लेनदेन मिला। इसके बाद से महफूज फरार चल रहा है। इसी बीच जाजमऊ पुलिस को शहनवाज ने तहरीर देकर बताया कि वह किराये का मकान तलाश रहे थे। उसी दौरान उनकी मुलाकात राम राय की सराय सरैया बाजार में महफूज आलम से हुई। उसने उन्हें किराये का मकान दिलाया। उसमें वह महिला मित्र के साथ रहने लगे।

शहनवाज का आधार और पैन कार्ड बना दिया

इसी दौरान महफूज ने बीमा कराने का झांसा देकर उनका वोटर आईडी कार्ड ले लिया। आरोप है कि महफूज ने कूटरचित दस्तावेजों के सहारे राजा मिश्रा के नाम से शहनवाज का आधार और पैन कार्ड बना दिया। राजा इंटरप्राइजेज फर्म और जीएसटी नंबर लेकर आईडीबीआई बैंक में खाता खुलवाया। दस्तावेजों और खाते में फोटो उनकी लगी थी। इसमें रुपयों को लेनदेन के लिए उसके हस्ताक्षर जरूरी थे।आरोपी ने उन पर हस्ताक्षर का दबाव बनाया। मना करने पर खुद ही राजा मिश्रा के नाम से साइन कराकर ट्रांजेक्शन कराया। विरोध पर महफूज आलम, उसका बेटा, साला व उसका बेटा धमकी दे रहे हैं और साइन करने के लिए दवाब बना रहे हैं। खाते से कई करोड़ का ट्रांजेक्शन होने की बात सामने आ रही है।

आईजीआरएस शिकायतों के निस्तारण में मेरठ रेंज प्रदेश में अव्वल

मेरठ (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित जनसुनवाई समन्वय शिकायत निवारण प्रणाली (आईजीआरएस) में माह अप्रैल 2026 की मासिक मूल्यांकन रिपोर्ट में मेरठ परिक्षेत्र ने प्रदेश स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इसके साथ ही रेंज के सभी चार जनपद मेरठ, बुलंदशहर, बागपत और हापुड़ ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया है।
पुलिस उपमहानिरीक्षक मेरठ परिक्षेत्र कलानिधि नैथानी ने बताया कि आईजीआरएस, जनसुनवाई और मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का शासन की मंशा के अनुरूप समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण विधिक निस्तारण कराया गया। इसी के आधार पर जारी अप्रैल 2026 की रैंकिंग में मेरठ परिक्षेत्र और इसके सभी जनपदों को प्रदेश में सर्वोच्च स्थान प्राप्त हुआ।
उन्होंने बताया कि गत माह सभी जनपदों की आईजीआरएस समीक्षा कर अधिकारियों को शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण और प्राथमिकता आधारित निस्तारण के निर्देश दिए गए थे। इसी का परिणाम है कि चारों जनपदों ने प्रदेश स्तर पर उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल की।
डीआईजी ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों की जांच निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ की जाए तथा रिपोर्ट अपलोड करने से पूर्व शिकायतकर्ता से फीडबैक अवश्य लिया जाए। महिला, वरिष्ठ नागरिक और साइबर अपराध से जुड़ी शिकायतों के त्वरित निस्तारण पर विशेष जोर दिया गया।

इसके अलावा लंबित शिकायतों की नियमित समीक्षा, डिजिटल मॉनिटरिंग प्रणाली के प्रभावी उपयोग, जनसुनवाई व्यवस्था को और मजबूत बनाने तथा शिकायतों की मौके पर जाकर जांच करने के निर्देश भी दिए गए। उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर प्रोत्साहित करने की बात भी कही गई। डीआईजी ने चारों जनपदों के बेहतर प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि शिकायतों के समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण से आमजन का पुलिस पर विश्वास मजबूत होता है और जनता को शीघ्र न्याय मिल पाता है।

पूर्व सांसद व पूर्व मंत्री ओमवती देवी का निधन, बिजनौर में शोक की लहर

बिजनौर। (शिखर समाचार) ओमवती देवी का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। उनके निधन से जनपद की राजनीति में शोक की लहर दौड़ गई है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। बिजनौर में जमीन से जुड़ी और मजबूत जनाधार वाली नेता के रूप में पहचान रखने वाली ओमवती देवी का राजनीतिक सफर बेहद उल्लेखनीय रहा। वह चार बार विधायक और एक बार सांसद निर्वाचित हुईं। इसके अलावा उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री के रूप में भी अपनी सेवाएं दीं। ओमवती देवी सेवानिवृत आईएएस अधिकारी आर.के. सिंह की पत्नी थीं। उनकी पुत्रवधू एवं कांग्रेस जिलाध्यक्ष हेनरिता राजीव सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि ओमवती देवी पिछले काफी समय से अस्वस्थ चल रही थीं। उपचार के दौरान उनका निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार शनिवार को किया जाएगा। उनके निधन की सूचना मिलते ही जिले भर से नेता, सामाजिक कार्यकर्ता और गणमान्य नागरिक उनके आवास पर पहुंचने लगे। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि ओमवती देवी का निधन पार्टी और जिले की राजनीति के लिए अपूरणीय क्षति है।

ऑपरेशन सिंदूर की प्रथम वर्षगांठ पर एनसीसी कैडेट्स ने किया कार्यक्रम आयोजित

हापुड़ (शिखर समाचार)। नगर के एसएसवी इंटर कॉलेज में शुक्रवार को एनसीसी कैडेट्स द्वारा ऑपरेशन सिंदूर की प्रथम वर्षगांठ समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस दौरान कैडेट्स ने ऑपरेशन सिंदूर के महत्व एवं उसकी उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल वेजयंत शारदा ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर देशभक्ति, अनुशासन, साहस और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करने का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन युवाओं में राष्ट्रसेवा की भावना जागृत करते हैं तथा उन्हें अपने कर्तव्यों के प्रति निष्ठावान बनने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने एनसीसी कैडेट्स एवं विद्यार्थियों से राष्ट्रहित में सदैव तत्पर रहने और अनुशासन का पालन करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में देशभक्ति से जुड़े विचारों एवं गतिविधियों के माध्यम से युवाओं को जागरूक किया गया। इस अवसर पर सूबेदार मेजर संजय धामा, सूबेदार सुरजीत सिंह, नायब सूबेदार राजपाल, धर्मवीर सिंह, हवलदार अवलोक कुमार, हवलदार कमलजीत, एनके जयभगवान और लेफ्टिनेंट कपिल बिसला सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

नवीन कलेक्ट्रेट के पास बन रहे पार्क का डीएम ने किया निरीक्षण

बरसात से पहले पौधरोपण, बेंच और फिनिशिंग कार्य तेजी से पूरा करने के निर्देश

शामली (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी आलोक यादव ने शुक्रवार को नवीन कलेक्ट्रेट के समीप मुजफ्फरनगर विकास प्राधिकरण द्वारा विकसित किए जा रहे पार्क का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पार्क की प्रगति, सौंदर्यीकरण और आमजन की सुविधाओं से जुड़े कार्यों की विस्तार से समीक्षा की।
निरीक्षण के दौरान डीएम ने पार्क की सुंदरता बढ़ाने के लिए प्रवेश द्वार पर हॉर्टिकल्चर के तहत बेलदार पौधे लगाने का कार्य समय से पूरा कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बरसात शुरू होने से पहले पौधरोपण, घास लगाने, फिनिशिंग कार्य तथा लोगों के बैठने के लिए बेंच लगाने का कार्य तेजी से पूरा किया जाए, ताकि पार्क आमजन के लिए बेहतर स्वरूप में तैयार हो सके।
जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को नवीन कलेक्ट्रेट परिसर से पार्क को बेहतर तरीके से जोड़ने के भी निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि निर्माण और सौंदर्यीकरण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर हामिद हुसैन, अधिशासी अभियंता राजकुमार, विनीत अग्रवाल, एई हितेश गुप्ता, जेई विनय गर्ग, सन्देह कुमार तथा राहुल सिंघल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

विश्व रेड क्रॉस दिवस पर गोष्ठी, योग एवं स्वास्थ्य शिविर आयोजित

शामली। (शिखर समाचार) जिला रेड क्रॉस शाखा शामली द्वारा विश्व रेड क्रॉस दिवस के अवसर पर शुक्रवार को रेड क्रॉस के संस्थापक जीन हेनरी ड्यूनेंट का जन्मदिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर शहर के हिन्दू कन्या इंटर कॉलेज तथा कांधला के बीपीएन जूनियर हाई स्कूल में गोष्ठी एवं स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए। हिन्दू कन्या इंटर कॉलेज में रेड क्रॉस सोसाइटी की ओर से योग शिविर भी लगाया गया।
इसके अलावा ग्लोबल शांति केयर हॉस्पिटल में एमबीबीएस एवं एमडी चिकित्सकों द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर लोगों को स्वास्थ्य संबंधी परामर्श और जांच सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। शाखा अध्यक्ष कुशांक चौहान ने रेड क्रॉस के सेवा कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए लोगों को मानवता और सेवाभाव के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में डॉ. रश्मिकांत जैन, डॉ. जनेश्वर चौहान, अलका चौहान, श्वेता चौहान, वीणा अग्रवाल, अलका सिंघल, शमा परवीन सहित कई लोग उपस्थित रहे।

विवाहिता को जलाकर मारने के आरोप में पति व ससुर गिरफ्तार, जेल भेजे गए

हापुड़ (शिखर समाचार) थाना हापुड़ देहात क्षेत्र में विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में जलकर मौत के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी पति और ससुर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार धौलाना निवासी प्रांची की शादी वर्ष 2024 में हापुड़ के पुराना भीमनगर निवासी दीपांशु के साथ हुई थी। पांच मई को प्रांची ससुराल में संदिग्ध परिस्थितियों में गंभीर रूप से झुलस गई थी। परिजनों द्वारा उसे उपचार के लिए दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतका के मायके पक्ष ने ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाते हुए थाना हापुड़ देहात में मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने मामले की जांच के बाद कार्रवाई करते हुए आरोपी पति दीपांशु और ससुर वीरपाल को गिरफ्तार कर लिया। थाना प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार ने बताया कि दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है। मामले में अन्य बिंदुओं पर भी जांच की जा रही है।

मथुरा आगमन पर डॉ. सुरेन्द्र चौधरी का भव्य स्वागत, नारों से गूंजा होटल कदंब कुटीर

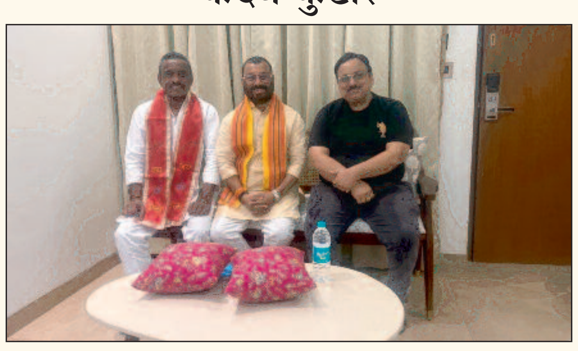

आरव शर्मा

मथुरा (शिखर समाचार) विधान परिषद सदस्य डॉ. सुरेन्द्र चौधरी के मथुरा आगमन पर होटल कदंब कुटीर में कार्यकताओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया। फूल-मालाओं और जोरदार नारों के बीच पूरे परिसर में उत्साह का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम में डॉ. सुरेन्द्र चौधरी के प्रतिनिधि जितेंद्र गौड़ धोबी, जिला प्रतिनिधि कैलाश नाथ सिंघल एडवोकेट एवं पार्षद विकास दिवाकर के नेतृत्व में कार्यकताओं ने उनका स्वागत किया। इस दौरान डॉ. सुरेन्द्र चौधरी जिंदाबाद के नारों से पूरा परिसर गूंज उठा। स्वागत समारोह में रेखा रानी एडवोकेट, भारत गर्ग, देव प्रजापति, सुधीर दुबे, चंद्रपाल दिवाकर, आदित्य यादव सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यकताओं ने डॉ. सुरेन्द्र चौधरी के आगमन को संगठन के लिए उत्साहवर्धक बताते हुए उनका अभिनंदन किया।

एक करोड़ की संपत्ति के लालच में विवाहिता की हत्या का आरोप

दादरी। (शिखर समाचार) कोतवाली दादरी क्षेत्र के घोड़ी बछेड़ा गांव में विवाहिता की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मेरठ की नंद वाटिका कॉलोनी निवासी रेनू नागर ने आरोप लगाया कि उनकी बेटी मोनिका की उसके पति अनुज चौहान और ससुराल पक्ष ने एक करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति हड़पने के लालच में पीट-पीटकर हत्या कर दी। बताया गया कि मोनिका ने 16 फरवरी को प्रेम विवाह किया था। विवाह के बाद से ही पति और उसके परिजन दहेज तथा संपत्ति बेचकर रुपये लाने का दबाव बना रहे थे। मृतका के पिता की मृत्यु के बाद उसके नाम करोड़ों की संपत्ति थी। आरोप है कि सात मई को मोनिका की घर के अंदर हत्या करने के बाद शव को जलाने का प्रयास भी किया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शव परीक्षण के लिए भेज दिया। सहायक पुलिस आयुक्त प्रशाली गंगवार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

शताब्दी और राजधानी एक्सप्रेस पर पथराव, कई कोचों के शीशे टूटे

दादरी (शिखर समाचार) ।दिल्ली हावड़ा रेल मार्ग पर शताब्दी एक्सप्रेस और राजधानी एक्सप्रेस समेत तीन ट्रेनों पर अज्ञात असामाजिक तत्वों ने पथराव कर दिया। घटना में कई कोचों के शीशे टूट गए, हालांकि यात्री बाल बाल बच गए। मामले में आरपीएफ कोतवाली में रेलवे अधिनियम के तहत अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।
आरपीएफ के अनुसार कानपुर शताब्दी एक्सप्रेस जब दादरी और मारीपत के बीच पहुंची तो कोच सी-1 की बर्थ संख्या 44 और 49 के पास पथराव किया गया, जिससे बाहरी शीशा क्षतिग्रस्त हो गया। इसके बाद रांची गरीब रथ एक्सप्रेस के कोच जी-10 की बर्थ संख्या 47 पर भी पत्थर मारे गए। वहीं डिब्रूगढ़ राजधानी एक्सप्रेस के कोच ए-4 की बर्थ 31 और बी-6 की बर्थ 71 के शीशे भी टूट गए। सूचना पर पहुंची आरपीएफ ने आसपास तलाश की, लेकिन कोई संदिग्ध नहीं मिला।

सनातन धर्म के रक्षकों का सम्मान करके मिलता है अपार सुख : पंडित आदेश फौजी

बड़ौत (शिखर समाचार)। राष्ट्रीय जागरूक ब्राह्मण महासंघ द्वारा गुरुवार को बड़ौत स्थित नमन होटल में एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित आर डी शर्मा ने बताया कि आगामी 10 मई 2026 को अमर बैंकट हॉल, दिल्ली सहारनपुर रोड बड़ौत में सनातन प्रहरी सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में धर्म और संस्कृति की रक्षा में योगदान देने वाले सनातन धर्म के प्रहरियों को सम्मानित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि संस्था की ओर से जनपद बागपत के 551 मंदिरों के पुजारियों, गुरुकुल के विद्यार्थियों, सम्मानित आचार्यों, पत्रकारों तथा सामाजिक कार्यों में सक्रिय गणमान्य लोगों को सम्मानित किया जाएगा। संस्था समय-समय पर समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों, मेधावी छात्र-छात्राओं, महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में योगदान देने वाली महिलाओं तथा स्वच्छ भारत मिशन में योगदान देने वाले सफाई मित्रों को सम्मानित करती रही है। इसके अलावा संस्था आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों के विवाह तथा उच्च शिक्षा में सहायता जैसे सामाजिक कार्य भी करती है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधायक लोकेश दीक्षित तथा भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष नीरज शर्मा उपस्थित रहेंगे। संस्था के जिला अध्यक्ष अशोक शर्मा ने बताया कि जनपद के गांवों और कस्बों में निमंत्रण पत्र पहुंचाए जा चुके हैं तथा कार्यक्रम को भव्य बनाने की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। महिला विंग की जिला अध्यक्ष आरती शर्मा ने कहा कि सभी महिलाएं धर्म रक्षकों के स्वागत के लिए पूरी तरह तैयार हैं। कार्यक्रम के आयोजक एवं संयोजक राष्ट्रीय महासचिव पंडित आदेश फौजी ने कहा कि पुरोहित और भगवा वस्त्र धारण करने वाले संत सनातन संस्कृति के सच्चे प्रहरी होते हैं, जो समाज में धर्म, आस्था और संस्कारों को जीवंत बनाए रखते हैं।
प्रदेश अध्यक्ष पंडित अमरेश शर्मा ने कहा कि यह कार्यक्रम जनपद बागपत का ऐतिहासिक आयोजन साबित होगा और समाज को अपने धर्म रक्षकों के सम्मान का संदेश देगा। कार्यक्रम की व्यवस्थाओं में प्रदेश महासचिव रेनू शर्मा, युवा विंग के जिला अध्यक्ष अधिवक्ता विजय शर्मा तथा उनकी टीम सक्रिय रूप से जुटी हुई है।
प्रेस वार्ता में प्रदेश महासचिव बीएल गौतम, प्रदेश उपाध्यक्ष प्रदीप शर्मा, श्याम बाबू मिश्रा, राजीव शर्मा, वर्षा शर्मा, मुनीश शर्मा सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

साहिबाबाद इंडस्ट्रियल एरिया में 1 फैक्ट्री में ब्लास्ट होने से 3 मजदूर आए चपेट में, उपचार के दौरान 2 की हुई मौत

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। साहिबाबाद इंडस्ट्रियल एरिया की एक फैक्ट्री में हादसा होते ही भगदड़ का माहौल हो गया। ब्लास्ट की आवाज सुनते ही लोग घायलों के पास पहुंचे और देखा की मौके पर तीन मजदूर घायल है। तत्काल उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल में उपचार के दौरान इमरान और त्रिभुवन की मृत्यु हो गई, जबकी बांके की हालत गंभीर बनी हुई है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुँची। साहिबाबाद इंडस्ट्रियल एरिया में मेडरोज नाम की फैक्ट्री में चिल्ड्रन प्रोडक्ट बनाए जाते है। प्रोडक्ट बनाने के दौरान एक ब्लास्ट हुआ। ब्लास्ट इतना जोरदार था कि 3 मजदूर चपेट में आ गए और उनकी स्थिति काफी खराब हो गई। एसीपी अमित कुमार सक्सेना ने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुँच गई थी। हादसे में घायल तीनों मजदूरों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। उपचार के दौरान 2 मजदूरों की मौत हो गई है और 1 की हालत गंभीर बनी हुई है। उन्होंने बताया कि पूरे हादसे की जाँच की जा रही है। मौके पर शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए मौके पर पुलिस बल तैनात है और लॉ एंड आर्डर पूरी तरह मेंटेन है।

130 मीटर रोड पर तिलपता के पास बनेगा यू-टर्न, 43 करोड़ के विकास कार्यों के टेंडर जारी

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने 130 मीटर रोड पर तिलपता गोलचक्कर से पहले यू-टर्न बनाने के लिए टेंडर जारी किया है। ग्रेटर नोएडा से ग्रेनो वेस्ट की ओर जाने वाले वाहनों को इससे बड़ी राहत मिलेगी और तिलपता चौक पर लगने वाले जाम की समस्या कम होगी। इस कार्य को लगभग तीन माह में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।
प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एनजी रवि कुमार के निर्देश पर शहर में सिविल, विद्युत, उद्यान और जल-सीवर से जुड़े विकास कार्यों में तेजी लाई गई है। प्राधिकरण ने कुल 39 विकास कार्यों के लिए करीब 43 करोड़ रुपये के टेंडर जारी किए हैं। इनमें हल्दौनी और रोजा जलालपुर श्मशान घाटों का विकास, नॉलेज पार्क-1 की सड़कों की रिसर्फेसिंग, बादलपुर में नाली और सड़क मरम्मत, विभिन्न गांवों में विज्ञान प्रयोगशालाएं स्थापित करना, सेक्टर ज्यू-2 के पार्कों का सौंदर्यीकरण, ईकोटेक-10 में एलईडी स्ट्रीट लाइट लगाना तथा कासना से सिरसा रोटरी तक सड़क प्रकाश व्यवस्था मजबूत करना शामिल है। प्राधिकरण के महाप्रबंधक एके सिंह ने बताया कि एक माह में टेंडर प्रक्रिया पूरी कर कार्य शुरू करा दिए जाएंगे।

मोदीनगर में 234 करोड़ का बजट पास, हर वार्ड में होंगे विकास कार्य

मोदीनगर। (शिखर समाचार) मोदीनगर नगर पालिका परिषद के सभागार में शुक्रवार को आयोजित बोर्ड बैठक में वर्ष 2026-27 के लिए 234 करोड़ रुपये का बजट सर्वसम्मति से पारित किया गया। बैठक में प्रत्येक वार्ड में 30-30 लाख रुपये के विकास कार्य कराने का निर्णय लिया गया। साथ ही हर वार्ड में पुस्तकालय और छोटे खेल मैदान बनाए जाने की घोषणा की गई। बैठक की अध्यक्षता पालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली ने की, जबकि संचालन अधिशासी अधिकारी नरेंद्र मोहन मिश्रा ने किया। बैठक में सड़क और नाली निर्माण, सफाई व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति तथा कर संग्रह जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए नई योजनाओं पर भी विचार किया गया। पालिका अध्यक्ष ने बताया कि नगर क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर साइन बोर्ड भी लगाए जाएंगे। बैठक में राजस्व निरीक्षक अंकित चौधरी, खाद्य एवं सफाई निरीक्षक अमरीश कुमार, अंकित गोयल, लेखाकार विनोद कुमार समेत सभासद उपस्थित रहे।

संपादकीय

तमिलनाडु में विजय की चुनौती: जनादेश, गठबंधन और सत्ता की नई राजनीति

तमिलनाडु की राजनीति लंबे समय तक दो बड़े द्रविड़ दलों के और एआईएडीएमके के इर्द गिर्द घूमती रही है। यहां सिनेमा और राजनीति का रिश्ता भी बेहद गहरा रहा है। एमजी रामचंद्रन से लेकर जयललिता तक, फिल्मी दुनिया के चेहरों ने जनता के दिलों में जगह बनाई और फिर सत्ता के शिखर तक पहुंचे। इसी परंपरा में अभिनेता विजय की राजनीतिक एंट्री को भी देखा गया था, लेकिन 2026 के विधानसभा चुनाव परिणामों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि लोकप्रियता और सत्ता के बीच की दूरी उतनी आसान नहीं जितनी पर्दे पर दिखाई देती है। विजय की पार्टी ने राज्य की राजनीति में सबसे बड़ी ताकत बनकर सबको चौंका जरूर दिया, लेकिन बहुमत से दूर रह जाने के कारण अब उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती सरकार गठन और राजनीतिक स्थिरता की है। तमिलनाडु में इस बार का चुनाव सिर्फ सत्ता परिवर्तन का चुनाव नहीं था, बल्कि यह राज्य की नई राजनीतिक दिशा तय करने वाला चुनाव बन गया। जनता ने पारंपरिक दलों के प्रति नाराजगी दिखाई और विजय की पार्टी को भारी समर्थन देकर यह संदेश दिया कि वह बदलाव चाहती है। युवाओं, पहली बार वोट देने वाले मतदाताओं और शहरी मध्यम वर्ग ने विजय को उम्मीद के नए चेहरे के रूप में देखा। चुनाव प्रचार के दौरान भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, शिक्षा और प्रशासनिक पारदर्शिता जैसे मुद्दों को जिस तरह विजय ने उठाया, उसने उन्हें तेजी से लोकप्रिय बनाया। उनकी सभाओं में उमड़ी भीड़ और सोशल मीडिया पर बना माहौल पहले ही संकेत दे चुका था कि तमिलनाडु में इस बार कुछ अलग होने वाला है।

हालांकि चुनाव परिणामों ने विजय को सबसे बड़ी पार्टी तो बना दिया, लेकिन पूर्ण बहुमत नहीं मिला। यही वह मोड़ है जहां से उनकी असली राजनीतिक परीक्षा शुरू होती है। अब तक पर्दे पर अकेले दम पर हर मुश्किल हल करने वाले विजय को वास्तविक राजनीति में सहयोगियों की जरूरत पड़ रही है। तमिलनाडु की राजनीति में गठबंधन हमेशा से महत्वपूर्ण रहे हैं, लेकिन यहां विचारधारा, क्षेत्रीय संतुलन और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएं अक्सर समीकरण बिगाड़ देती हैं। विजय के सामने भी यही संकट खड़ा है। छोटे दल समर्थन के बदले सत्ता में बड़ी हिस्सेदारी चाहते हैं, जबकि विजय खुद को बदलाव की राजनीति का चेहरा बनाए रखना चाहते हैं। दिलचस्प बात यह है कि डीएमके और एआईएडीएमके जैसी परंपरागत पार्टियां भी पूरी तरह खत्म नहीं हुई हैं। भले ही उनकी सीटें कम हुई हों, लेकिन उनका संगठनात्मक ढांचा अभी भी मजबूत है। ग्रामीण इलाकों में उनका प्रभाव बना हुआ है। ऐसे में विजय के लिए केवल सरकार बनाना ही पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि उसे स्थिर बनाए रखना भी उतना ही कठिन होगा। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि विजय गठबंधन दबाव में अपनी मूल छवि खो देते हैं, तो जनता का भरोसा जल्दी टूट सकता है। राष्ट्रीय राजनीति के लिहाज से भी तमिलनाडु का यह चुनाव बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दक्षिण भारत में अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रही राष्ट्रीय पार्टियां अब विजय की ओर उम्मीद से देख रही हैं। केंद्र की राजनीति में भी यह चर्चा तेज हो गई है कि क्या विजय भविष्य में राष्ट्रीय विपक्ष का नया चेहरा बन सकते हैं। हालांकि अभी यह कहना जल्दबाजी होगी, लेकिन इतना जरूर स्पष्ट है कि उनकी सफलता ने दक्षिण भारतीय राजनीति में एक नया अध्याय खोल दिया है। विजय के सामने सबसे बड़ी चुनौती प्रशासनिक अनुभव की कमी भी है। जनता ने उन्हें मौका इसलिए दिया क्योंकि वह पुराने राजनीतिक ढांचे से थक चुकी थी, लेकिन अब वही जनता परिणाम भी चाहती है।

~ मौलिक चिंतन ~

मन, कर्म और वचन से "मनुष्य" बनने का प्रयास संसार की सबसे कठिन साधना है।

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

© विनय संकोची

क्या राज्यपाल संवैधानिक मयार्दा से ऊपर हैं?

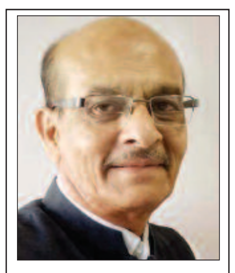

सनत जैन

तमिलनाडु में चुनाव परिणाम आने के बाद उत्पन्न राजनीतिक स्थिति ने एक बार फिर भारतीय लोकतंत्र में राज्यपाल की भूमिका को राष्ट्रीय बहस का विषय बना दिया है। पहली बार चुनाव मैदान में उतरी अभिनेता से नेता बने जोसेफ विजय की पार्टी ने 108 सीटें जीतकर राज्य की सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। इसके साथ ही सरकार बनाने का दावा विजय राज्यपाल के सम्मुख कर चुके हैं। कांग्रेस के समर्थन के बाद यह संख्या 113 तक पहुंच गई। बहुमत के लिए 118 विधायकों की आवश्यकता है। इसके बावजूद राज्यपाल द्वारा सरकार गठन के लिए आमंत्रित न करना केवल राजनीतिक विवाद नहीं, बल्कि संवैधानिक परंपराओं और लोकतांत्रिक मूल्यों से जुड़ा गंभीर प्रश्न बन गया है। भारतीय संविधान में राज्यपाल को एक संवैधानिक प्रमुख माना गया है, न कि राजनीतिक निर्णायक। संसदीय लोकतंत्र का मूल सिद्धांत यही है कि निर्वाचित प्रतिनिधियों की इच्छा सर्वोपरि होगी। जब किसी दल को स्पष्ट बहुमत न मिले, तब सबसे बड़े दल या गठबंधन को सरकार बनाने का अवसर देना एक स्थापित संवैधानिक परंपरा बन चुकी है। सुप्रीम कोर्ट ने कई ऐतिहासिक फैसलों में यह स्पष्ट किया है कि बहुमत का परीक्षण विधानसभा के भीतर होना चाहिए, राजभवन में नहीं। कर्नाटक, महाराष्ट्र, गोवा और उत्तराखंड जैसे मामलों में न्यायपालिका ने बार-बार यही सिद्धांत दोहराया है।

वर्तमान में तमिलनाडु का मामला इसलिए अधिक गंभीर माना जा रहा है क्योंकि चुनाव नतीजों के मुताबिक दूसरे और तीसरे नंबर पर रहने वाली अन्य पार्टियों ने सरकार बनाने का दावा ही प्रस्तुत नहीं किया है। ऐसी स्थिति में सबसे बड़े दल को शपथ ग्रहण का अवसर न देना लोकतांत्रिक प्रक्रिया को अनावश्यक रूप से बाधित करने जैसा प्रतीत होता है। राज्यपाल यदि यह कहें कि पहले पूर्ण बहुमत साबित करें, तभी शपथ दिलाई जाएगी, तो यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि फिर विधानसभा में बहुमत परीक्षण की परंपरा का महत्व क्या रह जाएगा? पिछले कुछ वर्षों में देश के कई राज्यों में राज्यपाल और निर्वाचित सरकारों के बीच टकराव बढ़ा है। विपक्ष शासित राज्यों में विधेयकों को महीनों और कभी-कभी वर्षों तक लंबित रखना, सरकारों के प्रशासनिक निर्णयों में हस्तक्षेप तथा राजनीतिक बयानबाजी ने इस पद की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लगाए हैं। संविधान निमार्ताओं ने राज्यपाल पद की कल्पना केंद्र और राज्य के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए की थी, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में यह पद कई बार राजनीतिक संघर्ष का केंद्र बनता दिखाई देता है।

सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि यदि संवैधानिक पदों पर बैठे लोग न्यायालयों द्वारा स्थापित सिद्धांतों की भी अनदेखी करने लगें, तो लोकतांत्रिक संस्थाओं में जनता का विश्वास कमजोर होने लगता है। लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने से नहीं चलता; वह संवैधानिक मयार्दा, संस्थागत निष्पक्षता और स्थापित परंपराओं के सम्मान पर टिकता है। यदि निर्वाचित सरकारों के गठन में भी व्यक्तिगत विवेक या राजनीतिक झुकाव हावी होने लगे, तो यह संघीय ढांचे के लिए खतरे का संकेत होगा। ऐसे समय में न्यायपालिका की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। सुप्रीम कोर्ट को यह स्पष्ट करना होगा कि राज्यपाल का विवेक सीमित है और वह संविधान से ऊपर नहीं हो सकता। लोकतंत्र में अंतिम शक्ति जनता के जनादेश की होती है। उस जनादेश का सम्मान करना ही संविधान की वास्तविक आत्मा है।

संजय राउत ने डोनाल्ड ट्रंप को पत्र में जो कुछ लिखा है उससे विपक्षी नेताओं की देशभक्ति पर सवाल उठ गया है

नीरज कुमार दुबे

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद विपक्षी गठबंधन के कई नेताओं की प्रतिक्रियाएं अब केवल राजनीतिक असहमति तक सीमित नहीं रह गई हैं, बल्कि वह भारत की लोकतांत्रिक संस्थाओं और संवैधानिक व्यवस्था पर सीधे सवाल खड़े करती दिखाई दे रही हैं। शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को पत्र लिखना और ममता बनर्जी द्वारा अंतरराष्ट्रीय अदालत जाने की चेतावनी देना इसी प्रवृत्ति का ताजा उदाहरण है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या देश के आंतरिक मामलों को विदेशी शक्तियों और वैश्विक मंचों तक ले जाना लोकतंत्र की रक्षा है या फिर भारत की छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास?

हम आपको बता दें कि शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लिखे अपने पत्र में पश्चिम बंगाल चुनावों को भय, दबाव और कथित धांधली से प्रभावित बताया। उन्होंने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाए और केंद्रीय बलों की तैनाती को लेकर भी आरोप लगाए। हैरानी की बात यह है कि यह सब उस समय कहा जा रहा है जब भारत का चुनाव आयोग विश्व की सबसे विश्वसनीय और विशाल चुनावी संस्थाओं में गिना जाता है। यदि किसी दल को चुनाव परिणाम स्वीकार नहीं हैं, तो उसके लिए न्यायपालिका, जन आंदोलन और संवैधानिक प्रक्रियाएं मौजूद हैं। फिर विदेशी राष्ट्रपति को पत्र लिखने की आवश्यकता क्यों पड़ी?

क्या भारत इतना कमजोर लोकतंत्र है कि यहां के चुनावों का फैसला विदेशी नेताओं की राय से तय होगा? क्या विपक्ष यह संदेश देना चाहता है कि भारत की संवैधानिक संस्थाओं पर उसे भरोसा नहीं है? यदि हर हार के बाद अंतरराष्ट्रीय मंचों पर जाकर देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को कठघरे में खड़ा किया जाएगा, तो इससे दुनिया में भारत की छवि पर क्या असर पड़ेगा?

इस पूरे विवाद में ममता बनर्जी का बयान भी कम गंभीर नहीं है। चुनाव हारने के बाद उनका यह कहना कि वह अंतरराष्ट्रीय अदालत तक जाएंगी, कई सवाल खड़े करता है। क्या किसी राज्य के चुनावी परिणाम को लेकर संयुक्त राष्ट्र की न्यायिक संस्था में जाने की बात करना भारत की संप्रभुता पर प्रश्नचिह्न लगाने जैसा नहीं है? जब देश का संविधान, सर्वोच्च न्यायालय और चुनाव आयोग मौजूद हैं, तब विदेशी अदालतों की चर्चा क्यों? दरअसल यह वही राजनीति है जिसमें जब तक सत्ता हाथ में रहे तब तक संस्थाएं निष्पक्ष लगती हैं, लेकिन हार मिलते ही चुनाव आयोग, सुरक्षा बल, न्यायपालिका और लोकतंत्र सब कटघरे में खड़े कर दिए जाते हैं। यह प्रवृत्ति केवल राजनीतिक असंतोष नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता के विश्वास को कमजोर करने का प्रयास भी मानी जा सकती है।

सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या विपक्षी दल अपनी राजनीतिक हार को स्वीकार करने का साहस खो चुके हैं? क्या लोकतंत्र केवल तब तक सही है जब तक परिणाम उनके पक्ष में आएं? यदि हर चुनाव के बाद विदेशी शक्तियों से हस्तक्षेप की मांग की जाएगी, तो क्या यह देश की आंतरिक संप्रभुता के खिलाफ कदम नहीं माना जाएगा?

भारत का लोकतंत्र दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यहां सत्ता परिवर्तन चुनावों के माध्यम से होता है, अदालतें स्वतंत्र हैं और मीडिया पूरी तरह सक्रिय है। ऐसे में विदेशी नेताओं और अंतरराष्ट्रीय मंचों को भारत के घरेलू राजनीतिक विवादों में घसीटना न केवल राजनीतिक अपरिपक्वता दशार्ता है, बल्कि यह देश की गरिमा को भी ठेस पहुंचाता है।

राजनीतिक मतभेद लोकतंत्र का हिस्सा हैं, लेकिन देश की छवि और संस्थाओं की विश्वसनीयता से खिलवाड़ किसी भी स्थिति में उचित नहीं ठहराया जा सकता। देखा जाये तो लोकतंत्र में हार और जीत दोनों को स्वीकार करना ही सबसे बड़ी लोकतांत्रिक मयार्दा होती है। लेकिन संजय राउत जैसे लोग जोकि खुद करोड़ों के घोटाले के आरोप से जुड़े हैं और जेल काट चुके हैं, वह भारत के लोकतंत्र की शुचिता और जनमत की ईमानदारी पर सवाल उठा रहे हैं। यहां एक सवाल यह भी उठता है कि पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दी गयी बधाई विपक्ष को इतनी चुभ क्यों रही है?

साथ ही संजय राउत भारतीय लोकतंत्र को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से शिकायत कर रहे हैं, लेकिन उन्हें यह भी देखना चाहिए कि स्वयं अमेरिका में लोकतंत्र की स्थिति को लेकर कितने गंभीर सवाल उठ चुके हैं। दुनिया ने देखा कि वर्ष 2020 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में हार के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव परिणाम स्वीकार करने से इंकार कर दिया था। चुनावी धांधली के आरोपों को लेकर उनके समर्थकों ने अमेरिकी संसद भवन कैपिटल हिल पर हमला तक कर दिया था, जिसे अमेरिकी लोकतंत्र के इतिहास का सबसे काला अध्याय माना गया। उस घटना में हिंसा हुई, कई लोग घायल हुए और पूरे विश्व ने अमेरिका की लोकतांत्रिक व्यवस्था को संकट में देखा। इतना ही नहीं, ट्रंप लगातार अमेरिकी चुनाव प्रणाली, न्याय व्यवस्था और मीडिया की निष्पक्षता पर भी सवाल उठाते रहे हैं। ऐसे में भारतीय नेताओं द्वारा अमेरिका को सर्वश्रेष्ठ लोकतंत्र का प्रमाण पत्र बांटने वाला देश मान लेना अपने आप में कई प्रश्न खड़े करता है। भारत में चुनाव करोड़ों मतदाताओं की भागीदारी से शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न होते हैं और सत्ता परिवर्तन भी संवैधानिक प्रक्रिया के तहत होता है। इसलिए विदेशी नेताओं से शिकायत करने से पहले विपक्ष को यह भी देखना चाहिए कि जिन देशों की ओर वह उम्मीद भरी नजरों से देख रहा है, वहां स्वयं लोकतंत्र कितनी चुनौतियों से गुजर रहा है।

पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन है वैचारिक बदलाव का संकेत

ललित गर्ग

पश्चिम बंगाल की राजनीति अब एक नए मोड़ पर खड़ी है। भाजपा की जीत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बंगाल अब राजनीतिक रूप से 'अपवाद' नहीं रहा। यहाँ भी वही प्रश्न महत्वपूर्ण हो गए हैं जो देश के अन्य हिस्सों में प्रभावी हैं-सांस्कृतिक पहचान, राष्ट्रवाद, सुरक्षा, विकास और सामाजिक संतुलन। लेकिन सत्ता परिवर्तन के साथ जिम्मेदारियाँ भी आती हैं।

पश्चिम बंगाल के हालिया विधानसभा चुनाव परिणामों को केवल एक राजनीतिक दल की जीत या हार के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। यह परिणाम उस वैचारिक संघर्ष का प्रतीक बनकर उभरे हैं, जो लंबे समय से बंगाल की राजनीति के भीतर सुलग रहा था। वर्षों तक बंगाल को एक ऐसे राज्य के रूप में प्रस्तुत किया गया, जहां कथित रूप से जाति, धर्म और पहचान की राजनीति नहीं चलती, बल्कि विचारधारा, वर्ग-संघर्ष और बंगालियत की राजनीति प्रभावी रहती है। किंतु 2026 के चुनाव परिणामों ने इस स्थापित धारणा को गहराई से चुनौती दी है। यह चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक मनोविज्ञान में आए परिवर्तन का भी संकेत है। मतदाता अब केवल भावनात्मक नारों या वैचारिक रोमांटिसिज्म के आधार पर मतदान नहीं कर रहा, बल्कि वह अपनी सांस्कृतिक पहचान, सुरक्षा, सामाजिक संतुलन और भविष्य को भी ध्यान में रख रहा है। यही कारण है कि पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की अभूतपूर्व सफलता को अनेक विश्लेषक एक प्रकार के 'सांस्कृतिक पुनर्जागरण' के रूप में देख रहे हैं।

पिछले कुछ वर्षों में पश्चिम बंगाल की राजनीति में 'बंगाली अस्मिता' और 'हिंदू पहचान' के बीच एक वैचारिक द्वंद्व स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा था। तृणमूल कांग्रेस ने स्वयं को बंगाल की संस्कृति और क्षेत्रीय गौरव का संरक्षक बताया, जबकि भाजपा ने राष्ट्रीयता, हिंदुत्व और सांस्कृतिक चेतना को अपने राजनीतिक विमर्श का केंद्र बनाया। वास्तव में बंगाल की ऐतिहासिक चेतना कभी संकुचित नहीं रही। यह वही भूमि है जहाँ से स्वामी विवेकानंद, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय, रवींद्रनाथ ठाकुर और नेताजी सुभाषचंद्र बोस जैसे महापुरुषों ने भारतीय राष्ट्रवाद को नई दिशा दी। 'वंदे मातरम्' का उद्घोष भी इसी भूमि से निकला। इसलिए जब बंगाल में राष्ट्रीयता और सांस्कृतिक अस्मिता की चर्चा होती है, तो वह केवल राजनीतिक मुद्दा नहीं रह जाता, बल्कि भावनात्मक और ऐतिहासिक संदर्भ भी ग्रहण कर लेता है। भाजपा ने इसी ऐतिहासिक चेतना को पुनः जागृत करने का प्रयास किया। दुगार्पूजा, रामनवमी, हनुमान जयंती और हिंदू धार्मिक प्रतीकों को लेकर जिस प्रकार की राजनीतिक बहसें पिछले वर्षों में सामने आईं, उन्होंने हिंदू समाज के एक बड़े वर्ग को यह महसूस कराया कि उसकी सांस्कृतिक अभिव्यक्तियां राजनीतिक विवाद का विषय बन रही हैं। परिणामस्वरूप एक बड़ा वर्ग अपनी पहचान के प्रश्न पर अधिक मुखर हुआ।

पश्चिम बंगाल की राजनीति लंबे समय से अल्पसंख्यक वोट बैंक के इर्द-गिर्द घूमती रही है। विपक्ष लगातार यह आरोप लगाता रहा कि ममता बनर्जी सरकार ने संतुलित शासन के बजाय तुष्टिकरण की राजनीति को बढ़ावा दिया। चाहे इमाम भत्ता का मुद्दा हो, धार्मिक आयोजनों को लेकर प्रशासनिक निर्णय हों या सीमावर्ती जिलों में बदलता जनसांख्यिकीय संतुलन-इन सभी विषयों ने धीरे-धीरे हिंदू समाज के भीतर असंतोष को जन्म दिया। यह असंतोष केवल धार्मिक नहीं था, बल्कि सामाजिक और मनोवैज्ञानिक भी था। अनेक लोगों को यह लगने लगा कि राज्य में कानून व्यवस्था और प्रशासनिक निर्णयों में निष्पक्षता का अभाव है। भाजपा ने इसी भावना को राजनीतिक रूप दिया। उसने यह संदेश देने का प्रयास किया कि उसकी राजनीति केवल चुनाव जीतने की नहीं, बल्कि 'सांस्कृतिक सुरक्षा' स्थापित करने की राजनीति है। यही कारण है कि चुनाव प्रचार के दौरान 'जय श्रीराम' जैसे नारे केवल धार्मिक उद्घोष नहीं रहे, बल्कि वे एक प्रकार के राजनीतिक प्रतिरोध और सांस्कृतिक पहचान के प्रतीक बन गए।

इस चुनाव में हिंदी भाषी मतदाताओं की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही। पिछले कुछ वर्षों में बंगाल के औद्योगिक और शहरी क्षेत्रों में हिंदी भाषी समाज का प्रभाव बढ़ा है। यह वर्ग लंबे समय से स्वयं को राजनीतिक रूप से उपेक्षित महसूस करता रहा था। भाजपा ने इस वर्ग को संगठित करने में सफलता प्राप्त की। हालांकि इस चुनाव को केवल 'हिंदी बनाम बंगाली' के दृष्टिकोण से देखना भी उचित नहीं होगा। वस्तुतः भाजपा ने हिंदी भाषी और स्थानीय हिंदू समाज के बीच एक वैचारिक सेतु बनाने का प्रयास किया। उसने यह संदेश दिया कि सांस्कृतिक राष्ट्रवाद क्षेत्रीय सीमाओं से ऊपर है। यही कारण है कि बंगाल के अनेक क्षेत्रों में भाजपा को व्यापक समर्थन मिला। पश्चिम बंगाल कभी वामपंथ का सबसे मजबूत गढ़ माना जाता था। वर्ग-संघर्ष, श्रमिक राजनीति और धर्मनिरपेक्षता की विचारधारा यहाँ की राजनीतिक संस्कृति का हिस्सा रही। लेकिन समय के साथ यह विचारधारा जमीन से कटती चली गई। वामपंथी दल जनता की नई आकांक्षाओं, युवाओं की उम्मीदों और बदलते सामाजिक यथार्थ को समझने में असफल रहे। आज का युवा केवल वैचारिक भाषण नहीं चाहता- वह रोजगार, सुरक्षा, सांस्कृतिक सम्मान और विकास चाहता है। यही कारण है कि वामपंथ धीरे-धीरे राजनीतिक हाशिये पर पहुँच गया। भाजपा ने इस खाली स्थान को भरते हुए स्वयं को एक वैकल्पिक शक्ति के रूप में स्थापित किया।

पश्चिम बंगाल में भाजपा की सफलता को अनेक लोग डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों से भी जोड़कर देख रहे हैं। डॉ. मुखर्जी केवल एक राजनेता नहीं थे, बल्कि भारतीय एकता और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रबल समर्थक थे। उन्होंने विभाजनकारी राजनीति का विरोध किया और राष्ट्रीय एकात्मता को सर्वोपरि माना। बंगाल की राजनीति में भाजपा का उभार कहीं न कहीं उसी विचारधारा की पुनर्स्थापना के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। यह संदेश देने का प्रयास किया जा रहा है कि बंगाल अब केवल क्षेत्रीय राजनीति का केंद्र नहीं रहेगा, बल्कि वह पुनः राष्ट्रीय चेतना का नेतृत्व करेगा। सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या इन चुनाव परिणामों को 'हिंदू पुनर्जागरण' कहा जा सकता है? इसका उत्तर पूरी तरह सरल नहीं है, किंतु इतना स्पष्ट है कि हिंदू समाज के भीतर अपनी सांस्कृतिक पहचान को लेकर एक नई जागरूकता अवश्य उत्पन्न हुई है। यह जागरूकता केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं, बल्कि राजनीतिक अभिव्यक्ति का भी रूप ले रही है। हालांकि किसी भी लोकतंत्र में यह आवश्यक है कि सांस्कृतिक चेतना सामाजिक सौहार्द और संवैधानिक मूल्यों के साथ संतुलित रहे। यदि पहचान की राजनीति संवाद और समावेशिता के बजाय टकराव का रूप लेती है, तो वह लोकतंत्र के लिए चुनौती बन सकती है। इसलिए बंगाल के इस परिवर्तन को केवल विजय उत्सव के रूप में नहीं, बल्कि एक सामाजिक चेतावनी और आत्ममंथन के अवसर के रूप में भी देखा जाना चाहिए। पश्चिम बंगाल की राजनीति अब एक नए मोड़ पर खड़ी है। भाजपा की जीत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बंगाल अब राजनीतिक रूप से 'अपवाद' नहीं रहा। यहाँ भी वही प्रश्न महत्वपूर्ण हो गए हैं जो देश के अन्य हिस्सों में प्रभावी हैं-सांस्कृतिक पहचान, राष्ट्रवाद, सुरक्षा, विकास और सामाजिक संतुलन। लेकिन सत्ता परिवर्तन के साथ जिम्मेदारियाँ भी आती हैं। यदि भाजपा वास्तव में बंगाल में एक नए युग की शुरूआत करना चाहती है, तो उसे केवल वैचारिक नारों तक सीमित नहीं रहना होगा। उसे रोजगार, उद्योग, शिक्षा, कानून व्यवस्था और सामाजिक समरसता जैसे मुद्दों पर ठोस कार्य करना होगा। बंगाल की धरती ने हमेशा भारत को विचार, साहित्य, संस्कृति और राष्ट्रवाद की नई दिशा दी है। आज फिर इतिहास एक नए मोड़ पर खड़ा है। आने वाला समय तय करेगा कि यह परिवर्तन केवल राजनीतिक लहर साबित होगा या वास्तव में बंगाल के सांस्कृतिक और वैचारिक पुनर्जागरण का आधार बनेगा।

फरवरी महीने से जायद की फसलों की बुवाई का समय शुरू है। इन फसलों की बुवाई मार्च तक चलती है। इस समय बोने पर ये फसलें अच्छी पैदावार देती हैं। इस मौसम में खीरा, ककड़ी, करेला, लौकी, तोरई, पेठा, पालक, फूलगोभी, बैंगन, भिण्डी, अरबी जैसी सब्ज़ियों की बुवाई करनी चाहिए।

गर्मियों में उगाए सब्जियां होगा भरपूर फायदा

खीरा

खीरे की खेती के लिए खेत में क्यारियां बनाएं। इसकी बुवाई लाइन में ही करें। लाइन से लाइन की दूरी 1.5 मीटर रखें और पौधे से पौधे की दूरी 1 मीटर। बुवाई के बाद 20 से 25 दिन बाद निराई - गुड़ाई करना चाहिए। खेत में सफाई रखें और तापमान बढ़ने पर हर सप्ताह हल्की सिंचाई करें। खेत से खरपतवार हटाते रहें।

ककड़ी

ककड़ी की बुवाई के लिए एक उपयुक्त समय फरवरी से मार्च ही होता है लेकिन अगेती फसल लेने के लिए पॉलीथीन की थैलियों में बीज भरकर उसकी रोपाई जनवरी में भी की जा सकती है। इसके लिए एक एकड़ भूमि में एक किलोग्राम बीज की ज़रूरत होती है। इसे लगभग हर तरह की ज़मीन में उगाया जा सकता है। भूमि की तैयारी के समय गोबर की खाद डालें व खेत की तीन से चार बार जुताई करके सुहागा लगाएं। ककड़ी की बीजाई 2 मीटर चौड़ी क्यारियों में नाली के किनारों पर करनी चाहिए। पौधे से पौधे का अंतर 60 सेंटीमीटर रखें। एक जगह पर दो - तीन बीज बोएं। बाद में एक स्थान पर एक ही पौधा रखें।

करेला

हल्की दोमट मिट्टी करेले की खेती के लिए अच्छी होती है। करेले की बुवाई दो तरीके से की जाती है - बीज से और पौधे से। करेले की खेती के लिए 2 से 3 बीज 2.5 से 5 मीटर की दूरी पर बोने चाहिए। बीज को बोने से पहले 24 घंटे तक पानी में भिगो लेना चाहिए इससे अंकुरण जल्दी और अच्छा होता है। नदियों के किनारे की ज़मीन करेले की खेती के लिए बढ़िया रहती है। कुछ अम्लीय भूमि में इसकी खेती की जा सकती है। पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से करें इसके बाद दो - तीन बार हैरो या कल्टीवेटर चलाएं।

लौकी

लौकी की खेती कर तरह की मिट्टी में हो जाती है लेकिन दोमट मिट्टी इसके लिए सबसे अच्छी होती है। लौकी की खेती के लिए एक हेक्टेयर में 4.5 किलोग्राम बीज की ज़रूरत होती है। बीज को खेत में बोने से पहले 24 घंटे पानी में भिगोने के बाद टाट में बांध कर 24 घंटे रखें। करेले की तरह लौकी में भी ऐसा करने से बीजों का अंकुरण जल्दी होता है। लौकी के बीजों के लिए 2.5 से 3.5 मीटर की दूरी पर 50 सेंटीमीटर चौड़ी व 20 से 25 सेंटीमीटर गहरी नालियां बनानी चाहिए। इन नालियों के दोनों किनारे पर गरमी में 60 से 75 सेंटीमीटर के फासले पर बीजों की बुवाई करनी चाहिए। एक जगह पर 2 से 3 बीज 4 सेंटीमीटर की गहराई पर बोएं।

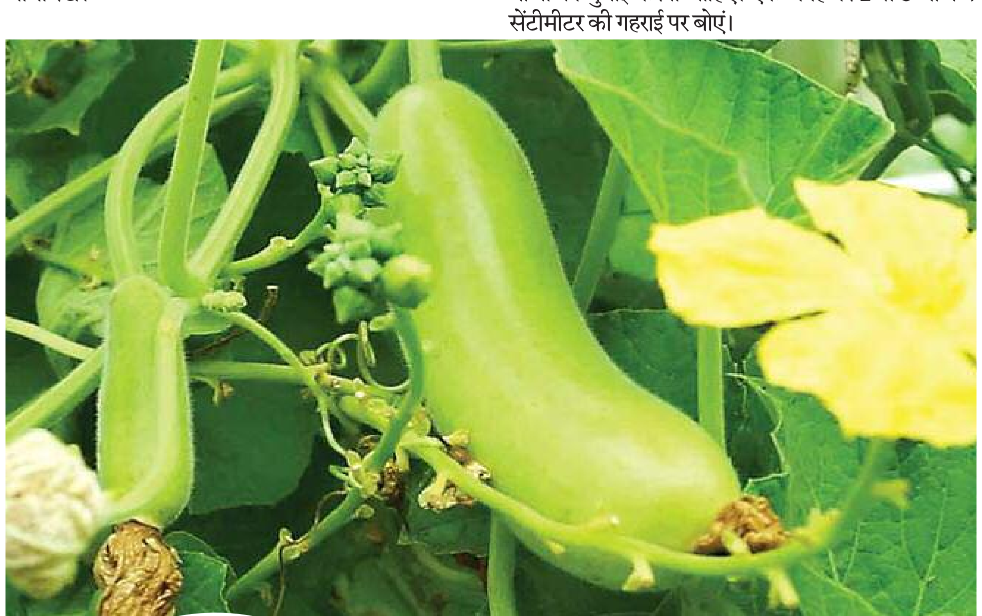

भिंडी

भिंडी की अगेती किस्म की बुवाई फरवरी से मार्च के बीच करते हैं। इसकी खेती हर तरह की मिट्टी में हो जाती है। भिंडी की खेती के लिए खेत को दो-तीन बार जुताई कर मिट्टी को भुरभुरा कर लेना चाहिए और फिर पाटा चलाकर समतल कर लेना चाहिए। बुवाई कतारों में करनी चाहिए। कतार से कतार दूरी 25-30 सेमी और कतार में पौधे की बीच की दूरी 15-20 सेमी रखनी चाहिए। बोने के 15-20 दिन बाद पहली निराई-गुड़ाई करना जरुरी रहता है। खरपतवार नियंत्रण के लिए रासायनिक का भी प्रयोग किया जा सकता है।

तोरई

हल्की दोमट मिट्टी तोरई की सफल खेती के लिए सबसे अच्छी मानी जाती है। नदियों के किनारे वाली भूमि इसकी खेती के लिए अच्छी रहती है। इसकी बुवाई से पहले, पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से करें इसके बाद 2 से 3 बार बार हैरो या कल्टीवेटर चलाएं। खेत कि तैयारी में मिट्टी भुरभुरी हो जानी चाहिए। तोरई में निराई ज़्यादा करनी पड़ती है। इसके लिए कतार से कतार की दूरी 1 से 1.20 मीटर और पौधे से पौधे की दूरी एक मीटर होनी चाहिए। एक जगह पर 2 बीज बोने चाहिए। बीज को ज़्यादा गहराई में न लगाएं इससे अंकुरण पर फर्क पड़ता है। एक हेक्टेयर ज़मीन में 4 से 5 किलोग्राम बीज लगता है।

अरबी

अरबी की खेती के लिए रेतीली दोमट मिट्टी अच्छी रहती है। इसके लिए ज़मीन गहरी होनी चाहिए। जिससे इसके कंदों का समुचित विकास हो सके। अरबी की खेती के लिए समतल क्यारियां बनाएं। इसके लिए कतार से कतार की दूरी 45 सेमी. व पौधे से पौधे की दूरी 30 सेमी होनी चाहिए। इसकी गांठों को 6 से 7 सेंटीमीटर की गहराई पर बो दें।

पालक

पालक के लिए बलुई दोमट या मटियार मिट्टी अच्छी होती है लेकिन ध्यान रहे अम्लीय ज़मीन में पालक की खेती नहीं होती है। भूमि की तैयारी के लिए मिट्टी को पलेवा करके जब वह जुताई योग्य हो जाए तब मिट्टी पलटने वाले हल से एक जुताई करना चाहिए, इसके बाद 2 या 3 बार हैरो या कल्टीवेटर चलाकर मिट्टी को भुरभुरा बना लेना चाहिए। साथ ही पाटा चलाकर भूमि को समतल करें। पालक की खेती के लिए एक हेक्टेयर में 25 से 30 किलोग्राम बीज की ज़रूरत होती है। बुवाई के लिए कतार से कतार की दूरी 20 से 25 सेंटीमीटर और पौधे से पौधे की दूरी 20 सेंटीमीटर रखना चाहिए। पालक के बीज को 2 से 3 सेन्टीमीटर की गहराई पर बोना चाहिए, इससे अधिक गहरी बुवाई नहीं करनी चाहिए।

बैंगन

इसकी नर्सरी फरवरी में तैयार की जाती है और बुवाई अप्रैल में की जाती है। बैंगन की खेती के लिए अच्छी जल निकासी वाली दोमट मिट्टी उपयुक्त होती है। नर्सरी में पौधे तैयार होने के बाद दूसरा महत्वपूर्ण कार्य होता है खेत को तैयार करना। मिट्टी परीक्षण करने के बाद खेत में एक हेक्टेयर के लिए 4 से 5 ट्रॉली पक्का हुआ गोबर का खाद् बिखेर दे। बैंगन की खेती के लिए दो पौधों और दो कतार के बीच की दूरी 60 सेंटीमीटर होनी ही चाहिए।

पेठा

पेठा कद्दू की खेती के लिए दोमट व बलुई दोमट मिट्टी सब से अच्छी मानी जाती है। इसके अलावा यह कम अम्लीय मिट्टी में आसानी से उगाया जा सकता है। पेठा की बुवाई से पहले खेतों की अच्छी तरह से जुताई कर के मिट्टी को भुरभुरी बना लेना चाहिए और 2-3 बार कल्टीवेटर से जुताई कर के पाटा लगाना चाहिए। इसके लिए एक हेक्टेयर में 7 से 8 किग्रा बीज की ज़रूरत होती है। इसकी बुवाई के लिए लगभग 15 हाथ लंबा का एक सीधा लकड़ी का डंडा ले लेते हैं, इस डंडे में दो-दो हाथ की दूरी पर फीता बांधकर निशान बना लेते हैं जिससे लाइन टेढ़ी न बने। दो हाथ की दूरी पर लम्बाई और चौड़ाई के अंतर पर गोबर की खाद का सीधे लाइन में गोबर की खाद घुरवा बनाते हैं जिसमे पेठे के सात से आठ बीजे गाड़ देते हैं अगर सभी जम गए तो बाद में तीन चार पौधे छोड़कर सब उखाड़ कर फेंक दिए जाते हैं।

वन ईएमआई टेक का शेयर 12 फीसदी बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली ।

ऑनलाइन ऋण देने वाले मंच किश्त का संचालन करने वाली कंपनी वन ईएमआई टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस लिमिटेड ने शुक्रवार को शेयर बाजार में धमाकेदार शुरुआत की। कंपनी का शेयर अपने निर्गम मूल्य 171 रुपये के मुकाबले करीब 12 प्रतिशत की शानदार बढ़त के साथ सूचीबद्ध हुआ, जिससे निवेशकों को पहले दिन ही अच्छा मुनाफा मिला। शुक्रवार को बीएसई पर शेयर ने 11.69 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 191 रुपये पर और एनएसई पर 11.11 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 190 रुपये पर कारोबार शुरू किया। इस सफल लिस्टिंग के साथ कंपनी का बाजार मूल्यांकन 3,417.68 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। वन ईएमआई टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस के 926 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को निवेशकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली थी, और यह बोली के अंतिम दिन 9.50 गुना अभिदान प्राप्त करने में सफल रहा था। आईपीओ के लिए 162-171 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया गया था।

पराग मिल्क फूड्स का चौथी तिमाही में मुनाफा 23 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली ।

पराग मिल्क फूड्स का वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में मुनाफा 23.31 प्रतिशत बढ़कर 40.14 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में मुनाफा 32.55 करोड़ रुपये था। पराग मिल्क फूड्स ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में कुल आय बढ़कर 945.34 करोड़ रुपये हो गई जो एक वर्ष पहले इसी अवधि में 918.25 करोड़ रुपये थी। खर्च भी 898.79 करोड़ रुपये से बढ़कर 924.06 करोड़ रुपये हो गया। समूचे वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का मुनाफा 152.39 करोड़ रुपये रहा जो 2024-25 के 132.59 करोड़ रुपये से 15 प्रतिशत अधिक है। कंपनी के 'न्यू एज बिजनेस' खंड में प्रीमियम दूध ब्रांड 'प्राइड ऑफ काउज' और प्रोटीन पोषण ब्रांड 'अवतार' शामिल हैं। इन्होंने 2025-26 की चौथी तिमाही में 100 करोड़ रुपये के तिमाही राजस्व का आंकड़ा पार किया और सालाना आधार पर 109 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की।

भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता 2027 में लागू होने की संभावना

ईयू राजदूत ने व्यापार सुगमता पर दिया जोर

नई दिल्ली । भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच बहुप्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) 2027 तक लागू हो सकता है। ईयू के भारत में राजदूत हरवे डेल्फिन ने बताया कि समझौते के मसौदे की कानूनी समीक्षा फिलहाल अंतिम चरण में है, जिसके बाद इसके सुचारु रूप से आगे बढ़ने की उम्मीद है। ब्रसेल्स में इस समझौते को मिले व्यापक राजनीतिक समर्थन के मद्देनजर 2027 तक इसके क्रियान्वयन की संभावना प्रबल है। फेडरेशन ऑफ यूरोपियन बिजनेस इन इंडिया (एफईबीआई) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए डेल्फिन ने कहा कि दोनों पक्ष मसौदे को उचित कानूनी शक्ल देने के लिए समीक्षा कर रहे हैं। भारतीय अधिकारियों ने इस प्रक्रिया के जुलाई तक पूरा होने की उम्मीद जताई है। राजदूत ने समझौते के सुचारु और सद्भावनापूर्ण क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया। उन्होंने आगाह किया कि सीमा शुल्क प्रक्रियाएं या अनुपालन आवश्यकताएं व्यापार में अनावश्यक बाधा न बनें, अन्यथा तरजीही शुल्कों के लाभ से कहीं अधिक अनुपालन की लागत हो जाएगी। उनका मानना था कि दोनों पक्षों को व्यापार को अधिक आसान बनाने के लिए निरंतर प्रयास करने चाहिए। डेल्फिन ने भारत में चल रहे गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) प्रणाली में सुधारों का स्वागत किया और इस क्षेत्र में आगे कार्रवाई की उम्मीद जताई। हालांकि, उन्होंने एफटीए मसौदे में गैर-सेवा क्षेत्रों में निवेश उदारीकरण से संबंधित प्रावधान की अनुपस्थिति की ओर भी इशारा किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि एफटीए लागू होने के दो साल बाद समीक्षा खंड के तहत इस मुद्दे पर फिर से विचार किया जाएगा। इस अवसर पर वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त सचिव दर्पण जैन ने नियामक बाधाओं से निपटने के लिए एफटीए में शामिल 'त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र' का उल्लेख किया। उन्होंने 'वीआईपी तंत्र' का जिक्र किया, जिसके तहत यदि कोई मुद्दा वार्ताकारों के स्तर पर हल नहीं होता है, तो वह बहुत कम समय में सीधे मंत्री स्तर पर पहुंच जाता है। जैन ने 'गैर-उल्लंघन तंत्र' को भी नवोन्मेषी बताया, जो यह सुनिश्चित करता है कि समझौते के दायित्वों का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष उल्लंघन न हो। इन तंत्रों का उद्देश्य व्यापार को सुगम बनाना और किसी भी गतिरोध को तेजी से हल करना है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 516 अंक, निफ्टी 150 अंक गिरा

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। मध्य पूर्व में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने से भी बाजार नीचे आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 516.33 अंकों नीचे आकर 77,328.19 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 150.50 अंक फिसलकर 24,176.15 पर पहुंच गया। कारोबार के दौरान व्यापक बाजारों में भी मिश्रित रुख रहा। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स नीच आया जबकि निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में तेजी आई। विभिन्न क्षेत्रों की बात करें तो निफ्टी आईटी में सबसे ज्यादा 1.21 फीसदी की तेजी देखने को मिली। इसके अलावा, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी मीडिया, निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी पीएसयू बैंक में 3.06 फीसदी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में 1.52 फीसदी, निफ्टी मेटल में 0.87 फीसदी, निफ्टी प्राइवेट बैंक में 0.82 फीसदी, निफ्टी ऑयल एंड गैस में 0.94 फीसदी और निफ्टी ऑटो में 0.29 फीसदी की गिरावट रही । निफ्टी पैक में टाइटन, अपोलो हॉस्पिटल, एशियन पेंट्स, टाटा कंज्यूमर, अदाणी पोर्ट्स, इंफोसिस और एचसीएल टेक के शेयरों में तेजी देखने को मिली, और ये टॉप गेनर्स की लिस्ट में शामिल रहे, जबकि सबसे ज्यादा एसबीआई के शेयरों में गिरावट रही।

इसके साथ ही कोल इंडिया, एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक, ओएनजीसी और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर भी नीचे आये। आज बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण पिछले सत्र के 475 लाख करोड़ रुपए से कम होकर 473 लाख करोड़ रुपए ही रहा।

प्लैटिनम 1000 रुपए महंगा होकर 62,910 रुपए प्रति 10 ग्राम

सोने की कीमतें ग्राहकों को किफायती विकल्प तलाशने पर मजबूर कर रहीं

मुंबई । देश के ज्वैलरी बाजार में ग्राहकों का मिजाज बदल रहा है। शुक्रवार को प्लैटिनम 1000 रुपए प्रति 10 ग्राम महंगा होकर 62,910 रुपए पर पहुंच गया। वहीं सोने की बढ़ती कीमतों ने ग्राहकों को किफायती विकल्पों की ओर मोड़ा है। प्लैटिनम का यह भाव देश के प्रमुख शहरों जैसे मुंबई, चेन्नई, अहमदाबाद में समान 62,910 प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया। युवाओं को इसका सरल और क्लासी लुक काफी पसंद आ रहा है, जिससे प्लैटिनम की ओर उनका रुझान बढ़ा है। दूसरी ओर, सोने की कीमतें इतनी बढ़ी हैं कि 10 ग्राम सोना 1.5 लाख रुपये के करीब है। अब ग्राहक सीधे 22-24 कैरेट के बजाय 18, 14 व 9 कैरेट सोने की ज्वैलरी पसंद कर रहे हैं, जिनकी कम कीमत और मॉडर्न डिजाइन उन्हें आकर्षक लग रहे हैं। ज्वैलर्स ने भी इस नई पसंद को समझते हुए हल्के वजन वाली, ट्रेंडी और बजट फ्रेंडली डिजाइन बाजार में उतारे हैं, जिससे कम बजट वाले ग्राहक भी आसानी से फैशनेबल ज्वैलरी खरीद पा रहे हैं। इस बदलते ट्रेंड से ज्वैलरी बाजार में नए और विविध विकल्प सामने आ रहे हैं।

देश में एक बार फिर पेट्रोल और डीजल की कीमतों को लेकर चर्चा तेज

आईएमएफ की भारत को सलाह, आम आदमी पर बढ़ सकता है बोझ

नई दिल्ली ।

विधानसभा चुनाव समाप्त होने के बाद देश में एक बार फिर पेट्रोल और डीजल की कीमतों को लेकर चर्चा तेज हो गई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की लगातार बढ़ती कीमतें और पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव, आगामी दिनों में ईंधन महंगा होने की आशंका बढ़ा रहे हैं। हालांकि सरकार अब तक कीमतों में बढ़ोतरी से इनकार करती रही है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) चाहता है कि इस बढ़े हुए बोझ को उपभोक्ताओं पर डाला जाए। ईरान संकट से पहले लगभग 70 डॉलर प्रति बैरल रहने वाला कच्चा तेल अब 100 डॉलर के आंकड़े को पार कर चुका है और एक समय यह 126 डॉलर प्रति बैरल तक भी पहुंच गया था। इस तेजी का सीधा असर सरकारी तेल विपणन कंपनियों पर पड़ रहा है, जो खुदरा कीमतों को स्थिर रखने के लिए बढ़ी हुई लागत का बोझ स्वयं उठा रही हैं, जिससे उन पर वित्तीय दबाव बढ़ता जा रहा है। कुछ क्षेत्रों में कीमतों में बदलाव का सिलसिला पहले ही शुरू हो चुका है, जैसे हाल ही में 19 किलो वाणिज्यिक एलपीजी की कीमत में 993 रुपए की बढ़ोतरी। इसी बीच, आईएमएफ ने भारत से अपील की है कि ईंधन की कीमतों को वैश्विक बाजार के अनुसार तय होने दिया जाए। संस्था का मानना है कि कृत्रिम मूल्य नियंत्रण लंबे समय तक संभव नहीं है और बाजार आधारित प्रणाली से मांग-आपूर्ति में संतुलन तथा ऊर्जा खपत को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी।

जन सुरक्षा योजनाओं का बीमा कवर 5 लाख करने पर सरकार कर रही विचार

पीएमजेजेबीवाई और पीएमएसबीवाई के तहत करोड़ों लाभार्थियों को मिलेगा अधिक सुरक्षा कवच

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) और प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) के करोड़ों लाभार्थियों के लिए एक बड़ी खबर है। सरकार इन दोनों महत्वपूर्ण सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत बीमा कवर को वर्तमान 2 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये करने के प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार कर रही है। वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी, जिससे लाखों लोगों को अधिक सुरक्षा कवच मिलने की उम्मीद जगी है।

उन्होंने बताया कि वित्त मंत्रालय प्रीमियम की लागत, पॉलिसी खरीदने की सामर्थ्य और मध्यस्थता व्यय सहित विभिन्न पहलुओं का मूल्यांकन कर रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अभी यह सिर्फ विचारणीय स्तर पर है और स्वीकृति के बाद ही विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी। उन्होंने इस स्तर पर किसी भी अटकल से बचने को कहा, लेकिन पुष्टि की कि कवरेज राशि बढ़ाने पर विचार जारी है। ये योजनाएं 2015 में जन सुरक्षा कार्यक्रम के तहत वित्तीय समावेशन के उद्देश्य से शुरू की गई थीं, जिनका लक्ष्य कम लागत पर सस्ती बीमा सेवा प्रदान करना है। ये सीधे बचत खातों से जुड़ी हैं और ऑटो-डेबिट व्यवस्था के तहत हर साल इनका नवीनीकरण होता है। वर्तमान में पीएमजेजेबीवाई 18 से 50 वर्ष की आयु के लोगों को 436 रुपये के वार्षिक प्रीमियम पर किसी भी कारण से मृत्यु की स्थिति में 2 लाख रुपये का जीवन बीमा कवर

प्रदान करती है। वहीं पीएमएसबीवाई 18 से 70 वर्ष के लोगों को 20 रुपये प्रति वर्ष के प्रीमियम पर आकस्मिक मृत्यु और विकलांगता की स्थिति में 2 लाख रुपये का बीमा कवर देती है। इन योजनाओं को जन धन खातों और ग्रामीण बैंकिंग नेटवर्क के माध्यम से व्यापक सफलता मिली है। पीएमजेजेबीवाई में अब तक 27.43 करोड़ और पीएमएसबीवाई में 58 करोड़ से अधिक नामांकन हो चुके हैं, जो इनकी व्यापक पहुंच को दर्शाता है। अटल पेंशन योजना के भी 9 करोड़ से अधिक ग्राहक हैं। सरकार का यह कदम इन योजनाओं को और अधिक आकर्षक और प्रभावी बनाने में मदद करेगा।

एनएसओ ने 2022-23 को बनाया जीएसवीए का नया आधार वर्ष

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने सकल राज्य मूल्य वर्धन (जीएसवीए) के संकलन के लिए नए समान दिशानिर्देश जारी किए हैं, जिसके तहत 2022-23 को नया आधार वर्ष बनाया गया है। इस महत्वपूर्ण कदम का उद्देश्य राज्य-स्तरीय आर्थिक अनुमानों को अधिक सटीक, तुलना योग्य और देश की वर्तमान आर्थिक संरचना के साथ बेहतर ढंग से तालमेल बिठाना है। वर्तमान में, लक्षद्वीप और दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव को छोड़कर, अधिकांश राज्य और केंद्र शासित प्रदेश जीएसडीपी अनुमानों के लिए 2011-12 के आधार वर्ष का उपयोग कर रहे हैं। नई श्रृंखला के साथ, सांख्यिकी मंत्रालय अब सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को शामिल करने का प्रयास कर रहा है, जिससे क्षेत्रीय खातों के आंकड़ों में पूर्ण राष्ट्रीय कवरेज और एकरूपता सुनिश्चित हो सके। नए दिशानिर्देशों में कई क्षेत्रों में सिंगल डिफ्लेशन मेथड को छोड़ दिया गया है। इसके स्थान पर स्थिर मूल्य अनुमानों के लिए पुनर्मूल्यांकन, डबल डिफ्लेशन और वॉल्यूम एक्सट्रापोलेशन जैसी अधिक परिष्कृत विधियों की सिफारिश की गई है। इस बदलाव से इनपुट और आउटपुट की कीमतों में अंतर से होने वाली खामियों को कम करके वास्तविक उत्पादन के मापन में उल्लेखनीय सुधार होगा। कृषि, खनन, विनिर्माण, निर्माण, बिजली, परिवहन और वित्तीय सेवाओं जैसे प्रमुख क्षेत्रों में भी मानकीकरण

किया गया है।

जीएसवीए किसी राज्य या केंद्र शासित प्रदेश के भीतर आर्थिक गतिविधियों को मापने का एक महत्वपूर्ण संकेतक है, जो सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के निर्धारण में अहम भूमिका निभाता है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को भारतीय रुपया 19 पैसे की गिरावट के साथ ही 94.41 पर बंद हुआ। आज शुरुआती कारोबार में रुपया 45 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.67 पर पहुंच गया। अमेरिका और ईरान की सेनाओं के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य के पास गोलीबारी की खबरों के बीच ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतें बढ़कर 101.00 डॉलर प्रति बैरल होने से भी घरेलू मुद्रा दबाव में है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि इससे निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.58 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में टूटकर 94.67 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 45 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया गुरुवार को शुरुआती नुकसान की भरपाई करते हुए 27 पैसे की बढ़त के साथ 94.22 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.14 फीसदी की बढ़त के साथ 98.20 पर रहा।

पश्चिम एशिया संकट से निपटने एसबीआई बांटेगा 80000 करोड़ तक का लोन

कारोबारों को 2.55 लाख करोड़ की ईसीएलजीएस 5.0 की मंजूरी मिली

मुंबई ।

पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव से जूझ रहे भारतीय कारोबारों को राहत देने के लिए केंद्र सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय कैबिनेट ने 2.55 लाख करोड़ रुपये की कुल परिव्यय वाली इमरजेंसी क्रेडिट लाइन गारंटी स्कीम (ईसीएलजीएस 5.0) को आधिकारिक तौर पर मंजूरी दे दी है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने इस योजना को लागू करने की तैयारी पूरी कर ली है और अपने ग्राहकों को 80,000 करोड़ रुपये तक का अतिरिक्त वर्किंग कैपिटल लोन देने की रूपरेखा तैयार की है।एसबीआई चेयरमैन सी.एस. शेट्टी के अनुसार बैंक के पास पात्र ग्राहकों का डेटाबेस पहले से मौजूद है और गाइडलाइंस जारी होते ही यह ऋण सुविधा उपलब्ध होगी। पूरे बैंकिंग सिस्टम में 1.1 करोड़ से अधिक लाभार्थी इस योजना से लाभान्वित हो सकते हैं।

योजना के तहत सभी एमएसएमई पात्र हैं, जबकि संकट से प्रभावित गैर-एमएसएमई को भी इसका लाभ मिलेगा। एविएशन सेक्टर के लिए विशेष रूप से 5,000 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है, जिसकी चुकौती अवधि 7 साल तय की गई है। अन्य सामान्य व्यवसायों के लिए लोन चुकाने की अवधि 4 से बढ़ाकर 5 साल की गई है। बिजली, टेलीकॉम और शैक्षणिक संस्थान जैसे कुछ गैर-एमएसएमई क्षेत्रों को योजना से बाहर रखा गया है। यह योजना जन समर्थ पोर्टल के माध्यम से डिजिटल रूप से लागू की जाएगी। पिछले ईसीएलजीएस संस्करणों का ट्रैक रिकॉर्ड सकारात्मक रहा था, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि वर्तमान पहल मौजूदा भू-

राजनीतिक अस्थिरता के बीच भारतीय कारोबारों और एमएसएमई सेक्टर को मजबूत तरलता प्रदान कर वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के झटकों से बचाने में एक अहम भूमिका निभाएगी।

पीएफ ट्रस्ट के नियम बदले- ब्याज पर लगाम, ऑडिट अब रिस्क-आधारित

छूट प्राप्त कंपनियों पर बढ़ेगी निगरानी, एमएंडए में भी जारी रहेगी पीएफ सुविधा

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने निजी पीएफ ट्रस्ट (छूट प्राप्त पीएफ ट्रस्ट) संचालित करने वाली कंपनियों के लिए नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज द्वारा अनुमोदित इन नए प्रावधानों का उद्देश्य निगरानी को अधिक प्रभावी बनाना और कर्मचारियों के हितों को सुरक्षित रखना है। नए नियमों के अनुसार, अब कोई भी छूट प्राप्त पीएफ ट्रस्ट ईपीएफओ द्वारा घोषित वार्षिक ब्याज दर से 2 प्रतिशत से अधिक ब्याज नहीं दे सकेगा। यह कदम अत्यधिक रिटर्न देकर वित्तीय संतुलन बिगड़ने से रोकने और वित्तीय समझदारी बनाए रखने के लिए उठाया गया है। कंपनियों के लिए सालाना अनिवार्य ऑडिट की जगह अब रिस्क-आधारित निगरानी प्रणाली लागू होगी। इसका मतलब है कि केवल उन्हीं ट्रस्टों की जांच की जाएगी जिनमें नियमों के उल्लंघन या वित्तीय जोखिम की आशंका होगी, जिससे नियमों का पालन करने वाली कंपनियों को बार-बार के ऑडिट से राहत मिलेगी। विलय और अधिग्रहण (एमएंडए) से जुड़े मामलों में,

किसी कंपनी के बिकने या विलय होने पर उसका ईपीएफओ के तहत मिला 'एग्जेंप्शन स्टेटस' स्वतः समाप्त नहीं होगा, जिससे कारोबार में स्थिरता बनी रहेगी। यदि कोई ट्रस्ट बंद होता है, तो उसे सार्वजनिक नोटिस जारी करना होगा और सभी निष्क्रिय या बिना केवाईसी वाले खातों को ईपीएफओ में ट्रांसफर करना अनिवार्य होगा।

सरकार का कहना है कि इन बदलावों से पारदर्शिता बढ़ेगी, कारोबार सुगम होगा और कर्मचारियों के हित अधिक सुरक्षित होंगे।

तेजी से बढ़ रहा भारतीय रक्षा क्षेत्र, अप्रैल में मिली कई ऐतिहासिक उपलब्धियां

रक्षा बजट का पूरा इस्तेमाल और रिकॉर्ड निर्यात से सेक्टर में मजबूत ग्रोथ की उम्मीद

नई दिल्ली ।

भारतीय रक्षा क्षेत्र अभूतपूर्व तेजी से आगे बढ़ रहा है। अप्रैल 2026 में देश ने कई ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल कीं, जिनमें तीसरी परमाणु ताकत से चलने वाली बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी आईएनएस अरिधमन का बेड़े में शामिल होना और लंबी दूरी के स्वदेशी ड्रोन प्लेटफॉर्म प्रोजेक्ट केएएल का अनावरण प्रमुख हैं। बढ़ते रक्षा बजट तेज खरीद और रिकॉर्ड निर्यात ने इस सेक्टर के लिए मजबूत ग्रोथ की नींव रखी है। ब्रोकरेज हाउस आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने एचएएल और सोलर इंडस्ट्रीज को पसंदीदा शेयर बताते हुए कहा है कि भारतीय रक्षा कंपनियों के लिए माहौल काफी मजबूत बना हुआ है। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 1.86 लाख करोड़ रुपये के पूंजीगत रक्षा बजट का पूरा उपयोग किया गया, साथ ही एमआर-एसएएम मिसाइल सिस्टम की दो रेजिमेंटों की खरीद को भी मंजूरी मिली। देश का रक्षा निर्यात पिछले वित्त वर्ष में 63 फीसदी की रिकॉर्ड वृद्धि के साथ 3.84 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जिसमें निजी कंपनियों का योगदान भी तेजी से बढ़कर 45 फीसदी हो गया है। प्रमुख रक्षा कंपनियों को भी बड़े ऑर्डर मिले हैं। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) को 570 करोड़ रुपये के नए ऑर्डर मिले, जबकि सोलर इंडस्ट्रीज की सहयोगी कंपनी ने भारतीय सेना को 60 किलोमीटर तक मार करने वाला पिनाका मार्क-1 सिस्टम सौंपा। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने ध्रुव मार्क-3 हेलीकॉप्टर की आपूर्ति शुरू कर दी है और अमेरिकी कंपनी जीई पर तेजस मार्क-1ए लड़ाकू विमान के इंजन की आपूर्ति में देरी के लिए जुर्माना भी लगाया। एचएएल को रूस से 13,500 करोड़ रुपये के सुखोई-30 विमान के 12 किट भी मिले हैं। शिपबिल्डिंग क्षेत्र में भी तेजी दिख रही है, मझगांव डॉक ने चौथे फास्ट पेट्रोल वेसल का काम शुरू किया और श्रीलंका की कोलंबो डॉकयार्ड में 51 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी। कोचीन शिपयार्ड और गोवा शिपयार्ड ने भी नौसेना के लिए महत्वपूर्ण युद्धपोत और ऑफशोर पेट्रोल वेसल डिलीवर किए। ड्रोन और हथियार निर्माण में भी भारत आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। होवर आईटी उत्तर प्रदेश में दिव्यास्त्र एमके2 ड्रोन बनाने का प्लांट लगा रही है, जबकि इनसइडएफपीवी ड्रोन ने रक्षा मंत्रालय को 100 करोड़ रुपये के ड्रोन भेजे।

पीएम सलाहकार परिषद ने सामाजिक समानता पर केंद्रित पीएसएल ढांचे की सिफारिश की

छोटे किसानों, सूक्ष्म उद्यमों और कमजोर वर्गों को मिले प्राथमिकता; बैंकों को मिलेगी सुविधा

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) ने भारत के प्राथमिकता क्षेत्र ऋण (पीएसएल) ढांचे में एक बड़े बदलाव की वकालत की है। परिषद ने सिफारिश की है कि बैंकों के अनिवार्य ऋण लक्ष्यों में आर्थिक लाभ के बजाय सामाजिक समानता पर जोर दिया जाए, ताकि वास्तविक जरूरतमंदों तक वित्तीय पहुंच सुनिश्चित हो सके। ईएसी-पीएम ने तर्क दिया है कि पीएसएल को समय के साथ विस्तारित व्यापक क्षेत्रीय वर्गीकरणों को बनाए रखने के बजाय मुख्य रूप से लघु व सीमांत किसानों, सूक्ष्म उद्यमों और कमजोर वर्गों के लिए ऋण पहुंच में सुधार पर केंद्रित होना चाहिए। परिषद ने स्पष्ट रूप से कहा है कि पीएसएल का ध्यान आर्थिक समानता से हटाकर सामाजिक समानता की ओर ले जाना चाहिए, जिसमें अपने मूल लक्ष्यों - छोटे और सीमांत किसानों, सूक्ष्म उद्यमों और कमजोर वर्गों को ऋण उपलब्ध कराने पर फिर से जोर दिया जाए। अप्रासंगिक हो चुके पुराने प्रावधानों को हटाया जा सकता है, और लक्ष्यों को तदनुसार समायोजित किया जा सकता है। परिषद ने सुझाव दिया है कि लघु एवं सीमांत किसानों और कमजोर वर्गों के लिए उप-लक्ष्य जारी रखने चाहिए, जबकि समग्र कृषि ऋण जैसे व्यापक लक्ष्यों पर पुनर्विचार किया जा सकता है। मौजूदा कृषि वर्गीकरण में बड़े और कॉरपोरेट कृषि इकाइयों को दिए जाने वाले ऋण भी शामिल हैं, जिस पर परिषद ने चिंता जताई। इसी प्रकार, सूक्ष्म उद्यमों के लिए समर्थन बनाए रखते हुए अन्य उद्यम श्रेणियों को शामिल करने की समीक्षा करने की सिफारिश की गई है। परिषद का मानना है कि अनिवार्य श्रेणियों की संख्या कम करने से बैंकों को वित्तीय समावेशन के सामाजिक उद्देश्य को बनाए रखते हुए ऋण देने में अधिक लचीलापन मिल सकता है। वर्तमान में, भारतीय रिजर्व बैंक के मानदंडों के तहत बैंकों को अपने समायोजित शुद्ध बैंक ऋण का 40 प्रतिशत प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को आवंटित करना अनिवार्य है।

प्रिंस की गेंद ने उड़ाया विकेट, देखकर हैरान हुए विराट

लखनऊ (एजेंसी)। आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली शुरुआत में ही प्रिंस यादव का शिकार बने। इस मैच में दूसरा ओवर फेंकने आए प्रिंस के सामन विराट थे। प्रिंस की पहली गेंद पर कोहली ने सतर्कता बरती। अगली गेंद, 140.4 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आई। प्रिंस ने पहली गेंद आउटस्विंगर डाली थी, लेकिन इस बार गेंद पिच पर टप्पा खाने के बाद बिजली की तेजी से अंदर की तरफ घूम गई। कोहली एक शानदार फॉरवर्ड पुश खेलने के लिए आगे बढ़े, लेकिन गेंद और बल्ले के बीच इतना फासला रह गया कि किसी को कुछ समझ ही नहीं आया। गेंद ने कोहली के डिफेंस को भेदते हुए सीधा ऑफ स्टंप उखाड़ दिया, जिससे स्टंप्स हवा में बिखर गये।

जैसे ही स्टंप्स की गिल्लियां हवा में बिखरीं, पूरा इकाना स्टेडियम एक पल के लिए सुन्न हो गया। विराट क्रीज पर ही देखते रह गए। वह हैरान होकर पिच को ताकने लगे। उन्हें भरोसा ही नहीं हो रहा था कि एक युवा और अनुभवहीन गेंदबाज ने उनकी तकनीक में सेंध लगा दी है। कोहली के चेहरे पर अविश्वास के भाव थे, मानो वह खुद से पूछ रहे हों कि गेंद इतनी अंदर कैसे आई। सिर्फ 2 गेंदों का सामना और स्कोरबोर्ड पर 0 रन। यह 'गोल्डन डक' तो नहीं था, लेकिन यह 2-बॉल डक आरसीबी के प्रशंसकों के लिए किसी सदमे से कम नहीं था। दूसरी तरफ, प्रिंस यादव हवा में मुक्के मारते हुए खुशी से झूम रहे थे। एक युवा गेंदबाज के लिए विराट कोहली का विकेट लेना किसी सपने के सच होने जैसा था। कोहली कुछ पलों तक वहीं खड़े रहे, फिर भारी मन से पवेलियन की ओर चल दिए।

आईपीएल में आज होगा राजस्थान रायल्स और गुजरात टाइटंस का मुकाबला

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स की टीम शनिवार को आईपीएल में यहां के सवाई मानसिंह स्टेडियम में गुजरात टाइटंस से खेलेगी। रॉयल्स का लक्ष्य इस मैच में घरेलू मैदान पर जीत दर्ज कर प्लेऑफ की ओर कदम बढ़ना रहेगा। अभी तक इस सत्र में दोनो ही टीमों ने छह-छह मैच जीतकर 12 अंक हासिल किये हैं। दोनो ही टीमों के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं जिससे ये मुकाबला रोमांचक होना तय है। राजस्थान के पास यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी जैसे बल्लेबाज हैं जो उसे बड़ी स्कोर तक पहुंचा सकते हैं जबकि जोफ्रा आर्चर, रवि बिश्नोई जैसे गेंदबाज हैं। टीम के कप्तान रियान पराग भी इस मैच में जीत के साथ ही टीम को आगे ले जाना चाहेंगे। वहीं गुजरात के पास कप्तान शुभमन गिल के अलावा साई सुदर्शन जैसा बेहतरीन बल्लेबाज हैं। गेंदबाजी में उसके पास कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज के अलावा राशिद खान जैसा स्टार गेंदबाज है। मौजूदा सीजन में यहां अब तक दो मुकाबले खेले गए हैं जो कि दोनों ही लक्ष्य का पीछा करने वाली टीमों ने जीते हैं। ऐसे में टॉस जीतने वाली टीम यहां पहले गेंदबाज़ी ही करना चाहेगी। ऐसे में पहले पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम को अपने स्कोर का बचाव करने कम से कम 220 रन बनाने होंगे। आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो ही टीमों के बीच कुल 9 मुकाबले हुए हैं जिसमें से रॉयल्स ने 3 जबकि टाइटंस ने 0 जीते हैं। इस प्रकार देखा जाये तो गुजरात की दावेदारी मजबूत नजर आती है।

टीम इस प्रकार है

राजस्थान रॉयल्सः रियान पराग (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविंद्र जडेजा, डोनोवन फरेरा, शुभम दुबे, जोफ्रा आर्चर, रवि बिश्नोई, नंद्रे बर्गर, बृजेश शर्मा। इम्पैक्ट प्लेयर-तुषार देशपांडे।

गुजरात टाइटंसः शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, निशांत सिंधु, राहुल तेवतिया, जेसन होल्डर, अरशद खान, राशिद खान, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज। इम्पैक्ट प्लेयर-मानव सुथार।

श्रेयस अय्यर बन सकते हैं भारतीय टीम के कप्तान, सूर्यकुमार यादव का कटेगा पत्ता

मुम्बई (एजेंसी)। श्रेयस अय्यर को जल्द ही उनकी शानदार IPL कप्तानी के रिकॉर्ड का इनाम मिल सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक भारतीय चयनकर्ता उन्हें भारत की टी20आई टीम के अगले कप्तान के तौर पर देख रहे हैं। इस कदम से मौजूदा कप्तान सूर्यकुमार यादव का पत्ता कट सकता है।

रिपोर्ट्स के अनुसार भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) भविष्य के लिए एक नया टी20आई सेटअप तैयार करना चाहता है, जिसमें श्रेयस अय्यर टीम की कप्तानी करने के लिए सबसे आगे चल रहे हैं। भारत एक व्यस्त टी20 कैलेंडर की तैयारी कर रहा है जिसमें 2028 का टी20 विश्व कप और 2028 के ग्रीष्मकालीन ओलंपिक शामिल हैं, जहां क्रिकेट की खेलों में वापसी होगी।

फ्रैंचाइजी क्रिकेट में एक कप्तान के तौर पर श्रेयस अय्यर के उभार ने कथित तौर पर चयनकर्ताओं की सोच में एक बड़ी भूमिका निभाई है। इस स्टाइलिश बल्लेबाज ने 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स को उनका तीसरा IPL खिताब दिलाया और उसके बाद पंजाब किंग्स को IPL 2025 के फाइनल तक पहुंचाया। उनके नेतृत्व कौशल, रणनीतिक समझ और दबाव वाली स्थितियों को संभालने की क्षमता की भारतीय क्रिकेट जगत में खूब तारीफ हुई है।

इसके विपरीत सूर्यकुमार यादव पिछले कुछ महीनों से अपनी फॉर्म से जूझ रहे हैं। इस 35 वर्षीय बल्लेबाज ने टी20 विश्व कप के दौरान 9 पारियों में 242 रन बनाए जिसमें से 84 रन उन्होंने USA के खिलाफ एक ही पारी में बनाए थे। उनकी खराब फॉर्म IPL 2026 में भी जारी रही, जहां मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन निराशाजनक रहा और वे पॉइंट्स टेबल में सबसे नीचे के पायदान पर बने हुए हैं।

भारत इस साल के अंत में आयरलैंड के खिलाफ दो टी20आई मैच और उसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी20आई सीरीज खेलने वाला है। यह सीरीज भारतीय टी20 क्रिकेट में श्रेयस अय्यर के युग की शुरुआत साबित हो सकती है।

आरसीबी से मुकाबले से पहले मुंबई इंडियंस के लिए अच्छी खबर, कप्तान हार्दिक पांड्या टीम से जुड़े

रायपुर (छत्तीसगढ़) (एजेंसी)। कप्तान और स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या पीठ में खिंचाव के कारण पिछला मैच नहीं खेल पाए थे, अब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ अपने अहम IPL 2026 मुकाबले से पहले रायपुर में मुंबई इंडियंस (MI) टीम से जुड़ गए हैं। इस बात की पुष्टि फ्रेंचाइजी के इंस्टाग्राम पेज पर की गई जहां उन्होंने अपने कप्तान हार्दिक की एक पोस्ट शेयर की।

लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ MI के पिछले IPL 2026 मुकाबले के दौरान हार्दिक की जगह सूर्यकुमार यादव ने टीम की कप्तानी की थी। LSG पर मुंबई की शानदार जीत के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में रयान रिकेटन ने हार्दिक की चोट को लेकर उठ रही चिंताओं पर बात की। रिकेटन ने कहा, 'मुझे नहीं पता कि उनके कब तक वापस आने की उम्मीद है। मुझे आज दोपहर ही पता चला कि उनकी पीठ में खिंचाव है, इसलिए मुझे यह नहीं पता कि यह कितना गंभीर है। मैं इसे चोट नहीं कहना चाहूंगा; मुझे नहीं पता कि यह कितनी बुरी है या उन्हें कैसा महसूस हो रहा है। लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि इस हफ्ते जब हम रायपुर जाएंगे, तो वह फिर से टीम के साथ होंगे।'

शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में एक पूरा ट्रेनिंग सेशन तय है और उम्मीद है कि पांड्या शुक्रवार को नेट्स में टीम के साथ अभ्यास करेंगे। डिफेंडिंग चैंपियन RCB रविवार शाम को होने वाले एक जबरदस्त मुकाबले में 5 बार की चैंपियन टीम की मेजबानी करेगी। सात हार और तीन जीत के साथ मुंबई इंडियंस पॉइंट्स टेबल पर नौवें स्थान पर है और प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी थोड़ी-बहुत उम्मीदों को जिंदा रखने के लिए उसे अपने बचे हुए सभी मैच जीतने होंगे। इस बीच लखनऊ में रस्त से हारने के बाद बेंगलुरु की टीम तीसरे स्थान पर खिसक गई है, और इस टूर्नामेंट में यह उनकी चौथी हार है।

रोनाल्डो ने सऊदी प्रो लीग में किया अपना 100वां गोल

रियाद। दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने सऊदी प्रो लीग में अपना 100वां गोल किया जिससे अल-नासर ने अल-शबाब को 4-2 से हराकर तालिका में शीर्ष पर पांच अंकों की बढ़त बना ली। इस 41 वर्षीय फॉरवर्ड ने गुरुवार को मैच समाप्त होने से 15 मिनट पहले साडियो माने के क्रॉस पर हुए गोल किया जो उनके करियर का 971वां गोल है। यह इस सत्र में लीग में उनका 26वां गोल भी था। चेल्सी के पूर्व खिलाड़ी जोआओ फेलिक्स ने अल-नासर की तरफ से तीन गोल किए। इस जीत से अल-नासर के 32 मैचों में 82 अंक हो गए हैं, जो दूसरे नंबर पर काबिज अल-हिलाल से पांच अंक अधिक हैं। अल-हिलाल को अभी तीन मैच खेलने हैं जो अल-नासर से एक अधिक है। पांच बार के बैलोन डीओर विजेता रोनाल्डो दिसंबर 2022 में अल-नासर से जुड़े थे लेकिन उनकी मौजूदगी में इस टीम ने सऊदी अरब में अभी तक कोई बड़ी ट्रॉफी नहीं जीती है।

आईपीएल को लेकर बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने जारी की नई एडवाइजरी

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 सत्र में कई नियमों के उल्लंघन पर नाराजगी जताते हुए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव देवजीत सैकिया ने खिलाड़ियों और टीम मालिकों के लिए एक नई एडवाइजरी जारी की है। इसमें कई नियमों के साथ ही आचार संहिता के पालन पर भी जोर दिया गया है। इस दौरान बोर्ड की एंटी-करप्शन यूनिट (एसीयू) ने डग-आउट में अनधिकृत व्यक्तियों के मौजूद रहने के साथ ही ऐसे कई ऐसे नियमों के उल्लंघन की ओर इशारा किया है जो अभी तक सार्वजनिक नहीं हुए हैं। जिससे बोर्ड को ये कदम उठाना पड़ा है। बोर्ड को आशंका है कि इससे फिक्सिंग और हनी-ट्रैप के मामले हो सकते हैं। इन जानकारियों के आधार पर, बीसीसीआई ने सभी आईपीएल टीमों को एक एडवाइजरी भी भेजी है और इस सप्ताह के अंत में सभी फ्रेंचाइजी के सीईओ की एक बैठक भी बुलाई है। इस बैठक का लक्ष्य उन्हें नियमों की याद दिलाना और उन टीमों या व्यक्तियों के खिलाफ उचित कार्रवाई करना है जिन्होंने नियमों का पालन नहीं किया है। सैकिया ने बताया कि अनधिकृत लोग टीम बस, होटलों और डग-आउट एरिया में यात्रा करते या घूमते पाए गए हैं, जो सुरक्षा और अखंडता के लिए खतरा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि खिलाड़ियों और टीमों के आचरण से जुड़े नियम 2008 से लागू हैं, लेकिन हाल के दिनों में इन नियमों को लेकर लापरवाही देखी गई है। बोर्ड अब किसी भी उल्लंघन पर ढिलाई नहीं बरतेगा और आगामी बैठक में सभी को इस एडवाइजरी के महत्व के बारे में विस्तार से समझाया जाएगा। नई एडवाइजरी में बीसीसीआई ने कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। बोर्ड ने चेताया है कि हाई-प्रोफाइल खिलाड़ियों को निशाना बनाकर उन्हें हनी-ट्रैप में फंसाया जा सकता है। ऐसे में टीमों को हर समय सतर्क रहने को कहा गया है। इसके अलावा, टीम मैनेजर की लिखित अनुमति के बिना कोई भी बाहरी व्यक्ति खिलाड़ी या स्टाफ के कमरे में नहीं जा सकता; मेहमानों से केवल होटल की लॉबी या पब्लिक एरिया में ही मिला जा सकता है। कुछ खिलाड़ियों द्वारा सुरक्षा अधिकारियों को बताए बिना होटल से बाहर जाने की प्रवृत्ति पर भी रोक लगाई गई है; अब होटल से बाहर जाने के लिए सुरक्षा अधिकारी से मंजूरी लेना अनिवार्य है और खिलाड़ियों के मूवमेंट का पूरा रिकॉर्ड रखा जाएगा। यह भी स्पष्ट किया गया है कि खिलाड़ियों को स्टेडियम, होटल और प्रैक्टिस के दौरान अपना आईडी कार्ड हमेशा गले में पहनना होगा, और आईडी दिखाने में आनाकानी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इस साल के अंत में त्रिकोणीय एकदिवसीय सीरीज की मेजबानी करेगा पाकिस्तान, इंग्लैंड और श्रीलंका भी होंगे शामिल

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के लिए आने वाला सत्र काफी व्यस्त रहने वाला है। पाक इस साल के अंत में एक त्रिकोणीय सीरीज की मेजबानी करेगा जिसमें इंग्लैंड और श्रीलंका की टीमें भी खेलेंगी। यह सीरीज अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में आयोजित होने की संभावना है। पाकिस्तान, इंग्लैंड और श्रीलंका के क्रिकेट बोर्ड के बीच इस पर सहमति तकरीबन बन गयी है। केवल मैच स्थलों को अंतिम रुप दिया जा रहा है। टी20 क्रिकेट के कारण आजकल एकदिवसीय त्रिकोणीय सीरीज का आयोजन अब काफी कम हो गया है। लगभग डेढ़ दशक पहले तक ये काफी लोकप्रिय थीं, लेकिन वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इनका आयोजन कभी-कभी ही होता है। ऐसे में इस त्रिकोणीय सीरीज का आयोजन पाकिस्तान के लिए एक महत्वपूर्ण घटना होगी, जिससे देश में उच्च-स्तरीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की वापसी को और भी मजबूती मिलेगी। त्रिकोणीय सीरीज के अलावा, श्रीलंकाई क्रिकेट टीम भी पाकिस्तान का दौरा कर सकती है, जिसमें दो टेस्ट और तीन टी20 मैच शामिल होने की संभावना है। इन आयोजनों से पहले, पाकिस्तान क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की मेजबानी करेंगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम 30 मई, 2 जून और 4 जून को तीन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज खेलेगी। सीरीज का पहला मैच रावलपिंडी में खेला जाएगा, जबकि शेष दो मुकाबले लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेले जाएंगे। इस सीरीज में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में व्यस्त होने के कारण, पैट कमिंस सहित कई प्रमुख ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी अनुपलब्ध रह सकते हैं, क्योंकि आईपीएल 31 मई तक चलने वाला है। ऐसे में, एक नई ऑस्ट्रेलियाई टीम के पाकिस्तान पहुंचने की संभावना है।

लखनऊ को प्लेऑफ में पहुंचने बड़े अंतर से जीतने होंगे अपने सभी मुकाबले

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मिली जीत से लखनऊ सुपर जाएंट्स के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें बन गयी हैं। आरसीबी के खिलाफ मिली इस जीत से टीम में उत्साह का संचार भी हुआ है। इस तीसरी जीत के बावजूद, लखनऊ सुपर जाएंट्स की स्थिति अंक तालिका में अभी भी बेहद कठिन बनी हुई है। 10 मैच खेलने के बाद सुपर जाएंट्स की टीम अब तक केवल 3 मैच जीती है जबक 7 हारी है। जिससे वह कुल 6 अंकों के साथ ही अंक तालिका में 10वें स्थान पर ही है। ऐसे में प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए उन्हें अब अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

सुपर जाएंट्स के अभी चार लीग मैच बाकी हैं और प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए इन सभी मैचों में उसे जीत हासिल करनी होगी। है। यदि एलएसजी अपने सभी शेष चार मैच जीत लेती है, तो उनके कुल अंक 14 हो जाएंगे। आमतौर पर, आईपीएल में प्लेऑफ के लिए 14 अंक पर्याप्त नहीं हैं। इससें टीम नेट रन रेट में बेहतर होने पर ही आगे जा सकती है। इसलिए सुपर जाएंट्स को अपने बचे हुए मैच बड़े अंतर से जीतना होंगे।, इसके अलावा लखनऊ को अन्य टीमों के परिणामों पर निर्भर रहना होगा। उन्हें उम्मीद करनी होगी कि प्लेऑफ की दौड़ में शामिल कुछ टीमें अपने महत्वपूर्ण मैच हार जाएं ताकि 14 अंकों का आंकड़ा उन्हें शीर्ष-4 में ले जा सके।

उसके अब 10 मई को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ, 15 मई को फिर चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ, 19 मई को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ और 23 मई को पंजाब किंग्स के खिलाफ खेलना है।

आईपीएल में इस बार पंजाब के खिताब जीतने की सबसे अधिक उम्मीद : इरफान पठान

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर इरफान पठान का मानना है कि IPL 2026 में इस बार कोई नई टीम खिताब जीत सकती है। पठान के अनुसार पंजाब किंग्स ने इस बार बेहतरीन प्रदर्शन किया है और उसके खिताब जीतने की काफी उम्मीदें हैं। आईपीएल में करीब 50 मुकाबले हो गये हैं और प्लेऑफ के लिए दावेदारी तेज हो गयी है। पंजाब की टीम पिछले साल उपविजेता रही थी। इस बार वह अंक तालिक में दूसरे नंबर पर है। जबकि पिछले साल की विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) तीसरे नंबर पर हैं। पठान को उम्मीद है कि इस बार श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पंजाब पहली बार खिताब जीत सकती है। पठान ने कहा, पंजाब के पास बहुत अच्छा मौका है। वे प्रभावी क्रिकेट खेल रहे हैं और उनके पास एक अच्छा संयोजन है। टीम के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं बस उसे एक और स्पिनर की जरुरत है जिसकी कमी ऑस्ट्रेलिया के कूपर कोनोली पूरी कर सकते हैं। पठान ने इसके अलावा कहा कि दिल्ली कैपिटल्स की भी संभावनएं हैं हालांकि टीम अभी अंक तालिका में पीछे है पर उसे मुकाबले से बाहर नहीं माना जा सकता है। इसका कारण है कि दिल्ली भी अच्छी टीम है। अभी उसकी संभावनएं कम लग रही हैं पर उसमें क्षमताएं हैं। वही दूसरी ओर पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना का मानना है कि इस बार भी मौजूदा चैंपियन आरसीबी अपना खिताब बनाये रखने में सफल रहेगी। रैना ने कहा, मुझे लगता है कि आरसीबी अपने खिताब का बचाव कर सकती है। जिस तरह से वे खेल रहे हैं, और जिस तरह से उनकी गेंदबाज़ी इकाई काम कर रही है जिसमें कप्तान रजत पाटीदार आगे बढ़कर नेतृत्व कर रहे हैं वह काफी प्रभावशाली रहा है। यह केवल 240-250 जैसे बड़े स्कोर बनाने के बारे में नहीं है; बल्लेबाजी ईकाई में हर कोई अपनी भूमिका को अच्छी तरह समझता है। इसके अलावा कहा कि राजस्थान रॉयल्स और गुंजरात टाइटंस भी खिताब की दावेदार नजर आती है। उन्होंने कहा कि रॉयल्स और गुजरात के खिलाड़ियों ने भी अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है।

टी20 में टिके रहने गेंदबाजों को विविधता लाने के साथ ही नये अस्त्र जोड़ने होंगे : क्रुणाल पांड्या

लखनऊ (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के ऑलराउंडर क्रुणाल पांड्या ने कहा है कि आजकल जिस प्रकार से टी20 प्रारुप में बल्लेबाज नियमों का लाभ उठाते हुए आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे हैं। उसे देखते हुए गेंदबाजों को भी विविधता अपनानी पड़ेगी तभी वे मुकाबले में टिक पायेंगे। क्रुणाल ने कहा, अगर आप पिछले एक दशक से आईपीएल को करीब से देख रहे हैं, तो अपने देखा होगा कि बल्लेबाजों की आक्रामकता में तेजी आई है। आज पावर-हिटिंग लगातार विकसित हो रही है और नए जमाने के बल्लेबाज आसानी से बड़े शॉट लगा रहे हैं। ऐसे में गेंदबाज के रूप में, आपको विविधत लाते हुए नये प्रयोग करते रहने होंगे। नये प्रकार के अस्त्र लाकर ही गेंदबाज हावी हो सकते हैं। इसके लिए उन्हे बल्लेबाजों से एक कदम आगे रहना होगा।। इसी कारण उन्होंने वह बाउंसर और यॉर्कर जैसी गेंदों फेंकने लगे हैं।

इस सीजन में अब तक 9 विकेट लेने वाले और आईपीएल में कुल 100 विकेट का आंकड़ा पार कर चुके क्रुणाल ने मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए खेलते हुए अपने को प्रासंगिक बनाए रखा है। एक स्पिनर होने के बावजूद, उन्होंने बाउंसर पर भरोसा किया। उन्होंने बताया कि यह अचानक नहीं था कि एक स्पिनर के तौर पर उन्होंने बाउंसर फेंकना शुरू कर दिया। यह एक सोची-समझी योजना थी, जिसमें बल्लेबाज पर बाउंसर के मनोवैज्ञानिक प्रभाव को समझना शामिल था। खुद बल्लेबाज होने के नाते, उन्हें प्रतिद्वंद्वी की मानसिकता समझने में मदद मिलती है, जिससे वह हमेशा सोचने की प्रक्रिया में एक कदम आगे रहने की कोशिश करते हैं।

क्रुणाल की रणनीति उनके कमजोर स्कोरिंग क्षेत्रों को निशाना बनाने पर केंद्रित होती है। अगर कोई बल्लेबाज कवर्स के ऊपर से आसानी से रन बनाता है, तो क्रुणाल उसे मिड-विकेट के ऊपर से शॉट खेलने के लिए मजबूर करने की कोशिश करते हैं। इसी तरह, अगर उसे स्लॉग स्वीप पसंद है, तो उसे लॉन्ग ऑफ के ऊपर से शॉट खेलने पर मजबूर किया जाता है।

केएल राहुल ने रचा इतिहास, तीन अलग-अलग फ्रेंचाइजियों के लिए 1000 से ज्यादा रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने

नई दिल्ली। अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच हुए मुकाबले के दौरान केएल राहुल ने अपने IPL करियर में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की। राहुल की पारी 23 रन पर ही समाप्त हो गई, लेकिन दिल्ली कैपिटल्स के इस बल्लेबाज ने IPL के इतिहास में ऐसा पहला खिलाड़ी बनकर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया जिसने तीन अलग-अलग फ्रेंचाइजियों के लिए 1000 से ज़्यादा रन बनाए हों। राहुल ने अब पंजाब किंग्स के लिए कुल 2548 रन, लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए 1410 रन और दिल्ली कैपिटल्स के लिए 1002 रन बनाए हैं। यह उपलब्धि इस टूर्नामेंट में पिछले कुछ सालों के दौरान अलग-अलग टीमों और बैटिंग भूमिकाओं में उनकी निरंतरता को दर्शाती है। केएल राहुल का विकेट पांचवें ओवर की आखिरी गेंद पर गिरा जब कार्तिक त्यागी ने एक धीमी गेंद डालकर राहुल को चकमा दे दिया। गेंद को कवर के ऊपर से 'इनसाइड-आउट' शॉट लगाकर हवा में उछालने की कोशिश में राहुल गेंद की पिच तक नहीं पहुंच पाए और गेंद उनके बल्ले का किनारा लेकर मिड-ऑन की तरफ हवा में ऊंची चली गई, जहां कैमरन ग्रीन ने एक शानदार कैच लपक लिया।

टी20 नहीं, वैभव सूर्यवंशी को भारतीय टेस्ट टीम में शामिल करने की सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैभव सूर्यवंशी को भारतीय टीम में शामिल करने की मांग तेज हो रही है जिसमें टी20 ही नहीं टेस्ट टीम में शामिल करने का भी समर्थन मिल रहा है। सूर्यवंशी अभी सिर्फ 15 साल के हैं और पिछले एक साल में उन्होंने जो कुछ हासिल किया है। उन्होंने ज़्यादातर टी20 क्रिकेट खेला है और बीच-बीच में कुछ वनडे भी खेले हैं। रेड बॉल क्रिकेट वह फॉर्मेट है जिसमें उन्होंने सबसे कम खेला है। सिर्फ 8 फर्स्ट-क्लास मैच और कुछ यूथ टेस्ट मैचों के अनुभव के साथ सूर्यवंशी निश्चित रूप से लंबे समय में भारतीय टेस्ट टीम के लिए एक संभावित खिलाड़ी बन सकते हैं, लेकिन वह उस फॉर्मेट के लिए सबसे ज़्यादा उपयुक्त हैं जिसमें उन्होंने सबसे ज़्यादा बेहतरीन प्रदर्शन किया है।

सूर्यवंशी के मेंटर और उन्हें राजस्थान रॉयल्स में लाने के लिए जिम्मेदार ज़ुबिन भरूचा का पक्का मानना है कि इस युवा खिलाड़ी को भारतीय टीम में डेब्यू करवाना ही सबसे सही फैसला होगा। भरूचा का ध्यान 1989 की ओर जाता है, जब BCCI ने युवा सचिन तेंदुलकर पर भरोसा जताया था और उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट कैप सौंपी थी। उसके बाद जो हुआ, जैसा कि कहा जाता है, वह इतिहास है।

भरूचा ने Wisden से कहा, 'यह एक मुश्किल फैसला है, क्योंकि सच कहूं तो अगर आप किसी भी पैमाने जैसे स्कोर, स्ट्राइक-रेट, बनाए गए रन से देखें, तो वह पहले से ही लाइन में इंतजार कर रहे कई लोगों से काफी आगे हैं। मुझे सच में लगता है कि उन्हें विश्वास की वह छलांग लगानी चाहिए, जैसा उन्होंने सचिन तेंदुलकर के साथ किया था और उन्हें सीधे टीम में शामिल कर लेना चाहिए।'

सूर्यवंशी को टेस्ट क्रिकेट में आजमाने को लेकर जरा भी शक नहीं है, लेकिन भरूचा का मानना है कि इस युवा खिलाड़ी में ओपनर होने के अलावा भी बहुत कुछ खास है। उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि तकनीकी रूप से, वह खुद को पूरी तरह से समर्पित नहीं करते। वह हमेशा बैकफुट पर रहते हैं, और मेरे लिए यही बैटिंग का सबसे बड़ा मंत्र है। इसलिए जब गेंद स्विंग हो रही हो, अगर आप अपना फ्रंटफुट आगे नहीं बढ़ाते, तो यह महानतम बल्लेबाजों की निशानी है। सवाल यह है कि क्या हम उन्हें गेंद स्विंग होने पर भी इसी क्रम का पालन करवा सकते हैं। मुझे यह भी लगता है कि ओपनिंग करना उनके लिए सही नहीं है। उनके पास देने के लिए और भी बहुत कुछ है, इसलिए यह कहना गलत होगा कि उन्हें सीधे ओपनिंग स्लॉट में भेज दिया जाए।'

भरूचा ने कहा, 'मैं अभी उन्हें नंबर 4 पर नहीं रखूंगा। वह अभी उससे थोड़ा पीछे हैं। नंबर 5-6, जहां वह शायद 60वें या 70वें ओवर में आकर तेजी से 40-50 रन बना सकते हैं। फिर शायद जब बीच में कहीं नई गेंद आए, तो वह उसे संभालना सीख जाएं। मेरी लंबी अवधि की सोच यह है कि अगर हम उन्हें स्विंग होती गेंद की बारीकियां समझा पाएं कि वह अलग-अलग स्थितियों में उसका सामना कैसे करें। उदाहरण के लिए अगर बेंगलुरु में कोई टेस्ट मैच है, तो वह ओपनिंग करके भी रन बना सकते हैं; लेकिन अगर वह लीड्स या किसी और जगह जाते हैं, जहां आस-पास इतने सारे खिलाड़ी होने की वजह से गेंद ठीक से दिखाई नहीं देती, तो यह एक चुनौती हो सकती है। फिर भी, समय के साथ अगर वह यह सब समझ जाते हैं, तो वह टॉप ऑर्डर में भी उतने ही खतरनाक साबित होंगे जितने कि निचले क्रम में। यही इस पहेली का आखिरी टुकड़ा होगा।'

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां आज पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
आय के अच्छे योग बनेंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-6-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आत्मचिंतन करें। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। योग्यताएं सम्मान दिलायेगी। शुभांक-3-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-7-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-2-6-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। यात्रा परिणाम सुखद रहेगा। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति साथ रहेगी। शुभांक-5-8-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। मन उदास रहेगा। कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-1-2-3

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-2-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गवाएं। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-4-7-8

काकुरो पहेली - 3883

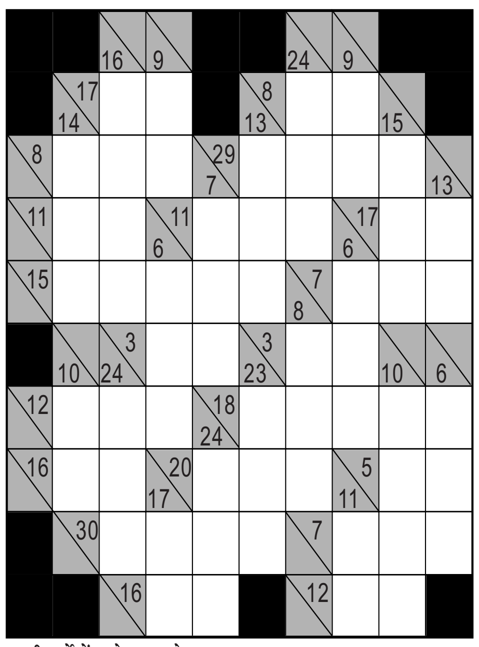

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

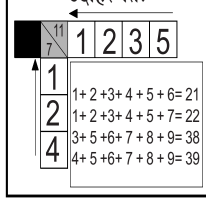

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो -3882 का हल

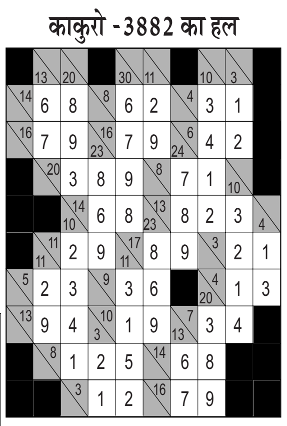

लॉफिंग ज़ोन

गीता (अपने प्रेमी से)- रमन देखो! सामने खिड़की में जो तोता-मैना बैठे हैं, दोनों रोजाना यहाँ आते हैं। साथ-साथ बैठते हैं, प्यार भरी मीठी-मीठी बातें करते हैं और चहचहाते रहते हैं और एक हम हैं कि हमेशा लड़ाई-झगड़ा करते ही रहते हैं।

प्रेमी (प्रेमिका से)- हाँ सही है! लेकिन तुमने उनकी एक खास बात पर ध्यान नहीं दिया, देखो यहाँ बैठने वाले जोड़े में से रोजाना तोता तो वही होता है, पर मैना रोज नई-नई होती है।

□ □ □

एक बार एक कार्यस्थल पर तीन छोटे-छोटे बंदर उधम मचाते हुए अंदर घुस गए। उनके गले में तीन तख्तियाँ टंगी हुई थी, जिनमें लिखा हुआ था, बुरा देखो, बुरा सुनो और बुरा बोलो। वहाँ बैठे एडिटर साहब गाँधीजी के तीन वाक्यों का अनादर होते देख उबल पड़े और बोले- ये वाक्य उल्टे कैसे हो गए?

तभी एक शरारती बंदर बोला- आप जानते नहीं अब हम भी एडिटर हो गए है।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3883

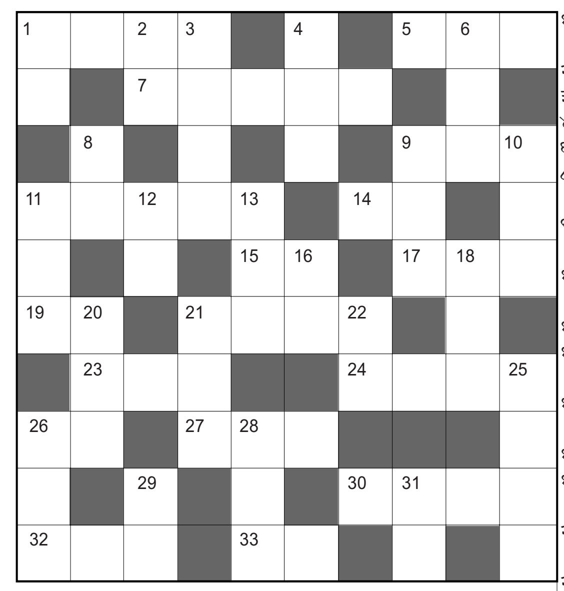

बायें से दायें:-

१. अजय, सुनील शेट्टी, प्रियंका, दीया की 'जाना नहीं था' गीत वाली फिल्म-२,२
५. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना की 'मेरा दिल जिस' गीत वाली फिल्म-३
७. 'चाँद को क्या मालूम' गीत वाली पृथ्वीराज, शेख मुख्तार की फिल्म-२,३
९. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'मुसाफिर जाने वाले' गीत वाली फिल्म-३
११. 'जाओ जाओ हमसे क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ अमृतासिंह की फिल्म-२,३
१४. राजेश खन्ना, बबीता की 'अकेले हैं चले आओ' गीत वाली फिल्म-२
१५. गुड्डू धनोआ निर्देशित इमरान खान, शाहबाज खान, तब्बू की फिल्म-२
१७. करण दीवान, वैजयंतीमाला की 'दुनिया का मजा लेलो' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'तुम मुझे भूल भी जाओ' गीत वाली सुनीलदत्त, वहीदा रहमान की फिल्म-२
२१. जीतेंद्र, रेखा की 'गाँव में होते हँसते रोते' गीत वाली फिल्म-४
२३. प्रकाश झा निर्देशित मनोहरसिंह, अन्नूकपूर, सरला, दीप्ति नवल की फिल्म-३
२४. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर की 'जिक्र होता है जब कयामत का' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. 'दिल में जागी धड़कन ऐसे' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
२७. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-३
३०. फिल्म 'जबर्दस्त' में सनी देओल के साथ नायिक कौन थी-४
३२. जैकी, अमरीश, डिम्पल की 'हम न समझे थे' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'सपने में मिलती है' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज वाजपेयी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. रानी ने इसमें अंधी एवं गूंगी-बहरी लड़की की भूमिका की है-२
२. फिरोज, संजय खान, मुमताज की फिल्म-२
३. 'आज गालो मुस्करालो' गीत वाली फिल्म-४
४. शम्मीकपूर, सायरा की एक फिल्म-३
६. 'सनम तुम हम पे मरते' गीत वाली फिल्म-३
८. 'मैं तुझसे मिलने आई' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-२
९. धर्मेन्द्र, रेखा की 'ऐ हवा ये बता' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'संसार है एक नदिया' गीत वाली विनोद मेहरा, डैनी, मौसमी चटर्जी की फिल्म-३
११. 'तुम तो परदेसी हो' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'ना सतरा से ऊपर ना सोला से कम' गीत वाली नवीन निश्चल, रेखा की फिल्म-२
१३. अशोककुमार, मधुबाला की 'आयेगा आने वाला' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली फिल्म-२
१८. जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता भट्ट की 'अब घर आजा' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'गोरी कँवारी सी हसीना का' गीत वाली अक्षयकुमार, करिश्मा की फिल्म-३
२१. शाहरूख, मनीषा, प्रीति की फिल्म-२,१
२२.फिल्म 'आरम्भ' में राकेश के साथ नायिका-२
२५. राजनीकांत, पद्मिनी, विजेयता की फिल्म-४
२६. 'ऐ यार सुन यारी' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूरस रेखा, परवीन बाबी की फिल्म-३
२८. शॉवरअली, तरूण, मेघना नायडू कीफिल्म-३
२९. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
३१. ऋतिक रोशन, करीना कपूर की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3882

सूडोकु -3883

3	9			1	4			2
1	2		6		3		5	
		5		8	7			9
	7			6	9			8
2	1			5			4	6
4			3	2			9	
9			8	4		5		
	6		9		5		2	4
8			1	7			6	3

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3882 का हल

6	9	2	3	7	4	5	8	1
3	8	5	6	2	1	7	4	9
7	4	1	8	9	5	6	2	3
2	3	9	5	4	6	8	1	7
1	7	4	9	8	3	2	6	5
5	6	8	7	1	2	9	3	4
4	5	7	1	6	8	3	9	2
8	2	3	4	5	9	1	7	6
9	1	6	2	3	7	4	5	8

शब्द पहेली - 3883

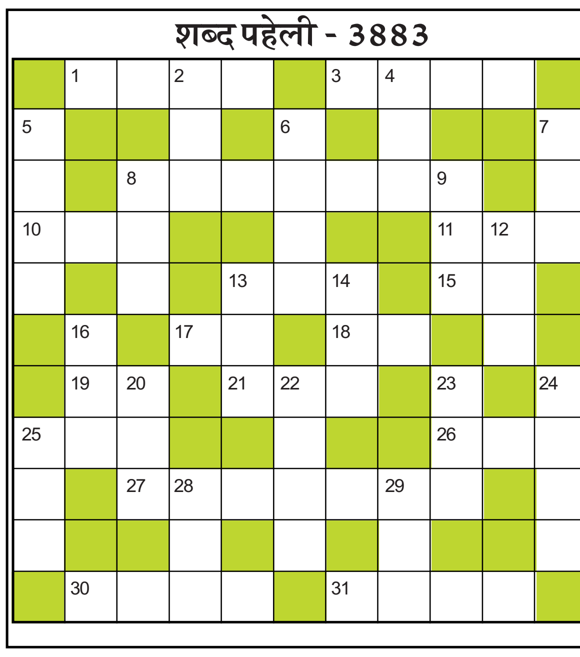

बाएँ से दाएँ

1.नेमत,वर,ईष्टकृपा -4
3.उद्देश्य,ध्येय-4
8.सयाना,चतुर-4,3
10.मनुष्य-3
11.मोल,दाम-3
13.बैठने का स्थान-3
15.दौड़ना (अंग्रेजी-2)
17.पराजित-2
18.वध,कत्ल-2
19.काव्यकार,शायर-2
21.राशिचक्र की दसवीं राशि-3
25.आक्रमण,प्रहार-3
26.पालतू जानवर-3
27.ईश्वर,भगवान-7
30.ईश्वरीय कृपा-4
31.भयभीत होना, डरना-4

ऊपर से नीचे

2.असुर,दैत्य-3
4.गागर,घड़ा-3
5.मन की करना-4
6.प्रार्थना,ईश वंदना-4
7.चरित्र,ईमान-3
8.कार्यविधि-3
9.रेखा,लाईन-3
12.माला का मोती-3
13.राहत,विश्राम-3
14.कैनाल,उपनदी-3
16.नगद राशि-3
20.रुदन -3
22.पक्षियों का शोर-4
23.मध्यांग, कटि-3
24.12 राशियों का समूह-4
25.महल,बड़ा भवन-3
28.सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
29.अदृश्य, जो दिखाई न दे-3

शब्द पहेली -3882का हल

फैशन की दुनिया में बीड्स का जादू

चिपचिपाती गर्मी के दौर ने कोटेड आर्टिफिशियल ज्वेलरी के चलन को बिदाई दे दी है। तो अब क्या हो नया-नवेला फैशन। कुछ ऐसा, जो सुंदर भी हो और आरामदायक भी। सस्ता इतना हो कि फैशन के बदलते ट्रेंड्स के साथ उसे बदलना अखरे नहीं। आसानी से बाजार में मिल जाए और इतना रंग-बिरंगा हो कि हर ड्रेस के साथ खिल जाए। बीड्स इन सारी शर्तों को पूरा करते हैं, तभी तो हैं ये राइट च्वॉइस। बीड्स के साथ एक और खास बात है। आप इयररिंग्स बनवाते समय इन्हें मनचाहे शेप में ढलवा सकती हैं। कलर मैचिंग या कंट्रास्ट के साथ-साथ इनके साइज को भी आपकी पसंद की दरकार है। ब्रेसलेट्स में भी कलर सेंस है आपकी पसंद का मोहताज। नाजुक कलाई पर आप कितने बड़े साइज की बीड्स और उनकी लड़ियाँ सँजोएँगी, यह आप तय सकती हैं। इसी तरह आपकी ड्रेस को खास बनाने के लिए कीजिए गोल्डन और सिल्वर बीड्स का इस्तेमाल। ड्रेस पर प्लास्टिक का इस्तेमाल कम से कम करें।

गले की खूबसूरती निखारने के लिए लीजिए बारीक बीड्स की ढेर सारी लड़ियों का सहारा, जो रंग-बिरंगी हों, तो क्या कहने। आप तीन-चार रंगों की लड़ियाँ लेकर उन्हें आठ-दस बल भी दे सकती हैं। बलखाते रंगों के उतार-चढ़ाव से भरा आपका गला हर किसी का मन मोह लेगा। बीड्स का शेप भी हर मौके के मुताबिक अपनी खास अहमियत रखता है।

बीड्स यानी विभिन्न प्रकार के मोती, जो छा गए हैं फैशन की दुनिया पर। इनका सतरंगी रूप और अलग-अलग आकारों में उपलब्धता बनाती है इन्हें हर एक की पसंद। चाहे ब्रेसलेट की बात हो, इयररिंग्स की, नेकलेजेस की या फिर ड्रेसेस की, आपकी पसंद के मुताबिक बीड्स हैं हर चीज के लिए फिट।

बारीक बीड्स की गले पर कसी हुई माला तो सबकी मनपसंद है, पर किसी खास मौके पर गले में लटकती बड़े बीड्स की लंबी माला भी आपको खास बना सकती है। अब तो चौकोर और आयताकार बीड्स भी बाजार में उपलब्ध हैं। बीड्स के मामले में सबसे अच्छी बात यह है कि ये वेस्टर्न ड्रेसों पर भी उतने ही फबते हैं, जितने की इंडियन पर। बस, समझदारी बरतनी पड़ती है तो रंगों को लेकर। तो वेस्टर्न के लिए लीजिए ब्लैक, व्हाइट और पेस्टल जबकि भारतीय परिधानों पर खिलते हैं सारे ब्राइट और बोल्ड एथनिक कलर्स। आपकी कुछ हटकर दिखने की चाह में रंग भरने के लिए ही बने हैं शायद ये इन्द्रधनुषी बीड्स।

आज के दौर में जब सोना-चाँदी के भाव आसमान छू रहे हैं ऐसे में बीड्स फैशन स्टेटमेंट बन गए हैं, तो आप भी बना लीजिए इन्हें अपनी पसंद।

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi) - 50%		Island Position	- 50%	Strip Advt.	- 15%
Front Page (Solus) - 75%		Right Hand Page	- 10%	Political Advt.	- 50%
Back Page - 25%		Top of AD Column	- 15%	Pull Outs	- 50%
Page Three - 20%		Any Other Spl. Position	- 10%	Discount as per deal	

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com
Follow us : @ RashtriyaShikhar/

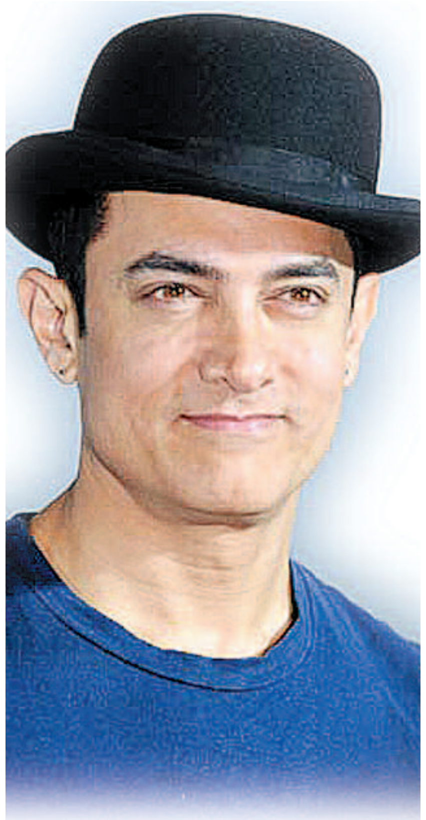

दादासाहेब फाल्के की बायोपिक क्यों रुकी? आमिर ने बताई वजह

करीब एक साल पहले आमिर खान और राजकुमार हिरानी ने भारतीय सिनेमा के जनक दादासाहेब फाल्के पर बायोपिक बनाने का एलान किया था। इस घोषणा के बाद फिल्म को लेकर काफी उत्साह था, लेकिन अब इस प्रोजेक्ट को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है।

'स्क्रिप्ट से खुश नहीं, इसलिए फिलहाल रोक दी फिल्म'

अमर उजाला से बातचीत में आमिर खान बताते हैं, 'दादासाहेब फाल्के की कहानी बहुत ही इंस्पिरेशनल है, जिस पर राजू काम कर रहे थे। उन्होंने इसके तीन ड्राफ्ट बनाए, लेकिन अभी तक वो स्क्रिप्ट से पूरी तरह खुश नहीं हैं। इसलिए उन्होंने इस फिल्म को फिलहाल बैक बर्नर पर रख दिया है। हो सकता है कि आगे चलकर वो इस पर दोबारा काम करें। फिलहाल इस वक्त राजू '3 इडियट्स 2' पर काम कर रहे हैं। मैंने उसकी कहानी सुनी है, बहुत अच्छी बनी है और अभी उस पर आगे काम चल रहा है।'

'10 साल बाद लौटेंगे '3 इडियट्स' के किरदार'

वह बताते हैं, 'ये बहुत ही अनोखी कहानी है। इसमें '3 इडियट्स' के किरदारों की कहानी दिखाई जाएगी, लेकिन करीब दस साल बाद की। यह एक बहुत खूबसूरत कहानी है, जिसे अभिजात और राजू ने बहुत अच्छे से लिखा और सोचा है।' आमिर मुस्कुराते हुए कहते हैं, 'तो एक बार फिर मुझे फुनसुख वांगडू के उस किरदार में उतरना पड़ेगा।'

'सितंबर या अक्टूबर से शुरू हो सकती है मेरी अगली फिल्म'

अपने आगे के प्लान को लेकर आमिर कहते हैं, 'मैं पिछले आठ महीनों से कई स्क्रिप्ट्स सुन रहा हूं। 'एक दिन' के रिलीज होने के बाद मैं अपने करियर पर थोड़ा फोकस करूंगा। कई कहानियां हैं जो मुझे पसंद आई हैं।' वह आगे कहते हैं, 'अभी मैंने तय नहीं किया है कि कौन सी फिल्म करूंगा, लेकिन अगले एक-दो हफ्तों में, ज्यादा से ज्यादा एक महीने में फैसला ले लूंगा। मेरा अनुमान है कि इस साल के सितंबर या अक्टूबर से शूटिंग शुरू हो जाएगी।'

पवन सिंह से ब्रेकअप के बाद फिर इश्क में पड़ीं अक्षरा सिंह

अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने हाल ही में अपनी लव लाइफ पर बात की है। एक वक्त में उनके प्यार के चर्चे भोजपुरी इंडस्ट्री के पावर स्टार पवन सिंह के साथ थे। दोनों का अफेयर रहा, मगर बाद में इनके बीच दूरियां आ गईं और ब्रेकअप हो गया। इतना ही नहीं, यह रिश्ता एक बुरे मोड़ पर टूटा था। अक्षरा ने पवन सिंह पर कई आरोप भी लगाए। हालांकि, पवन सिंह से ब्रेकअप के बाद एक्ट्रेस अब आगे बढ़ गई हैं। उनकी जिंदगी में फिर से प्यार ने दस्तक दी है।

अक्षरा बोलीं- 'भूतकाल पर थोड़ी अटकी रहूंगी'

अक्षरा सिंह ने हाल ही में यूट्यूब चैनल जिंदाबाद को दिए इंटरव्यू में अपने करियर और जिंदगी को लेकर कई दिलचस्प बातें साझा कीं। इस दौरान उनसे सवाल किया गया कि क्या उन्हें दोबारा प्यार नहीं हुआ? इस पर अक्षरा ने मुस्कुराते हुए कहा, 'हुआ है ना। चल रहा है। दोबारा क्या होता है, जो पुराना हो गया वो तो भूतकाल में चला गया। अभी मैं भविष्य की चिंता करूंगी, वर्तमान की चिंता करूंगी या भूतकाल पर अटकी रहूंगी'।

किसे डेट कर रही हैं अक्षरा सिंह?

बातचीत के दौरान अक्षरा ने बताया कि वे एक अनजान शख्स को डेट कर रही हैं। उन्होंने उस शख्स की पहचान उजागर नहीं की। उन्होंने कहा कि वे किसी की नजर नहीं चाहतीं। अक्षरा ने कहा, 'हां मैं प्यार में हूं, लेकिन अभी टाइम है। फिलहाल मैं प्यार के प पर पहुंची हूं। थोड़ा प्रोसेस होने दीजिए, फिर मैं सब बताऊंगी'। अक्षरा सिंह ने आगे कहा कि बिना प्यार के कोई नहीं रह सकता।

मुझे नजर बहुत जल्दी लगती है

प्यार का नाम पूछे जाने पर एक्ट्रेस ने कहा, 'मुझे नजर बहुत जल्दी लगती है। अगर मैंने नाम बता दिया और नजर लग गई तो? शादी का अभी नहीं पता, लेकिन पहले जिनसे प्यार हुआ है उन्हें जान लें। बहुत सी चीजें हैं, वो जब समझ आ जाएंगी तब देखा जाएगा शादी का'। अक्षरा ने कहा कि अभी शुरुआती दौर है, वे खुद अभी फिगर आउट कर रही हैं। बता दें कि एक टाइम पर अक्षरा और पवन सिंह भोजपुरी इंडस्ट्री में चर्चित कपल थे। मगर, साल 2018 में पवन सिंह ने कथित तौर पर अक्षरा को धोखा देकर ज्योति सिंह से शादी कर ली। अक्षरा ने पवन सिंह पर कई आरोप लगाए थे। फिलहाल पत्नी ज्योति सिंह के साथ भी पवन सिंह का विवाद कोर्ट में चल रहा है।

इसी साल शुरू होगी रणवीर स्टारर 'प्रलय' की शूटिंग

अभिनेता रणवीर सिंह 'धुरंधर' और 'धुरंधर 2' की जबरदस्त सफलता के बाद अब दर्शकों को अपकमिंग फिल्म 'प्रलय' के रूप में एंटरटेनमेंट का नया डोज देने को तैयार हैं। 'प्रलय' की शूटिंग इस साल अगस्त से शुरू होने वाली है। हाल ही में कुछ रिपोर्टों में दावा किया गया था कि रणवीर सिंह और निर्देशक जय मेहता के बीच क्रिएटिव मतभेदों के कारण फिल्म में रुकावट आ गई है, लेकिन फिल्म से जुड़े सूत्रों ने इन खबरों को पूरी तरह खारिज कर दिया है। जानकारी के अनुसार, 'प्रलय' को लेकर फैलाई जा रही अनिश्चितता वाली खबरें पूरी तरह बेबुनियाद हैं। सूत्र के अनुसार, फिल्म का प्री-प्रोडक्शन काम पहले ही शुरू हो चुका है और रणवीर सिंह व निर्देशक जय मेहता स्क्रिप्ट को अंतिम रूप देने में लगातार चर्चा कर रहे हैं।

'वाराणसी' की वजह से इस साल मेट गाला में नहीं शामिल होंगी प्रियंका चोपड़ा

प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'वाराणसी' की शूटिंग में बिजी हैं। इस वजह से उन्होंने कई प्रोग्रामों में जाना रद्द कर दिया है। खबरें हैं कि काम के चलते वह इस साल मेट गाला में नहीं शामिल होंगी। यह बात इसलिए ज्यादा ध्यान खींच रही है क्योंकि रेड कार्पेट से उनका गहरा जुड़ाव रहा है। पिछले कुछ वर्षों में मेट गाला में प्रियंका दुनिया भर से आने वाले सबसे जाने-पहचाने चेहरों में से एक रही हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, प्रियंका चोपड़ा मेट गाला 2026 में शामिल नहीं होंगी। यह इवेंट 4 मई को न्यूयॉर्क के मेट्रोपोलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट में होने वाला है। ब्रिटिश वोग के मुताबिक जब मेट गाला का प्रोग्राम चल रहा होगा तब वह शायद अंटार्कटिका में 'वाराणसी' की शूटिंग कर रही होंगी। मई के पहले सोमवार को अभिनेत्री बिजी हो सकती हैं।

खलेगी प्रियंका की गैरमौजूदगी

पिछले कुछ वर्षों में प्रियंका चोपड़ा ने मेट गाला में कई यादगार अपीयरेंस दिए हैं। अपने शानदार ट्रेंच कोट गाउन से लेकर बोल्ड काउचर लुक्स तक, वह लगातार रेड कार्पेट पर सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाली सेलिब्रिटीज में से एक रही हैं। उनके अपीयरेंस अक्सर ग्लोबल पॉप कल्चर की बातचीत का हिस्सा बन जाते हैं। इस वजह से इस साल उनकी गैर-मौजूदगी महसूस की जाएगी।

'वाराणसी' के बारे में

आपको बता दें कि प्रियंका चोपड़ा जल्द ही एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' में नजर आने वाली हैं। वह इसकी शूटिंग में बिजी हैं। इस फिल्म में उनके साथ महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन होंगे। यह फिल्म 7 अप्रैल 2027 को रिलीज हो सकती है।

जल्द ही खाकी वर्दी में अपना 'कर्तव्य' निभाते नजर आएंगे सैफ अली खान

सैफ अली खान जल्द ही खाकी वर्दी में अपना 'कर्तव्य' निभाते नजर आएंगे। नेटफ्लिक्स की उनकी आगामी फिल्म 'कर्तव्य' की रिलीज डेट आज सामने आ गई है। टीजर के जारी होने के बाद से ही फैंस फिल्म का इंतजार कर रहे थे, अब आज मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट घोषित कर दी है।

शाहरुख खान के प्रोडक्शन हाउस रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के तले बनी पुलिस-ड्रामा फिल्म 'कर्तव्य' नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। ओटीटी प्लेटफॉर्म ने आज एक पोस्ट के जरिए फिल्म की रिलीज डेट घोषित की है। जिसके तहत 'कर्तव्य' 15 मई से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम करेगी। नेटफ्लिक्स ने फिल्म से सैफ अली खान का एक पोस्टर साझा किया। इसमें सैफ पुलिस की वर्दी में निराश नजर आ रहे हैं। उनके सामने आग जलती दिख रही है। इसके साथ ही कैप्शन में लिखा गया, 'कर्तव्य के इस चक्रव्यूह में हर फैसला एक इम्तिहान होगा।'

ऐसी है कहानी

'कर्तव्य' की कहानी एक पुलिस अधिकारी के इर्द-गिर्द घूमती है, जो ऐसी दुनिया में अपना काम करने की कोशिश करता है जहां सही और गलत की कोई स्पष्ट परिभाषा नहीं है। जहां उसके सामने भावनात्मक और नैतिक दुविधाएं आती हैं, क्योंकि वह पेशेवर जिम्मेदारियों और व्यक्तिगत हितों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश करता है। जैसे-जैसे खतरे बढ़ते हैं, अधिकारी खुद को अपनी सीमाओं तक धकेला हुआ पाता है और न्याय की कीमत और चुप्पी के परिणामों पर सवाल उठाने लगता है।

फिल्म का निर्देशन 'भक्षक' फेम पुलकित ने किया है। फिल्म में सैफ अली खान मुख्य भूमिका में हैं। इसके अलावा रसिका दुगल, संजय मिश्रा, जाकिर हुसैन और मनीष चौधरी सरीखे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण शाहरुख खान की रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के तहक किया गया है। इसे प्रोड्यूस गौरी खान ने किया है। 'सेक्रेड गेम्स' की सफलता के बाद सैफ अली खान एक बार फिर पुलिस वाले किरदार में नजर आएंगे।

हमारा स्ट्रगल फिल्म हिट होने के बाद भी खत्म नहीं होता

एक्टर पुलकित सम्राट इस वक्त नई सीरीज 'ग्लोरी' को लेकर सुर्खियों में हैं। 'फुकरे' जैसी हिट फ्रेंचाइजी का हिस्सा रहे पुलकित ने कहा कि हिट देने के बाद भी स्ट्रगल खत्म नहीं होता और इसलिए उन्हें काम मांगने में कोई शर्म नहीं आती। उन्होंने स्ट्रगल के अलावा 'ग्लोरी' में रोल और उन खामियों पर बात की, जो दूर की हैं।

'फिल्म इंडस्ट्री में स्ट्रगल के दौरान आपको लगता है कि सबसे मुश्किल काम पहला ब्रेक मिलना है, मगर मेरा यकीन मानिए उससे भी ज्यादा मुश्किल है लगातार काम मिलते रहना।' यह कहना है एक्टर पुलकित सम्राट का। फिल्म 'बिट्टू बॉस' से फिल्मी करियर शुरू करने वाले पुलकित ने अपने इस सफर में सुपरहिट 'फुकरे' फ्रेंचाइजी से लेकर 'डॉली की डोली' और 'पागलपंती' जैसी चर्चित फिल्मों से अपनी पहचान बनाई, मगर पुलकित का कहना है कि बॉलीवुड में काम पाने के लिए लगातार मेहनत करने रहनी पड़ती है।

पुलकित की नई वेब सीरीज 'ग्लोरी' सपनों और महत्वाकांक्षाओं पर आधारित है। ऐसे में, एक्टर बनने के अपने सपने को पूरा करने के लिए की गई जद्दोजहद को याद करते हुए पुलकित बताते हैं, 'इंडस्ट्री में हमारा कोई गॉडफादर नहीं था। हम आउटसाइडर थे और यहां अपनी जगह बनाना चाहते हैं, लेकिन जगह आप तभी बना पाएंगे, जब आपको कुछ काम मिलेगा। इसलिए, पहले तो वो काम मिलना जरूरी है। उस पर आपको लगता है कि सबसे मुश्किल चीज यह पहला काम मिलना ही है। आप सोचते हैं कि बस एक ब्रेक मिल जाए, लेकिन मेरा यकीन करिए कि आपको लगातार काम मिलते रहना सबसे मुश्किल चीज है और उसके लिए आपको मेहनत करते रहना पड़ेगा। आपको जाकर लोगों को खुद को बतौर प्रोडक्ट दिखाना पड़ेगा। वह बहुत जरूरी है।'

काम मांगने में कोई शर्म नहीं है

'खुशकिस्मती से आज हमारे पास इतने प्लेटफॉर्म हैं कि कोई कलाकार ये बोले कि मुझे काम नहीं मिल रहा तो मेरे हिसाब से वो काम करना ही नहीं चाहता क्योंकि आज काम करने की बहुत सारी जगहें हैं। मैंने जब शुरुआत की थी, तब ऐसा नहीं था। आज बहुत सारे मंच हैं। बस आप घर से निकलिए, लोगों से बोलिए कि मुझे काम करना है। काम मांगिए और काम मांगने में कोई शर्म नहीं है, जो पहले मुझे लगता था कि मैं दिखा तो दिया। 'फुकरे' कर ली, फिल्म सुपरहिट हो गई, अब तो कल से लाइन लग जाएगी लेकिन कोई लाइन नहीं लगती। यह सच्चाई है। आपके लिए दरवाजे बेशक खुल जाते हैं पर उस दहलीज को पार करके अंदर जाना आपका काम है और मुझे लगता है कि सेट से ज्यादा काम सेट के बाहर रहता है।'

मैं जैसा पहले था, उस पर गर्व नहीं

सीरीज में पुलकित अपने गुस्से पर काबू करने की कोशिश करते हैं। असल जिंदगी में उन्होंने अपनी किसी खामी पर जीत पाई है? यह पर उन्होंने बताया, 'मुझमें बहुत खामियां थीं। एक वक्त पर मैं अपने आप का एक ऐसा वर्जन था जिस पर मुझे आज बिल्कुल गर्व नहीं है। ऐसी बहुत सी चीजें थीं जो मुझे धीरे-धीरे समझ में आईं। जब मैं घर से निकला, अकेले उड़ान भरनी शुरू की, ठोकरें खाई तब मुझे समझ आई कि जीने का ये सही तरीका नहीं है। शुरू में हमें ज्यादा समझ नहीं होती है। आप कभी मजाक में किसी को ऐसी बात बोल देते हैं जो शायद उसे बुरी लगे। आज समझ में आता है कि नहीं यार, मुझे ऐसे नहीं बोलना चाहिए था या मुझे सेट पर ऐसे बर्ताव नहीं करना चाहिए था या मैं इस सिचुएशन को बिना गुस्से के भी हैंडल कर सकता था। तब जब लोग आपको बोलते भी हैं न तो भी समझ में नहीं आता है, जब तक आपके पिछवाड़े पर लात नहीं पड़ती।'

बॉक्सिंग ने सिखाया जिंदगी का सबक

सीरीज में बॉक्सर की भूमिका के लिए की तैयारी पर वह बताते हैं, 'इसमें मेरा किरदार एक प्रोफेशनल बॉक्सर का है, तो उसके लिए बहुत ज्यादा फिजिकल ट्रेनिंग करनी पड़ी। बॉक्सिंग को समझना पड़ा और जब मैंने ट्रेनिंग शुरू की, तब मुझे समझ आया कि बॉक्सिंग केवल फिजिकल नहीं है, यह एक माइंड गेम भी है। यह एक शतरंज के खेल की तरह है जहां आप रिंग में अपने विरोधी का दिमाग पढ़ रहे हैं। उनकी बॉडी लैंग्वेज समझ रहे हैं और मैं कहूंगा कि बॉक्सिंग ने मुझे ये सिखाया कि उन्हीं नियमों को अपनी असल जिंदगी में भी कैसे उतार सकते हैं और मुश्किल परिस्थितियों में उससे कैसे निकल सकते हैं। बॉक्सिंग ने मुझे यह सिखाया कि सिर्फ फिजिकली फिट दिखना काफी नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश में सेना की वापसी, तारिक रहमान सरकार ने लिया कानून-व्यवस्था पर बड़ा फैसला

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में तारिक रहमान के नेतृत्व में नई सरकार बनने के बाद अब काफी शांति है। देश में कानून-व्यवस्था की स्थिति अब काफी तेजी से सामान्य हो रही है। इसी बीच सरकार ने मैदानी इलाकों में तैनात जवानों को वापस बुलाने का अहम फैसला लिया है। जल्द ही सभी सेना के जवानों को वापस उनकी बैरकों में सुरक्षित भेज दिया जाएगा। यह अहम फैसला मंगलवार को गृहमंत्री की अध्यक्षता में हुई कानून-व्यवस्था संबंधी कोर कमेटी की बैठक में लिया गया। इस महत्वपूर्ण बैठक में पूरे देश की वर्तमान स्थिति की बहुत ही गहनता से समीक्षा की गई। इसके बाद ही सेना को वापस बैरक में भेजने की इस पूरी योजना पर मुहर लगाई गई। अब इस फैसले के तहत छह जून से सेना की वापसी कई चरणों में होगी। सरकार की योजना के अनुसार सबसे पहले दूरदराज के जिलों से सैनिकों को धीरे-धीरे हटाया जाएगा। इसके बाद चरणबद्ध तरीके से सभी डिविजनल शहरों और बड़े जिलों से सेना को पूरी तरह से हटा लिया जाएगा। सरकार का लक्ष्य है कि जून महीने के भीतर मैदान में तैनात सभी जवानों को वापस बुला लिया जाए। बांग्लादेश में जुलाई 2024 में हिंसक हालात को पूरी तरह से नियंत्रित करने के लिए सेना को तैनात किया गया था। इस दौरान पूरे देश में बहुत ज्यादा राजनीतिक उथल-पुथल मची हुई थी जिससे हालात बेहद खराब हो गए थे। पुलिस बल की स्थिति भी उस समय काफी कमजोर थी इसलिए सेना ने कमान संभाली थी। देश में हुए इन बड़े राजनीतिक बदलावों और पुलिसबल की कमजोर स्थिति के कारण सेना को मोर्चे पर डटना पड़ा। जवानों को मजबूरी में काफी लंबे समय तक मैदान में अपनी ड्यूटी पूरी निष्ठा के साथ करनी पड़ी थी। अब हालात काबू में होने पर प्रशासन ने इस जिम्मेदारी को वापस पुलिस को सौंपने का मन बना लिया है। तारिक रहमान सरकार के इस बड़े फैसले से आम जनता में भी अब सुरक्षा को लेकर भारी विश्वास जगा है। सेना की वापसी इस बात का बहुत बड़ा और स्पष्ट संकेत है कि देश में अब सब कुछ सामान्य हो गया है। प्रशासन को पूरी उम्मीद है कि अब पुलिस भी बिना सेना के कानून-व्यवस्था संभालने में पूरी तरह से सक्षम है।

चेम्मनी में सामूहिक कब्र से 250 कंकाल बरामद होने के बाद उठे सवाल, क्या है मौत का सच?

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका में जाफना के पास चेम्मनी इलाके में एक कथित सामूहिक कब्र से लगातार नर कंकाल बाहर निकल रहे हैं। इस कब्रगाह की खुदाई के तीसरे चरण में अब तक 249 कंकालों को बाहर निकाला जा चुका है। एक मानवाधिकार मामलों के वकील ने इस बात की पूरी जानकारी मीडिया और अधिकारियों को विस्तार से दी है। श्रीलंका की एक अदालत ने पिछले हफ्ते चेम्मनी में इस सामूहिक कब्रगाह की खुदाई को फिर से शुरू करने का कड़ा आदेश दिया था। पैसों की भारी कमी के कारण इस कब्र की खुदाई का काम लगभग सात महीने पहले पूरी तरह से रोक दिया गया था। अब इस सख्त न्यायिक आदेश के बाद खुदाई का काम फिर से काफी तेज हो गया है। मानवाधिकार वकील रनीथा ज्ञानराजा के अनुसार मंगलवार तक इस तीसरे चरण की खुदाई में 9 और नए कंकाल बरामद किए गए हैं। उन्होंने बताया कि खुदाई के दौरान कुछ पुराने सिक्के और एक आभूषण जैसा दिखने वाला टुकड़ा भी जमीन से मिला है। इससे पहले दूसरे चरण की खुदाई भी काफी लंबे समय तक चली थी जिसमें बड़ी संख्या में मानव कंकाल बरामद हुए थे। दूसरे चरण की यह महत्वपूर्ण खुदाई 45 दिनों तक लगातार चली थी।

'ईरान पर हम हर स्थिति के लिए तैयार', इस्राइली पीएम नेतन्याहू बोले- ट्रंप से रोज हो रही बात

तेल अवीव , एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने उन खबरों को खारिज कर दिया है, जिनमें कहा जा रहा था कि ईरान को लेकर अमेरिका की कूटनीतिक पहल से इस्राइल हैरान रह गया। नेतन्याहू ने स्पष्ट किया कि उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से लगभग रोजाना बातचीत हो रही है और दोनों देशों के बीच हर स्तर पर पूरा समन्वय बना हुआ है। नेतन्याहू ने कहा कि हम अमेरिका में अपने सहयोगियों के साथ लगातार संपर्क में हैं। मैं लगभग हर दिन राष्ट्रपति ट्रंप से बात करता हूं। हमारी और उनकी टीम भी रोज बातचीत करती है। उन्होंने बताया कि देर रात ट्रंप के साथ उनकी फिर बातचीत तय है। इस्राइली प्रधानमंत्री ने कहा कि ईरान के मुद्दे पर उनका देश हर स्थिति के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि इस्राइल और अमेरिका का साझा लक्ष्य ईरान के संवर्धित परमाणु सामग्री कार्यक्रम को समाप्त करना है। इस्राइली अधिकारियों ने हाल के दिनों में ईरान के खिलाफ दोबारा सैन्य कार्रवाई की संभावना का भी समर्थन किया है।

कनाडा को छोड़ अलग देश बन सकता है अल्बर्टा : अक्टूबर में वोटिंग संभव, अलगाववादियों ने 3 लाख हस्ताक्षर जुटाए

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के पश्चिमी प्रांत अल्बर्टा को अलग देश बनने की मांग और ज्यादा तेज हो गई है। अलगाववादियों ने बुधवार को दावा किया है कि उन्होंने इतना समर्थन जुटा लिया है कि अब स्वतंत्रता पर जनमत संग्रह (रेफरेंडम) कराया जा सकता है।

अलगाववादी नेताओं के मुताबिक, उन्होंने करीब 3 लाख हस्ताक्षर चुनाव अधिकारियों को सौंपे हैं, जबकि इसके लिए 1.78 लाख दस्तखत की जरूरत थी। आंदोलन के नेता मिच सिलवेस्ट्रे ने इसे ऐतिहासिक दिन बताया और कहा कि अब यह लड़ाई अगले चरण में पहुंच गई है। हालांकि इतना समर्थन जुटा लेने का मतलब यह नहीं है कि रेफरेंडम पक्का हो गया है। चुनाव आयोग को पहले इन हस्ताक्षरों की जांच करनी होगी। इस प्रक्रिया पर फिलहाल अदालत के आदेश की वजह से रोक भी लगी हुई है। अगर वोटिंग अल्बर्टा के पक्ष में गई तो यह प्रांत कनाडा को छोड़ अलग देश बन सकता है। अल जजीरा के मुताबिक, अगर सभी कानूनी अड़चनें दूर हो जाती हैं, तो प्रांत में 19 अक्टूबर को प्रस्तावित बड़े जनमत संग्रह के साथ अलगाव पर भी वोटिंग कराई जा सकती है। उसी दिन संविधान और इमिग्रेशन जैसे दूसरे मुद्दों पर भी मतदान की योजना है।

सर्वे में 30% लोग ही अलग देश के पक्ष में : अगर यह प्रस्ताव वोटिंग तक पहुंचता है, तो लोगों से सीधा सवाल पूछा जाएगा कि क्या अल्बर्टा कनाडा से अलग होकर एक स्वतंत्र देश बनना

चाहिए। लेकिन सर्वे बताते हैं कि अभी सिर्फ करीब 30 प्रतिशत लोग ही इसके समर्थन में हैं, यानी जनमत संग्रह पास होना भी आसान नहीं है। हालांकि अलगाववादियों का मानना है कि यह आंकड़ा वोटिंग के दौरान बढ़ने वाला है। अल्बर्टा की प्रीमियर डेनिएल स्मिथ ने कहा है कि अगर जरूरी हस्ताक्षर पूरे होते हैं तो वह वोटिंग आगे बढ़ाएंगी, लेकिन वह खुद कनाडा से अलग होने के पक्ष में नहीं हैं। इस अलगाववादी आंदोलन की जड़ें काफी पुरानी हैं। अल्बर्टा, जहां करीब 50 लाख लोग रहते हैं, लंबे समय से खुद को कनाडा के बाकी हिस्सों से अलग मानता है। यहां के लोग मानते हैं कि उनकी संस्कृति, अर्थव्यवस्था और राजनीति अलग है, लेकिन फैसले ओटावा में बैठकर लिए जाते हैं।

कनाडा से अलग क्यों होना चाहता है अल्बर्टा : कनाडा के अल्बर्टा में अलग देश बनने की मांग अचानक नहीं उठी है। इसके पीछे कई सालों से चल रही नाराजगी और अलग पहचान की भावना काम कर रही है। सबसे बड़ा कारण आर्थिक है। अल्बर्टा तेल और गैस से भरपूर राज्य है। यहां कनाडा के कुल तेल उत्पादन का लगभग 84% हिस्सा निकलता है। यहां के लोगों को लगता है कि वे ज्यादा कमाते हैं, लेकिन फायदा बाकी कनाडा को ज्यादा मिलता है। उन्हें शिकायत है कि टैक्स का पैसा ओटावा जाकर खर्च होता है, जबकि फैसले लेते समय उनकी आवाज कम सुनी जाती है। दूसरा बड़ा मुद्दा केंद्र सरकार से टकराव है। ओटावा में बैठी सरकार के फैसलों को लेकर अल्बर्टा में नाराजगी रहती है। खासकर पर्यावरण और जलवायु से जुड़े नियमों को लेकर। यहां के लोग मानते हैं कि ये नियम उनके तेल और गैस उद्योग को नुकसान पहुंचाते हैं और बिना समझे बनाए जाते हैं। तीसरा कारण पहचान और राजनीति है। अल्बर्टा को कनाडा के बाकी हिस्सों से अलग माना जाता है। यहां की राजनीति ज्यादा कंजर्वेटिव (रूढ़िवादी) है, जबकि केंद्र में लंबे समय से लिबरल विचारधारा हावी रही है। इसके अलावा यहां यह भी भावना है कि केंद्र सरकार उनके संसाधनों पर ज्यादा नियंत्रण रखती है। पाइपलाइन, ऊर्जा परियोजनाएं और निर्यात जैसे मुद्दों पर कई बार फैसले अटकते हैं, जिससे स्थानीय लोगों में गुस्सा बढ़ता है।

ट्रम्प सरकार पर अलगाववादियों को बढ़ावा देने का आरोप : इसी बीच ट्रम्प सरकार पर अलग देश की मांग कर रहे लोगों को बढ़ावा देने का आरोप है। कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि अमेरिका के अधिकारी अल्बर्टा के अलगाववादी नेताओं से मिलते हैं और उनकी मदद करते हैं। इन खबरों से कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी नाराज हो गए थे। उन्होंने इसी साल फरवरी में राष्ट्रपति ट्रम्प को फोन कर कनाडा की संप्रभुता का सम्मान करने को कहा था। कार्नी ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अमेरिकी सरकार कनाडा के आंतरिक मामलों में दखल नहीं देगी। सीएनएन की एक रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प की सत्ता में वापसी को अलगाववादी अल्बर्टा को अलग करने के लिए सही समय मान रहे हैं। कुछ अलगाववादी अल्बर्टा को स्वतंत्र देश बनाने की बजाय अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की बात भी कर रहे हैं। फरवरी में कैलगरी और एडमॉन्टन के बीच हाईवे पर एक बिलबोर्ड भी लगा, जिसमें अल्बर्टा को US में मिलाने की अपील की गई थी। अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बैसेंट ने भी हाल में कहा था कि अल्बर्टा अमेरिका का नेचुरल पार्टनर है और वहां के लोग बहुत स्वतंत्र सोच वाले हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि अल्बर्टा के पास प्राकृतिक संसाधनों की भरमार है।

पोप मुझसे खुश हों या नहीं, ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं रहेंगे: ट्रंप

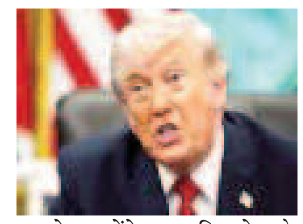

वाशिंगटन , एजेंसी। ईरान युद्ध शुरू होने के बाद से कैथोलिक चर्च के सर्वोच्च गुरु पोप लियो और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच तीखी बयानबाजी खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। दरअसल युद्ध पर गहरी चिंता जताते हुए पोप लियो ने इसे पूरी मानवता पर एक कलंक बताया था और तत्काल युद्धविराम की अपील की थी, लेकिन उनके इस बयान के बाद से वह ट्रंप की नजर में चढ़ गए। ट्रंप ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि पोप तेहरान द्वारा परमाणु हथियार रखने की क्षमता का समर्थन कर रहे हैं, जबकि वॉशिंगटन इसे कभी स्वीकार नहीं करेगा। इससे पहले मंगलवार को पोप लियो ने कहा था कि उन्होंने कभी परमाणु हथियारों का समर्थन नहीं किया और जो लोग उनकी आलोचना करते हैं उन्हें सच बोलना चाहिए। उन्होंने यह बात अमेरिकी राष्ट्रपति के उस टिप्पणी के जवाब में कही, जिसमें उन पर ईरान युद्ध पर अपने रुख से बहुत सारे कैथोलिकों को खतरे में डालने का आरोप लगाया गया था। बुधवार (स्थानीय समय) को व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान जब राष्ट्रपति से पूछा गया कि विदेश सचिव मार्को रुबियो पोप से कल मिलने वाले हैं। ऐसे में आप उन तक कौन सा संदेश पहुंचाने की उम्मीद रखते हैं। इसके जवाब में ट्रंप ने कहा कि उनका ईरान पर रुख स्पष्ट है। मैं पोप को खुश करूं या न करूं, ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं हो सकते। उन्होंने कहा कि पोप के बयानों से प्रतीत हुआ कि वह कह रहे थे कि ईरान परमाणु हथियार रख सकते हैं और मैं कहता हूं कि वे नहीं रख सकते। ट्रंप ने कहा कि पोप की संतुष्टि या असंतोष उनके फैसले को प्रभावित नहीं करेगा। ट्रंप ने चेतावनी दी कि ईरान के पास परमाणु हथियार होने से वैश्विक स्थिरता को खतरा होगा। अगर ऐसा हुआ, तो पूरी दुनिया बंधक बन जाएगी, और हम इसे होने नहीं देंगे। मेरा केवल यही संदेश है। दरअसल मार्च में सेंट पीटर्स स्क्वायर में साप्ताहिक एंजेल्स प्रार्थना के दौरान पोप ने कहा था कि हम इतने लोगों के दुख के सामने खामोश नहीं रह सकते, खासकर उन बेबस लोगों के लिए, जो इन संघर्षों के शिकार हुए हैं। उनका दर्द पूरी मानवता का दर्द है। पोप लियो ने कहा कि दुनिया को सिर्फ चिंता जताने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि शांति की दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए। अप्रैल में, अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान युद्ध पर पोप की आलोचनाओं के जवाब में पोप को अपराध के मामले में कमजोर और विदेश नीति में बेहद खराब बताया था।

अधिकार सुरक्षित रहे तो ईरान युद्ध खत्म करने को तैयार : राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन

तेहरान, एजेंसी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने कहा कि उनका देश अमेरिका और इजरायल के साथ युद्ध खत्म करने के लिए कूटनीतिक रास्ते अपनाने को तैयार है। इसके साथ ही उन्होंने ईरान के अधिकारों की सुरक्षा पर भी जोर दिया है। ईरानी राष्ट्रपति के दफ्तर की वेबसाइट के अनुसार, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ बुधवार (लोकल टाइम) को फोन पर बातचीत के दौरान पेजेश्कियन ने अमेरिका पर गहरा भरोसा नहीं दिखाया। उन्होंने हाल की दुश्मनी भरी कार्रवाइयों का जिक्र किया, जिसमें द्विपक्षीय बातचीत के दौरान ईरान पर दो हमले भी शामिल हैं। ईरान के राष्ट्रपति ने अमेरिका की ओर से की गई इस कार्रवाई को ईरान की पीठ में छुरा घोंपना बताया। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, दोनों नेताओं के बीच यह फोन पर बातचीत तब हुई, जब एक्सियोस ने रिपोर्ट दी कि अमेरिका और ईरान लड़ाई खत्म करने के लिए एक पेज के मेमो पर काम कर रहे हैं। इसमें कहा गया है कि एक संभावित डील में ईरान न्यूक्लियर संवर्धन पर रोक लगाने का वादा करेगा और अमेरिकी प्रतिबंध हटाने पर सहमत होगा। डील के तहत दोनों पक्ष होर्मुज स्ट्रेट से ट्रांजिट पर लगी रोक हटा देंगे। ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच 40 दिनों की लड़ाई के बाद 8 अप्रैल को दो हफ्ते के लिए सीजफायर हुआ था। यह लड़ाई 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल के हमलों से शुरू हुई थी। सीजफायर के बाद, ईरान और अमेरिका ने 11 और 12 अप्रैल को पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में शांति वार्ता की, लेकिन इस बातचीत का कोई हल नहीं निकला था। पिछले कुछ हफ्तों में दोनों पक्षों ने लड़ाई खत्म करने के लिए कई प्रस्तावित प्लान शेयर किए हैं, जिनमें से सबसे नए प्लान का ईरान अभी समीक्षा कर रहा है। इसके अलावा, ईरान ने कहा कि उसने अमेरिका के साथ कोई नया लिखित संदेश एक्सचेंज नहीं किया है। अर्ध सरकारी फार्स न्यूज एजेंसी ने हाल की मीडिया रिपोर्ट्स को मनगढ़ंत बताया और कहा कि उन्हें जमीनी हालात दिखाने के बजाय ग्लोबल मार्केट पर असर डालने और तेल की कीमतें कम करने के लिए डिजाइन किया गया था।

अमेरिकी अदालत से भारतीय मूल के विशेषज्ञ एशले को बड़ी राहत; जासूसी कानून का मामला खारिज

वाशिंगटन , एजेंसी। भारतीय मूल के विशेषज्ञ एशले जे. टेलिस के खिलाफ चल रहे जासूसी कानून से जुड़े मामले में अमेरिकी अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। वर्जीनिया की एक संघीय अदालत ने तकनीकी कानूनी आधार पर यह मामला खारिज कर दिया। अदालती आदेश में कहा गया कि याचिका स्वीकार की गई और मामला बिना किसी पूर्वाग्रह के खारिज किया गया। अमेरिका के वर्जीनिया स्थित यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के जज माइकल एस. नाचमैनॉफ ने 16 अप्रैल को टेलिस की याचिका स्वीकार करते हुए केस को खारिज करने का आदेश दिया। अदालत ने माना कि अभियोजन पक्ष ने गलत कानूनी प्रावधान के तहत आरोप लगाए थे।

क्या है मामला : टेलिस अमेरिका की विदेश नीति, राष्ट्रीय सुरक्षा और इंडो-पैसिफिक मामलों के जाने-माने विशेषज्ञ माने जाते हैं।

उन पर आरोप था कि उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े गोपनीय दस्तावेज अपने निजी घर में रखे थे। अभियोजन पक्ष के मुताबिक टेलिस ने अमेरिकी विदेश विभाग और रक्षा तंत्र से जुड़े वरिष्ठ पदों पर काम करते हुए कई संवेदनशील दस्तावेज अपने पास रखे। सरकार की ओर से दायर आरोपपत्र में कहा गया था कि टेलिस ने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी 11 गोपनीय फाइलें अपने निजी निवास पर हार्ड कॉपी और डिजिटल फॉर्म में रखीं। अभियोजन पक्ष ने आरोप लगाया कि उन्होंने अपनी उच्चस्तरीय पहुंच का फायदा उठाकर सुरक्षित सरकारी कार्यस्थलों से राष्ट्रीय रक्षा से जुड़ी जानकारी बाहर निकाली और उसे निजी तौर पर संग्रहीत किया। हालांकि टेलिस की कानूनी टीम ने अदालत में दलील दी कि सरकार ने जासूसी अधिनियम की गलत धारा के तहत मामला दर्ज किया। उनके वकीलों का कहना था कि जिस धारा 793(ड्) के तहत उन पर आरोप लगाए गए, वह केवल उन लोगों पर लागू होता है, जिनके पास गोपनीय दस्तावेज अनधिकृत रूप से हों। जबकि सरकार खुद मान रही थी कि टेलिस के पास उच्च स्तरीय सुरक्षा मंजूरी थी और उन्हें इन दस्तावेजों तक अधिकृत पहुंच प्राप्त थी। बचाव पक्ष ने अदालत से कहा कि टेलिस को संबंधित दस्तावेज आधिकारिक रूप से सौंपे गए थे, इसलिए उन्हें अवैध कब्जा की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। वकीलों ने यह भी तर्क दिया कि सरकार ने उन पर गोपनीय जानकारी लीक करने या अपनी मंजूरी से बाहर जाकर दस्तावेज हासिल करने का आरोप भी नहीं लगाया। कानूनी टीम ने यह भी कहा कि अभियोजन पक्ष चाहे तो जासूसी कानून की दूसरी धारा 793(स्र) या धारा 1924 के तहत मामला दर्ज कर सकता था, जो सरकारी कर्मचारियों द्वारा गोपनीय दस्तावेज हटाने और रखने से संबंधित है।

होर्मुज संकट पर सक्रिय हुआ फ्रांस, राष्ट्रपति मैक्रों ने की ईरानी राष्ट्रपति से बात, स्ट्रेट को तत्काल खोलने का आग्रह

पेरिस, एजेंसी। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान के साथ बातचीत के बाद फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सभी पक्षों से होर्मुज स्ट्रेट की नाकेबंदी को बिना किसी देरी और बिना किसी शर्त के हटाने का आह्वान किया है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'मैंने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान से बात की है। मैंने बढ़ते तनाव पर अपनी गहरी चिंता जाहिर की और यूएई के नागरिक बुनियादी ढांचे व कई जहाजों पर किए गए अनुचित हमलों की निंदा की।' उन्होंने लिखा, 'सभी पक्षों को स्ट्रेट से बिना देरी और बिना किसी शर्त के हटा देना चाहिए। हमें स्थायी रूप से उस व्यवस्था को बहाल करना होगा, जिसमें संघर्ष से

पहले नौवहन की पूर्ण स्वतंत्रता सुनिश्चित थी। फ्रांस और ब्रिटेन का बनाया बहुराष्ट्रीय मिशन जहाज मालिकों और बीमा कंपनियों के बीच भरोसा वापस लाने में मदद कर सकता है। यह मिशन स्वाभाविक रूप से युद्ध में शामिल पक्षों से अलग होगा। एयरक्राफ्ट कैरियर 'चार्ल्स डी गॉल' का आगे तैनात होना इस मामले में फिट बैठता है। राष्ट्रपति मैक्रों ने पोस्ट किया, 'हाल की घटनाओं से ऐसे मिशन की उपयोगिता साफ तौर पर पता चलती है। मैंने ईरानी राष्ट्रपति से इस मौके का फायदा उठाने की गुजारिश की है और मैं इस मामले पर राष्ट्रपति ट्रंप से भी बातचीत करने वाला हूं। स्ट्रेट में शांति की बहाली परमाणु कार्यक्रम, बैलिस्टिक मुद्दों और क्षेत्रीय स्थिति पर चल रही वार्ताओं को आगे बढ़ाने में मदद करेगी। प्रतिबंध हटाने में जिन यूरोपीय देशों की महत्वपूर्ण भूमिका है, वे इसमें अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे। राष्ट्रपति मैक्रों और ईरानी राष्ट्रपति के बीच यह वार्ता ऐसे समय में हुई है, जब 'एक्सियोस' की रिपोर्ट में कहा गया कि अमेरिका और ईरान युद्ध समाप्त करने के लिए एक समझौते के करीब पहुंच चुके हैं। रिपोर्ट के अनुसार, संभावित समझौते में ईरान परमाणु संवर्धन पर रोक लगाने के लिए सहमत हो सकता है, जबकि अमेरिका प्रतिबंध हटाने पर राजी हो सकता है। साथ ही दोनों पक्ष होर्मुज स्ट्रेट आवाजाही पर लगी पाबंदियां हटाएंगे। बता दें कि ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच 8 अप्रैल को युद्धविराम हुआ था। इससे पहले 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल के हमलों के बाद 40 दिनों तक संघर्ष चला था। युद्धविराम के बाद ईरान और अमेरिका ने 11 और 12 अप्रैल को पाकिस्तान में शांति वार्ता का एक दौर आयोजित किया, पिछले कुछ हफ्तों में दोनों पक्षों ने युद्ध समाप्त करने के लिए कई प्रस्तावों का आदान-प्रदान किया है।

त्वचा गोरी करने वाले उत्पाद सेहत के लिए बेहद खतरनाक, WHO बोला- खपत रोकने के लिए बदलनी होगी सोच

जिनेवा, एजेंसी। त्वचा को गोरा करने वाले उत्पादों के बढ़ते इस्तेमाल और उनसे जुड़ी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) को अब सीधे हस्तक्षेप करना पड़ा है। संगठन ने पारा युक्त स्किन-लाइटनिंग उत्पादों के खिलाफ नया व्यवहारिक नजरिया टूलकिट जारी किया है, जिसका उद्देश्य केवल इन की बिक्री रोकना ही नहीं बल्कि लोगों में इनके प्रति बढ़ती मानसिक और सामाजिक स्वीकार्यता को चुनौती देना है। डब्ल्यूएचओ ने चेतावनी दी है कि ऐसे उत्पाद लंबे समय में दिमागी नुकसान, हार्मोन संबंधी गड़बड़ियां, गर्भस्थ शिशुओं पर असर जैसी गंभीर समस्याओं को जन्म दे रहे हैं। डब्ल्यूएचओ के अनुसार समस्या केवल अवैध या जहरीले उत्पादों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस सामाजिक सोच से भी जुड़ी है जिसमें गोरी त्वचा को सुंदरता, सफलता और आत्मविश्वास का प्रतीक मान लिया गया है। यही कारण है कि अब वैश्विक स्वास्थ्य एजेंसियां केवल प्रतिबंध लगाने के बजाय लोगों के व्यवहार, विज्ञापनों के प्रभाव और सामाजिक दबाव को समझकर मांग कम करने की रणनीति पर काम कर रही हैं। सोशल मीडिया, फिल्म उद्योग और ब्यूटी विज्ञापनों ने इस बाजार को नई गति दी है, जहां गोरी त्वचा को आकर्षण और सफलता से जोड़कर पेश किया जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि बड़ी संख्या में युवा इन उत्पादों को आत्मविश्वास बढ़ाने या सामाजिक स्वीकार्यता पाने के साधन के रूप में

देखने लगे हैं। यही वजह है कि चेतावनियों और प्रतिबंधों के बावजूद इनकी मांग कम नहीं हो रही। पारा का असर शरीर से लेकर पर्यावरण तक डब्ल्यूएचओ ने कहा है कि कई स्किन-लाइटनिंग क्रीम और लोशन में पारा का इस्तेमाल किया जाता है। पारा एक जहरीली धातु है, जो शरीर में जमा होकर तंत्रिका तंत्र को नुकसान पहुंचा सकती है। इससे याददाश्त, मानसिक विकास और दिमागी कार्यप्रणाली प्रभावित हो सकती है। गर्भवती महिलाओं के मामले में इसका असर गर्भस्थ शिशु तक पहुंच सकता है, जिससे बच्चे के विकास पर खतरा बढ़ जाता है। उनके लगातार प्रयोग से त्वचा में जल्दी झुर्रियां पड़ जाती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार इन उत्पादों के रसायन पानी के जरिये बाहर निकलते हैं तो मिट्टी और जल स्रोत भी प्रदूषित होते हैं। इससे पर्यावरण और जलीय जीवन पर दीर्घकालिक असर पड़ सकता है। केवल प्रतिबंध नहीं सोच बदलने पर जोर डब्ल्यूएचओ का कहना है कि कई देशों ने पहले भी पारा युक्त उत्पादों पर प्रतिबंध लगाए, लेकिन केवल कानून से समस्या खत्म नहीं हुई। इसी वजह से संगठन ने नया व्यवहारिक टूलकिट तैयार किया है। इसके जरिये यह समझने की कोशिश की जाएगी कि लोग ऐसे उत्पादों तक कैसे पहुंचते हैं, कौन-सी चीजें उन्हें प्रभावित करती हैं।

नेपाल सरकार ने भारतीय वाहनों के लिए शुरू की नई ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन सेवा

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल सरकार ने भारत से सड़क मार्ग से आने वाले पर्यटकों के लिए एक बहुत ही शानदार सुविधा की शुरुआत की है। अब भारतीय वाहन आसानी से नेपाल जा सकते हैं और इस नई व्यवस्था के तहत पर्यटकों को सीमा पर घंटों तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा। सरकार ने कस्टम विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर विदेशी पर्यटकों के वाहनों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की शुरुआत कर दी है। इस महत्वपूर्ण ऑनलाइन सेवा का उद्घाटन बुधवार 6 मई 2026 को नेपाल के वित्त मंत्री डॉ स्वर्णिम वाग्ले ने किया है। यह नई व्यवस्था पर्यटकों की यात्रा को बहुत ही आसान और सुखद बनाएगी। अब पर्यटक अपने घर बैठे ही अपने वाहनों का सारा विवरण कस्टम विभाग की वेबसाइट पर आसानी से भर सकते हैं। इसके साथ ही वे अपना टैक्स भी पूरी तरह से ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। नेपाल सीमा पर जाम से मिलेगी राहत पहले भारतीय पर्यटकों को अपने वाहनों की अस्थायी अनुमति लेने के लिए कस्टम नाके पर घंटों कतार में खड़ा होना पड़ता था। इससे यात्रियों को भारी परेशानी होती थी और सीमा क्षेत्रों में हमेशा भयंकर ट्रैफिक जाम रहता था। अब इस नई ऑनलाइन प्रणाली के लागू होने से पर्यटकों को काफी बड़ी राहत मिल गई है। अगर नेपाल यात्रा के दौरान आपके परमिट की तय समय सीमा समाप्त हो जाती है तो कस्टम ऑफिस के चक्कर नहीं लगाने होंगे। नई ऑनलाइन सेवा से पर्यटक नेपाल के अंदर से ही अपने वाहन पास को आसानी से रिन्यू कर सकते हैं। वे बिना किसी बाधा के अपना सारा भुगतान भी ऑनलाइन माध्यम से कर सकते हैं। इस डिजिटल सुविधा का लाभ उठाने के लिए पर्यटकों को कस्टम विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपनी जरूरी जानकारी भरनी होगी। वहां 'हमारी सेवाएं' सेक्शन के अंदर 'अस्थायी

वाहन आयात' का विकल्प चुनना होगा। सारी जानकारी सही-सही भरने के बाद पर्यटकों को एक विशेष क्यूआर कोड प्राप्त हो जाएगा।

क्यूआर कोड दिखाना अनिवार्य होगा टैक्स का भुगतान ऑनलाइन या सीधे बैंक काउंटर के जरिए बहुत ही आसानी से किया जा सकता है। नेपाल में एंट्री करते वक्त और यात्रा के दौरान सुरक्षा जांच में इसी क्यूआर कोड को दिखाना पूरी तरह अनिवार्य किया गया है। यह पूरी व्यवस्था अब डिजिटल, पारदर्शी और काफी अधिक प्रभावी बन चुकी है। वर्तमान में इस सेवा का सबसे अधिक लाभ भारत और बांग्लादेश से आने वाले पर्यटकों को मिलने की पूरी उम्मीद जताई गई है। भविष्य में चीन के रास्ते आने वाले वाहनों के लिए भी यह खास सुविधा शुरू की जाएगी। यह पहल नेपाल के पर्यटन को बढ़ावा देने और प्रक्रियाओं को आधुनिक बनाने में मदद करेगी।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)